राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 2682
शक्तिरूपा
यथारूप
शक्तिरूपा
श्रृंखला
2022
SUPER COMMANDO DHRUVA YEAR
RAJ COMICS
राज
कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA

मनोज गुप्ता पेश करते हैं...
शक्तिरूपा
यथारूप
शक्तिरूपा यथारूप में
संकलित कॉमिक्स
स्त्रीभू
सिंधुनाद
मृत्युरूपा
RAJ COMICS
राज कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA

स्टोरी एण्ड आर्ट
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
जगदीश

कलर
राज कॉमिक्स टीम

कैलीग्राफी
नितिश शर्मा

एडीटर
मनोज गुप्ता

मैनेजिंग एडीटर
मीनू गुप्ता

स्टूडियो हैड
आयुष गुप्ता

शक्तिरूपा कवर

कवर आर्ट
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
जगदीश

कलर इफैक्ट्स
ईशान त्रिवेदी

राज कॉमिक्स टीम
जे. एन. झा, नफीस खान
बबीता वालिया, रंजीत राम, नितिश शर्मा

शक्तिरूपा

यथारूप

शक्तिरूपा श्रृंखला
मुद्रण तिथि– मार्च 2022

प्रकाशक
पिनव्हील पब्लिकेशन्स
(राज कॉमिक्स बाय मनोज गुप्ता)
330/2, बुराड़ी
दिल्ली–110084
फोन: 9911588259

राजपृष्ठ #15

प्रिय पाठकों,

शक्तिरूपा, एक ऐसा नाम जो लगभग एक दशक से आप सभी पाठकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। हजारों पाठक एक लंबे समय से प्रतीक्षा में थे कि कब यह सीरीज प्रकाशित होगी और वे इसका आनंद ले सकेंगे। इसकी रहस्यमयी दुनिया में खो सकेंगे।

शक्तिरूपा, राज कॉमिक्स की एक प्रलंयकारी और नायाब सीरीज, जो किन्हीं कारणोंवश निलंबित हो गई थी और सभी पाठकों ने इस सीरीज की आशा लगभग छोड़ ही दी थी। उन्हें लगने लगा था कि अब यह शृंखला कभी आ ही नहीं सकेगी। किन्तु आज यह राजपृष्ठ लिखते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि अंततः राज कॉमिक्स बाय मनोज गुप्ता की टीम के 4 वर्षों के श्रम का फल, शक्तिरूपा का यह संयुक्त संस्करण आपके हाथों में आने में सफल हो गया है, इंतजार की घड़ियां खत्म हो गई हैं।

जब भी मैं इस सीरीज के एड, कहानी, आर्टवर्क या कवर्स को अपने कम्प्यूटर के किसी कोने में देखता था, या किसी कॉमिक में इसका एड देखता था तो मुझे दुख होता था कि इतनी बेहतरीन कथा से मैंने अपने पाठक मित्रों को वंचित रखा हुआ है। और यही दुख एक दिन मैंने अनुपम जी के साथ साझा किया।

उस दिन मैं अनुपम जी के साथ एक रेस्टोरेंट में डिनर कर रहा था और आने वाली शृंखलाओं के विषय पर हम चर्चा कर रहे थे कि अचानक ही मुझे इस सीरीज का ख्याल आया और मैंने अनुपम जी से अपना दुख व्यक्त किया।

उस दिन मुझे ज्ञात हुआ कि अनुपम जी भी इस सीरीज को लेकर बेहद चिंतित थे। तीन वर्षों से अधिक का उनका श्रम ठंडे बस्ते में चला गया था और पाठक अपने प्रिय सुपर कमांडो ध्रुव की एक बेहतरीन कहानी से महरूम रह गए थे। सुपर कमांडो ध्रुव की आखिरी प्रकाशित कॉमिक उन्होंने वर्ष

शक्तिरूपा की एडिटिंग...

2015 में पढ़ी थी, जो थी 'बालचरित सीरीज' की 'एन्ड गेम'। उसके बाद से ही ध्रुव की कोई भी नई कॉमिक प्रकाशित न हो सकी थी और जिस 'शक्तिरूपा' सीरीज पर काम चल रहा था वह रुक गई थी।

अनुपम जी से हुए इस लंबे वार्तालाप में हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह सीरीज किसी भी तरह से पाठकों के लिए प्रकाशित करनी है। किसी भी हाल में यह रुकनी नहीं चाहिए। निर्णय तो हमने ले लिया, लेकिन यह कार्य इतना सरल नहीं था।

यदि हम पूर्ण प्रयासों के साथ इस सीरीज पर जुट जाते तो यह एक वर्ष से ज्यादा का समय ले जाती और ऐसे में हम दूसरे नए प्रोजेक्ट्स जैसे सर्पसत्र, प्रेम ग्रन्थ, तेरह घंटे, फ्रेंडी जीनियस, आजादी सेना, बांकेलाल व अन्य ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम नहीं कर पाते जिनमें पाठकों ने पहले ही इन्वेस्ट किया हुआ था। और इस कारण यह सभी प्रोजेक्ट भी काफी डिले हो जाते और हमारी टीम की नीति है कि पहले उन ऑनगोइंग प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाए जिनका हमने वादा किया है।

दिमाग में लगातार एक उलझन, एक तूफान उठा हुआ था कि आखिर कैसे इस सीरीज को जल्द से जल्द प्रकाशित किया जाए कि दूसरे प्रोजेक्ट्स भी डिले न हों और तब एक दिन, अचानक से ही एक शब्द दिमाग में उभरा- 'यथारूप'।

अर्थात जो जैसा है, उसे वैसा ही, उसके यथावत रूप में प्रकाशित किया जाए। 288 पृष्ठों का अद्भुत आर्टवर्क और एक झंझावाती कहानी। मैंने जब यह कहानी पहली बार पढ़ी थी तो ऐसा लगा जैसे 288 MPH विन्ड स्पीड के एक तूफान से गुजर कर आया हूं। यह सीरीज किसी अजूबे से कम नहीं है।

अंततः फाइनली यही निर्णय लिया गया कि इसे यथारूप ही प्रकाशित किया जाए और हमें यह कार्य बहुत ही तीव्रगति से करना था, इस उद्देश्य से इस प्रोजेक्ट को नाम दिया गया-'प्रोजेक्ट रॉकेट'। हमारी टीम ने 3 माह की कड़ी मेहनत के बाद, रॉकेट की ही गति से इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया। ध्रुव वर्ष 2022 में ध्रुव की इससे अच्छी पेशकश दूसरी नहीं हो सकती।

आशा है, आप सभी पाठकों को राज कॉमिक्स बाय मनोज गुप्ता द्वारा प्रकाशित यह धमाका पसंद आएगा। भविष्य में इसी तरह, हम नई कहानी, नए चित्रांकन, और नए कॉन्सेप्ट्स के साथ मिलते रहेंगे। तब तक के लिए अलविदा...

राज कॉमिक्स है हम सबका जुनून।

आपका मनोज गुप्ता।
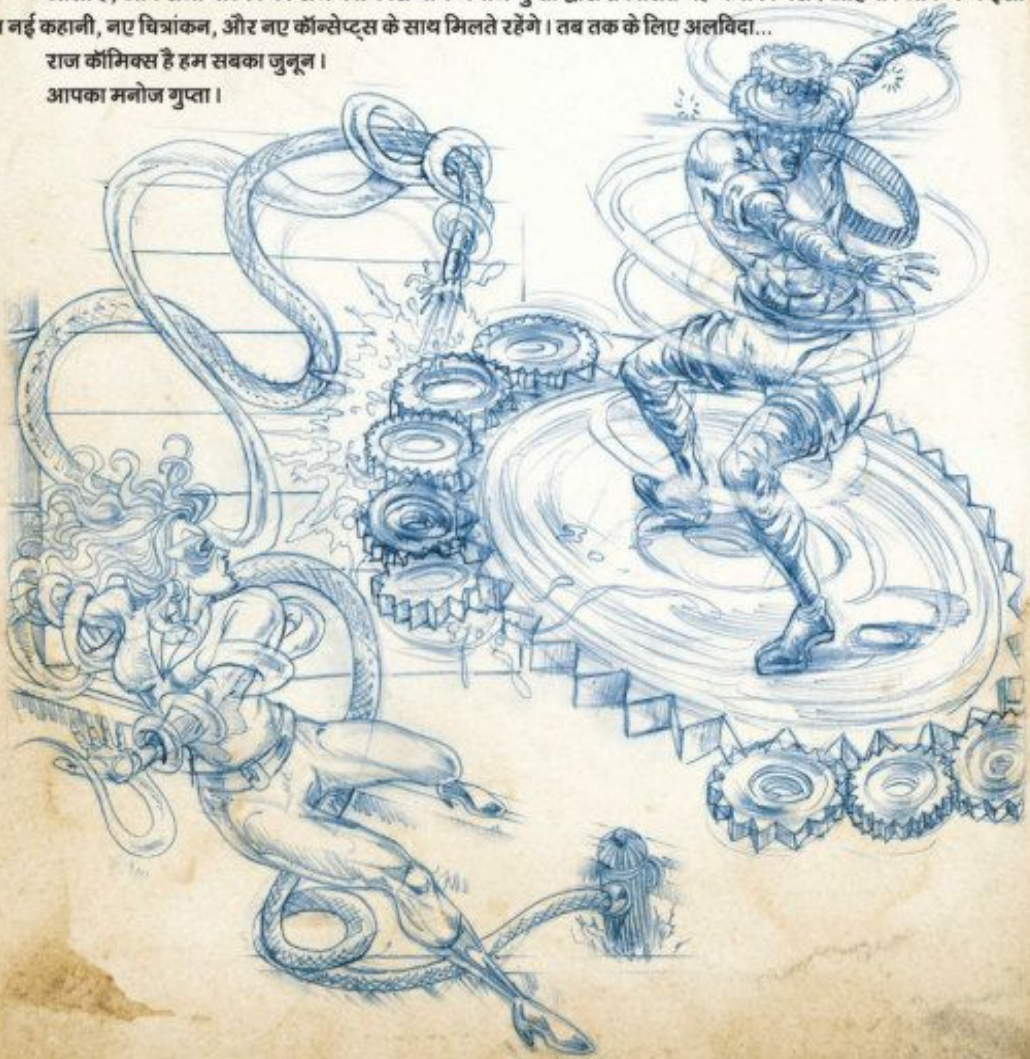
स्त्रीभू पात्र परिचय

ध्रुव की अन्य लगभग हर कॉमिक की तरह ही, इस कॉमिक में भी कई नए पात्रों का और नए स्थलों का सृजन किया गया है। अब चूंकि इस पूरी श्रृंखला को आप एक बिंज रीड के तौर पर पढ़ने जा रहे हैं, इसीलिए मुझे लगता है कि किसी फिल्म की तरह, शक्तिरूपा श्रृंखला में भी एक कास्टिंग होनी चाहिए, ताकि आने वाले पात्रों से आपका एक हल्का सा ही सही, लेकिन पूर्व परिचय हो जाए।

तो आइए शक्तिरूपा श्रृंखला एवं इसके पात्रों के बारे में हम थोड़ा सा पूर्व परिचय कर लेते हैं।

शक्तिरूपा पृथ्वी पर स्थित एक गुप्त, रहस्यमय और लुप्त महाद्वीप के विषय में है, जिसको इतिहास मे विदेशियों द्वारा लेमुरिया और भारतीयों द्वारा कुमारी कंदम कहा गया है। यह भूभाग भारत के दक्षिण में भारतीय महासागर में स्थित माना जाता है। भारत और अफ्रीका के पास मिलने वाले एक बड़े द्वीप मेडागास्कर में मिलने वाली समानताओं को भी इसी काल्पनिक महाद्वीप से जोड़ा जाता है। अब इसके कुछ भाग न्यूजीलैंड के पास, न्यूजीलैंडिया नामक मेडागास्कर जितने बड़े क्षेत्रफल के एक जलगत द्वीप के रूप में सामने आए हैं।

हमारे अनुसार यह महाद्वीप वास्तविक है और आज के समय में वहां के निवासी इस को स्त्रीभू कहते हैं। स्त्रीभू की स्त्रियां अति शक्तिशाली हैं, और वहां के पुरुष, स्त्रियों से शारीरिक रूप से कमजोर। और इसका कारण है स्त्रीभू में रखे दो शक्तिरूपा की शक्ति! आइए स्त्रीभू के कुछ मुख्य पात्रों से परिचय कर लेते हैं।

देवी सरानी

देवी सरानी, स्त्रीभू महाद्वीप की निर्वाचित शासिका हैं। वह स्त्रीभू के संविधान के अनुसार वहां पर शासन करती हैं और उनका आदेश सभी पर समान रूप से लागू होता है।

देवी अक्षया

देवी अक्षया, स्त्रीभू की धनकुबेर है। स्त्रीभू में स्थित अधिकतर खदानें और संयंत्र देवी अक्षया के ही हैं। इसके बारे में प्रसिद्ध है कि यह अपने पुरुष श्रमिको से बहुत अधिक काम लेती है और उनको उसका पारिश्रमिक पूरी तरह नही देती है। स्त्रीभू के पुरुष श्रमिकों में देवी अक्षया के प्रति एक असंतोष है।

देवीना

स्त्रीभू में स्थापित किए गए दोनों शक्तिरूपा ऊर्जापुन्जों के अपने अलग-अलग्र रक्षक हैं, और उन दो रक्षकों में से एक है, देवीना। यह देवीना वही है जो एक समय में जुपिटर सर्कस की स्ट्रांग वूमेन थी और ध्रुव की अच्छी दोस्त रही है।

सिंधु

सिंधु का पूरा नाम सिंधुनाद है। यह एक अति शक्तिशाली युवती है, और बाजों द्वारा पाल पोसकर बड़ी की गई है। इसीलिए अति शक्तिशाली बाजों की टोली इसका परिवार है और यह उन सबको अपना भाई कहती है। यह स्त्रीभू की महानायिका है और अपनी शक्ति से स्त्रीभू की अपराधियों से रक्षा करती है।

कौस्तुभा

कौस्तुभा, देवीना की समकक्ष है और वर्तमान में जो शक्तिरूपा पुंज, स्त्रीभू में रखा हुआ है, उसकी एकमात्र रक्षक है। यह अपने आप को सिंधु या देवीना से कम कतई नही समझती और इस कारण इसका उन दोनो से टकराव होता रहता है।

बांधवी बहनें

बांधवी बहनें, लुटेरों के बीच में काफी मशहूर हैं। यह किराए के गुंडों की तरह काम करती हैं। इनको पैसा देकर छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा अपराध करवाया जा सकता है। सही रकम दी जाए तो यह देवी सरानी तक को मारने का कॉन्ट्रैक्ट ले सकती हैं। आमतौर पर यह दोनों बिल्लौरी के दाहिने और बाएं हाथ के रूप में जानी जाती हैं।

बिल्लौरी

बिल्लौरी, स्त्रीभू की टॉप मोस्ट माफिया है। वह संयंत्रों में मजदूरों से रंगदारी वसूलने के लिए बदनाम है। स्त्रीभू में जितने भी अपराध होते हैं, और उच्च स्तर पर व्यापारियों एवं संयंत्र मालिकों से हफ्ता वसूल के जितने भी मामले आते हैं, उन सब के पीछे बिल्लौरी का ही हाथ रहता है। एक धारणा यह भी है कि बिल्लौरी को कभी किसी ने देखा नही है। और अगर किसी ने देखा भी है तो वह बिल्लौरी के वेष में उसके अपने गुर्गे होते हैं जो बिल्लौरी के बारे में कुछ नही जानते।

वास्तव में बिल्लौरी कौन है और कहां रहती है, इसके बारे में देवी सरानी और उनका गुप्तचर तंत्र तक नही जानता। देवी सरानी तो बिल्लौरी को एक कल्पना तक मानती हैं। पता नही यह सच्चाई है या स्त्री भू के शासन की बिल्लौरी को ना पकड़ पाने की खीझ।

शक्तिरूपा श्रृंखला

प्रथम खण्ड

प्रकृति पर ये आरोप लगता आया है कि उसने नर को मादा से हमेशा अधिक शारीरिक बल दिया है।
इसलिए नर ने मादा प्रजाति को सदैव अपने द्वारा बनाए गए नियमों के अधीन रखा है?
अधिकतर प्रजातियों में यह नर-शक्ति सुरक्षा प्रदान करती आई है...
छपाक
पर इंसानों में न जाने कब ये नरशक्ति, सुरक्षा से बर्बरता की तरफ बढ़ गई।
और नारी, अत्याचार का मुख्य निशाना बन गई।
धाड़
उसकी करुणा, दया और ममता की शक्तियों पर नर की शरीरिक शक्ति हावी हो गई।

स्त्रियों पर हिंसा, घर से लेकर सड़क तक फैल गई।
धड़ाक
हत्या, लूट, अपहरण, शोषण जैसे अपराध संसार के हर कोने में बढ़ने लगे।
कानून ने स्त्रियों की मदद की! पर हालात नहीं बदले।
फिर स्त्रियों ने भी पुरुषों को उन्हीं के गढ़ों में चुनौती देनी शुरु कर दी।
परंतु नर प्रजाति के शरीरिक बल की दीवार को मादा प्रजाति पार नहीं कर पाई!
...न क्रूरता में...
...न हिंसा में...

पर क्या होगा जिस दिन किसी 'नारी मसीहा' का अवतरण होगा...
धाड़
धम्म
और नारी आज मात्र तस्वीरों में पूजी जाने वाली देवी का साकार रूप लेकर बन जाएगी...शक्तिरूपा
धाड़
धाड़
शक्ति संतुलन न हुआ, तो ये होगा, जल्दी होगा, और अवश्य होगा!
मनोज गुप्ता पेश करते हैं...
स्त्रीभू
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
संपादन: मनोज गुप्ता
इंकिंग: जगदीश
रंग सज्जा: राज कॉमिक्स टीम
सुलेख: नितिन शर्मा
मुख्य पृष्ठ रंग सज्जा: ईशान त्रिवेदी
शक्तिरूपा श्रृंखला
प्रथम खण्ड
प्रबंध संपादक: मीनू गुप्ता
स्टूडियो हैड: आयुष गुप्ता
संस्थापक: राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता
सहयोग: बबीता वालिया, रंजीत राम

पर सवाल वही है। ये फर्क मिटेगा तो कैसे?
मिटेगा, तो क्या बराबरी पर आकर रुकेगा?
या फिर...अब नारी, के नर पर हावी होने की बारी आएगी?
न, न, ना! ये गलती मत करना!
कोई भी पुरुष इस सीमा रेखा को लांघ नहीं सकता!
सिर्फ स्त्रियां ही शक्तिरूपा प्रांगण में जा सकती है।
पर उनको भी इस गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं है।
पुरुष क्यों नही जा सकते?
क्योंकि प्रांगण में जाने से पुरुषों की शक्ति क्षीण होती है! पर स्त्रियों की बढ़ती है।
कब से है ये मंदिर यहां पर?
मंदिर तो हजारों वर्ष पुराना है। पर शक्तिरूपा की कहानी कुछ दशकों से ही शुरू हुई है।
कहते है कि इस क्षेत्र में एक भीषण भूकंप आया था। कई जानें चली गई थीं।
उसी आपदा के बाद इस मंदिर में इस चमत्कार को महसूस किया गया और परखा भी गया!
फिर मठाधीश, यानी आपके नाना ने, इस मंदिर को सीलबंद कर दिया ताकि न तो शक्ति कहीं जा सके, और न शक्ति के पास कोई जा सके!
ओह! पर ऐसा क्या है मंदिर में, जो ऐसा असर करता है?

वह शक्ति निराकार है, प्रकाश की तरह!
और अगर वह शक्ति स्वतंत्र हो गई, तो मठ के सयानों के अनुसार दुनिया बदल जाएगी।
देवी गौरांगी यानी आपकी मां ने इसी प्रांगण में अभ्यास करते हुए शक्ति और कुशलता पाई थी।
वर्ना एक स्त्री का हंटर्स में अपना दबदबा बना पाना संभव नहीं था। शक्तिरूपा का आशीर्वाद मिला था आपकी मां को!
हम्म! अच्छा हुआ चंडिका, पापा के साथ वापस चली गई है और ब्लैक कैट को भी अस्पताल में भर्ती कराने अपने साथ ले गई है।
अगर वो सुनती कि लड़कियों को शक्ति चमत्कार से ही मिल सकती है तो वो तुम्हारा ख्याल बदलने की पूरी कोशिश करती।
और उनका तरीका तुमको पसंद नहीं आता।

आप इस पर विश्वास करें न करें, आपकी इच्छा!
लेकिन लोगों ने तो भूकंप के तुरंत बाद पहाड़ों के ऊपर कुछ क्षणों तक देवी को देखा भी है। वे प्रकट भी हुई थीं।
सच में।

शायद इसीलिए मठेश मार्तण्ड को जाते-जाते भी इस मंदिर की रक्षा करने का ही ख्याल था!
खैर! पुलिस के जवान तो यहां सुरक्षा के लिए तैनात हैं ही।

तब तक मैं दूसरे काम निपटा लूं! मैं भी यहां ज्यादा समय नहीं रुक सकता!
पर मुझे ये काम करना ही नहीं है, भाई।
ट्राई तो कर! जिन-जिन हंटर्स की लिस्ट और नंबर तुझे दिए गए हैं, उनसे कॉन्टेक्ट कर!
उनको सिचुएशन समझा और उनको आदेश का इंतजार करने को बोल।
आदेश? मैं कोई मठाधीश हूं क्या?
अब है। फिलहाल तो है तू मठाधीश।
हमें हंटर्स को बांधे रखना है। अगर वे टूटे तो गजब हो जाएगा।
हंटर्स पहले जैसे राष्ट्र के खुफिया अभियानों पर काम करते थे, उन्हें उसी राह पर वापस लाना है, उनको फिर से इज्जत और बेइज्जती का फर्क समझाना है।
ठीक है, ठीक है। ट्राई करती हूं। पर मुझे नहीं लगता कि कोई हंटर एक लड़की की बात मानेगा। वह भी जो अभी कहीं बाहर से आई है।
अब ये लड़की, लड़के की बात कहां से आ गई?
तुमको समझ में नहीं आएगा, ध्रुव! तुम एक लड़के हो ना।
अगर मैं लड़का होती तो मुझे रोबो आर्मी का कमांडर बनने के लिए आधी मेहनत करनी पड़ती।
मेल जेंडर, फीमेल की सत्ता जल्दी स्वीकारते ही नहीं हैं।

एग्जैक्टली! मेरी बात को भी जल्दी कोई नहीं मानता!
ऐ चुप कर! तेरे होते हमें तो बोलने का मौका मिल जाए यही बहुत है।

चुप! चुप!! चुप!!!
तुम लोग ट्विस्टी का उत्साह बढ़ा रहे हो या डरा रहे हो!

NEAREST OPERATIVES (2 FOUND)
HUNTERS
ट्विस्टी, तुमने यहां हुए घटनाक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट तो हर हंटर को भेज दी है।
अब उनमें से हर एक को पर्सनली फोन करके, उनकी स्वामिभक्ति की स्वीकृति लेनी है।
ये है हंटर्स के आखिरी लोकेशन का मैप।

चलो सबसे पास वाले हंटर से शुरू करते हैं।
अरे, ध्रुव! सबसे पास वाला तो मठ के आसपास ही है।
रक्षक अमर रहें!
एजेंट...अ... किस?
ये ..ये आपका नाम है?

काम है।

ये आपका काम है?

खैर आपको महेश मार्तण्ड की तरफ से एक खास ईमेल भेजी गई थी! पढ़ ली आपने?

पढ़ ली? लिखा था अब मठ और हंटर्स का कार्यभार मेरी नातिन ट्विस्टी संभालेगी।

ओह हां! तो मैं ट्विस्टी आपसे स्वामिभक्ति की उम्मीद रखूं?

ओ गॉड! क्या रुआब है आवाज में! तू पक्का भट्टा बिठाएगी! इतनी पोलाइट!

श्श्शश! फोन पर हूं! हां तो जी, आप किस...

बिल्कुल, बिल्कुल! दरअसल में यहां पर आई ही हूं अपनी सलामी देने को!

हंटर किस के फ्लाइंग किस की एक्सप्लोसिव रिंग!
किस दो अलग केमिकल्स की लिपस्टिक दो होठों पर लगाती है, जिसे वह छल्ले के रूप में फ्लाइंग किस करके छोड़ती है।
भड़ाम
जब ये दोनों केमिकल आपस में मिश्रित होते हैं, तो धमाका हो जाता है।
विनाशकारी धमाका! अच्छा हुआ हम समय पर अंडरग्राउंड बंकर में घुस गए थे!
लेकिन ये किस हमला कर क्यों रही है?
हो सकता है कि उसे मठ में पुलिस की उपस्थिति पसंद न आ रही हो!
तो फिर पहला अटैक पुलिस पर होना चाहिए था।
ट्विस्टी की लोकेशन पर अटैक का मतलब है कि वह कुछ और चाहती है!
पर ऐसा क्या है?
शक्तिरूपा!! बस! धमाका सुनकर पुलिस पार्टी इधर आएगी...!
और उधर का मैदान साफ हो जाएगा।
कौन हो तुम, वहीं रुक जाओ!
रुका नहीं जा रहा है, हैंडसम! बस, तुम्हें कुछ देना है!
क...क्या?

पुच्च
ये!!
फ्लाइंग किस?
फूऽऽ
ये..ये तो जादू है!!!
भड़ाक
मुझे मंदिर के दरवाजे को भी अपना प्यार भेजना है!
हे जा! अब तुम फ्लाई करके भगवान से मिलो!
पुच्च
मुझे मंदिर का दरवाजा तोड़ कर...
देवी से मिलना!!!!
सॉरी! मुझे किसी को भी पैर से दबाना अच्छा नहीं लगता, पर जब तक तुम इस 'किस बम' को डिफ्यूज न कर दो, तब तक मैं तुमको मुंह से हाथ हटाने नहीं दे सकता!

...या तुम खुद अपना चेहरा उड़वाना चाहोगी?
गलत टाईम पर गलत दुश्मन से टकरा गए हो तुम!
धाड़
और सबसे बड़ी बात कि गलत जगह पर टकरा गए हो!
ये जगह पुरुषों के लिए नहीं है।
इस प्रांगण में पैर रखते ही पुरुषों की शक्ति क्षीण होनी शुरू हो जाती है।
धाड़
आह! ये सच कह रही है! मैं कमजोरी महसूस कर रहा हूं।
अब एक गुड बाय किस तो बनता है, गुड ब्वॉय के लिए!

आउऽऽऽऽ!

धाड़

और बैड गर्ल्स के लिए कुछ नहीं?

कोई बात नहीं। रिटर्न गिफ्ट पहले ले लो।

तुम एक हंटर हो! इसलिए हंटर्स के नए अध्यक्ष, यानी मेरा, ट्विस्टी का आदेश मानना तुम्हारा कर्तव्य है!

पर तुमने हम पर हमला किया इस अपराध के लिए तुमको दंड दे सकते हैं।

लेकिन फिर भी हम तुमको एक और मौका देना चाहते हैं। समर्पण कर दो।

कर देंगे! पर अभी 21 तोपों की सलामी पूरी कहां हुई है? एक तोप तो वहीं है....

जहां आप खड़ी हैं।

ओह! मॉई गॉड।

इसने तो पूरे मंदिर के प्रांगण को 'बूबी ट्रैप' करके रखा है!

धड़ाम

इस धमाके ने तीनों को बुरी तरह से हिला दिया!
और अब बारी फिर से ध्रुव की थी!
ओफ! पूरे प्रांगण में धमाके हो रहे हैं!
पर इन धमाकों को पार करके इस तक पहुंचना ही होगा!
क्योंकि अब वे मंदिर पर अटैक कर रही है।
ओफ! निशाना, दरवाजे से चूक गया!
ओह! इसका निशाना शक्तिरूपा है!
इससे पहले कि ये मंदिर का द्वार तोड़ कर उस तक पहुंचे!

इसको रोकना होगा।

धड़ाक

ओफ! मुझे पुलिस के आने तक अपना काम करके निकल लेना है।

पर लगता है कि तेरी बलि लिए बगैर शक्तिरूपा मां मेरी मन्नत पूरी नहीं करेगी।

फुस्स

ओफ! प्वाइंट ब्लैंक अटैक! अब तो माता का झंडा ही...

...मेरी सुरक्षा करेगा।

अब इसके फटने से पहले...

मुझे इस मिस डेथ किस तक पहुंच जाना है!
...ताकि मैं इसका किस इसी को वापस कर सकूं!
और धमाके से पहले खुद को दूर कर...आउउऊ!
भड़ाक
आह! लेट हो गया!
धमाके ने पहले ही ध्रुव को बेहोशी की कगार पर पहुंचा दिया था।

और उसकी बची खुची शक्ति को शक्तिरूपा के दर्शन ने खींच लिया।
किवदंती एकदम सत्य थी।
शक्तिरूपा पुरुष शक्ति को क्षय करती थी और नारी-शक्ति में वृद्धि करती थी।
दरवाजा तोड़ने के लिए शुक्रिया ध्रुव! वैसे तो मेरी पोशाक ही बम निरोधी है, पर द्वार टूटने के कारण शक्तिरूपा ने भी मेरी रक्षा की है!
मुझे अभी से अपनी रगों में खौलते लावे की शक्ति दौड़ती महसूस हो रही है।
धाड़
मुझे विश्व साम्राज्ञी बनाने में सहयोग देने के लिए शुक्रिया!
जिंदा रहे तो फिर मिलना!
मार दूंगी!

क्योंकि शक्तिरूपा की शक्ति मिलने के बाद अब कोई शक्ति मुझे रोक नहीं सकती।
कोई भी नहीं!
सब्जेक्ट 652!
652
ओ माई गॉड! ओ माई गॉड!
डॉक्टर! ये...ये चमत्कार है। इट्स मिरेकल।
हेलो। डायरेक्टर सलूजा? ...यस डॉक्टर सलूजा! वह...वह...होश में आ गई है सर!... वही ..वही!

कपड़े कहा है मेरे?
कपड़े नहीं है। तुम पांच साल से कोमा में थी। तुम शांत हो जाओ!
मैं-मैं समझाती हूं तुमको!
मैं समझाता हूं। मैं डॉ. सलूजा हूं। इस जेनेटिक सेंटर का C.E.O. कपड़े आ रहे हैं।
पहले डॉ0 सुनीला को छोड़ो!
पहले कपड़े लाओ मुझे शक्तिरूपा लेना है। मुझे जाना है।
जाना है? पर तूने अभी हमें कहां जाना है। तेरे खून की एक-एक बूंद हमारी कर्जदार है।
बाउंसर्स! बांध दो इसे बेड से।
मूर्ख पुरुष, खैर मना अपनी! शक्तिरूपा नहीं मिला मुझे तो तू खून के आंसू रोएगा।

और इस बात का भी शुक्र मना कि मैं पांच साल कोमा में थी!
वर्ना मेरी फूंक से ही इन मुस्टंडों की गर्दनें चटक जातीं।
शक्तिरूपा अपने आप चलकर नहीं जा सकता! कोई तो उसे लेकर भागा है।
पर भाग कर जाएगा कहां? ये दुनिया तो ये दुनिया...

...वह किसी दूसरी दुनिया में भी हो तो भी बचेगा नहीं मुझसे!
...कौन है वह? जिसकी मदद की है तुम दोनों ने!
यहां से दशकों पहले हमारे दो में से एक शक्तिरूपा लुप्त होने के बाद हर संभावित अपराधी की सूची बनाई गई थी!
हम दोनों ने कुछ नहीं किया। हम आउ.. हम तो छोटी मोटी चीजों पर हाथ साफ करते हैं।
तुम दोनों को छोड़कर बाकी सभी मिल भी गए और निर्दोष भी साबित हुए।
पर इतने सालों तक तुम दोनों का कोई पता नहीं चला।
शायद मोटे पैसे मिले थे तुमको। लेकिन पैसा तो एक न एक दिन खत्म होता ही है। हम उसी दिन का इंतजार कर रहे थे।
हर द्वीप पर हमारे आदमी सुनसान जगहों पर तुमसे लुटने के लिए ही घूम रहे थे।
और आखिरकार... शायद तुम्हारे पैसे खत्म हो ही गए।

और अधिक झूठ बोलने से पहले रात भर इस तस्वीर की ओर देखना!
बाज अंक 340 के चित्रयंत्र से लिया गया है ये!
बंदी गृह सं॰ 26
ये तो हमको पहले से पता है सिंधु कि शक्तिरूपा को कौन ले गया।
ये जुबान खोले या न खोले।
वह मात्र शक है, प्रहरी! पुष्टि यही कर सकती है। और ये भी बता सकती है।
कल तक याद कर लेना कि ये कौन थी!
थी या था।
कोई भी पुरुष शक्तिरूपा को हाथ तक नहीं लगा सकता।
अब कल या तो तुम्हारी जुबानें खुलेंगी या हमेशा के लिए खामोश हो जाएंगी!
कि शक्तिरूपा इस समय कहां है।
अरे ये चमक!
ये...ये शक्तिरूपा की चमक है। इतने सालों से लापता शक्तिरूपा अभी-अभी किसी बंधन से मुक्त हुआ है!
पर ये चमक आई कहां से?

इसका पता लगाना होगा बाजों से!
ओह! मेरे किसी बाज के चित्रयंत्र में इस चमक का कोई ब्यौरा नहीं है। अब तो मात्र...
ओह! बस इसी संदेश की कमी थी। हमारे द्वीप समूह स्त्रीभू की मताधिनायक देवी सोनारी के आपात-संकेत की!

माननीय सरानी देवी को मेरा अभिवादन!
स्वागत है, सिंधु! सुना है तुमने बांथवियों को पकड़ने में सफलता पा ली है!
और इनके पकड़े जाने के ठीक बाद हमने अभी-अभी गायब शक्तिरूपा की ऊर्जा को महसूस किया है और वह बाहरी दुनिया से आई है!
ये क्या कोई संयोग है?
नहीं, माननीय! मेरे बाज उन पर एक सप्ताह से नजर रखे हुए थे! बस चारा लगाकर जाल बिछाने में समय लग गया!
उत्तम!! पर वे नई बात क्या बताएंगी? मुझे पूरा विश्वास है कि शक्तिरूपा की असली चोर...
उनसे मुझे ये जानना है कि शक्तिरूपा को बाहरी दुनिया तक किस रास्ते से ले जाया गया!
जहां तक मैं जानती हूं, ऐसा रास्ता कोई नहीं जानता! क्योंकि अब तक हमारे पास ऐसी कोई जानकारी भी नहीं है कि कोई बाहरी दुनिया भी है।

जो करना है, जल्दी करो! शक्तिरूपा के यहां से जाने से यहां के पुरुषों में आक्रामकता बढ़ रही है।

इससे पहले कि सब कुछ तहस नहस हो जाए, शक्तिरूपा को वापस लाना होगा।

वह हमारी दुनिया के सामाजिक ढांचे के लिए ठीक नहीं।

पर एक बात समझ नहीं आई, मताधिनायक!

दो शक्तिरूपा के दो संरक्षकों में से एक होने के बावजूद देवीना एक शक्तिरूपा को लेकर बाहरी दुनिया में गई क्यों? ''अगर कोई बाहरी दुनिया है तो!''

मुझे...इतने सालों तक सिर्फ इतना ही क्यों याद है कि मुझे शक्तिरूपा तक पहुंचना है। इसके अलावा सब एकदम धुंधला है...

...शायद शक्तिरूपा तक पहुंचने के बाद मेरी वो धुंधली स्मृति वापस आ सके।

मुझे शक्तिरूपा के संकेत एकदम स्पष्ट मिल रहे हैं।

इधर डेथकिस पर देविना नाम का कहर टूटने वाला था।

पर डेथकिस... वह किस दिशा मे गई होगी?
अरे! रेणु तुम? और ये पीटर, करीम को क्या हुआ?
हमने उसे रोकने की कोशिश की पर उसने पीटर और करीम को तिनके की तरह उछाल दिया!
मैंने उसका थोड़ा मुकाबला जरूर किया!
पर उसमें एक अलग तरह का शारीरिक बल था!
मैं भी चालीस सैकंड से अधिक टिक नहीं पाई!
उसने दाहिने बाजू पर कुछ था?
एक सुनहरा चमकता कुछ लिपटा था उसके बाजू में।
तुम सबको यहां से राजनगर भेजना होगा यह जगह खतरनाक होती जा रही है।
फिलहाल इस हंटर्स हैडक्वार्टर को सील करना ही उचित होगा!
पुलिस वैन्स तुम लोगो को यहां से शहर ले जाएगी।
और तुम?
मैं जरा डेथकिस की तलाश करूंगा!
मुझे यकीन है वह अभी भी यहीं पर होगी!
मुझे उससे शक्तिरूपा वापस हासिल करना है।
मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी, भाई! शक्तिरूपा मेरी भी जिम्मेदारी है!
पर...चलो, ठीक है। अगर शक्तिरूपा उसके पास है तो तुम्हारी जरूरत पड़ सकती है!
राजनगर पुलिस पर जल्दी ही जबरदस्त बोझ बढ़ने वाला था।
...यकीन मानें, कमिश्नर साहब!
वह पांच साल बाद कोमा से उठी और अपना पहला मिनट उसने मेरे चार बाऊंसर्स की हड्डियां तोड़ने में लगाया।
केस यूनिक है, इसलिए मैं सीधा आपके पास आया।
उसका वापस आना मेरे लिए बहुत जरूरी है?

हम उस पर जेनेटिक टेस्ट कर रहे हैं।
दरअसल एक टैक्सी वाला इसको पांच साल पहले राजनगर के जनरल हॉस्पिटल में छोड़ गया था।
जली हुई हालत में! 90% थर्ड डिग्री बर्न थे। इंसान ऐसे घावों से जिंदा नहीं बच पाता!
पर इसके घाव बीस दिन में अपने आप भर गए।
मेरे साइंटिस्टों का वहां आना जाना है! उनसे ही मुझे इस स्त्री का पता चला!
मैं उसको फटाफट क्लेटॉन जेनेटिक सेंटर ले आया!
UNKNOWN DNA
वह बच तो गई थी लेकिन कोमा से बाहर नहीं आ पाई थी।....
लेकिन फिर न जाने ऐसा क्या हुआ कि यह एकाएक होश में आ गई और फिर...भाग गई!
जनरल हॉस्पिटल में इसका नाम, पता भी दर्ज था?

हां! बेहोश होने से ठीक पहले इसने अपना नाम देवीना बताया था!
वह तो मेडिको लीगल केस था! पुलिस को इंफार्म क्यों नहीं किया गया?
दो दिन की छुट्टी थी तब! तीसरे दिन इसमें आश्चर्यजनक सुधार देखकर मैंने डॉक्टरों से मना कर दिया कि...

... इस केस की खबर किसी को भी न की जाए!
यानी... पिछले पांच सालों तक उस महिला की मौजूदगी तक का कोई रिकॉर्ड नहीं है और अब वह भाग गई है!
आई एम सॉरी, पर जब तक वह महिला मिल नहीं जाती, मुझे आपकी जेनेटिक रिसर्च एंड लेबोरेट्रीज को सील करना पड़ेगा!

अरे, पर मैंने ही आपको बताया और आपने मुझे ही फंसा दिया! वह औरत खतरा है। बहुत बड़ा खतरा!
उसका बैकग्राउंड पता करना पड़ेगा!
वह भी पता करना होगा कि वह क्यों जली और कब जली!

अरे, उसी रात को जली, जब उस सर्कस में आग लगी थी! क्या नाम था उसका....
जुपिटर सर्कस?
हां हां! वही! उस दिन जली हालात में भागते जानवरों के कारण कई इसांन भी जल गए थे!
ये भी उनमें से ही कोई एक होगी!

देवीना! अति शक्तिशाली स्त्री! और... जुपिटर सर्कस!
तार तो हैं...!

बस इन्हें जोड़ने वाला चाहिए!
श्वेता, देख कौन है!
देख रही हूं, मम्मी!...
चूं चूं चूं चूं चौं ओं

देख रही... ओ!!!!!!!
आ गए मायके से?
मायके से?
मां के घर से!
वैसे कमिश्नर सर बता रहे थे कि आप अभी वहीं रहेंगे! फिर इधर की याद..!

कौन है श्वेता?
भईया है, मम्मी!
ध्रुव!

अब अंदर आने देगी या नहीं?
क्या मिलेगा?
बहन!

हाई!!
ऐंई! ट्विस्टी!
तू जानती है इसे? मिल चुकी है इससे?

रखो अपनी गिफ्ट अपने पास!
हर बार एक नया बैकग्राउंड! हर बार नए रिश्तेदार! पागल हो गई हूं मैं...
ध्रुव! आ गया तू!
और ये कौन है?

ट्विस्टी है मां! मेरी..आ.. मौसी की बेटी!
बहन बोलने में जुबान घिसती है क्या? कितनी प्यारी बच्ची है!

आपको बताने का..म..समय नहीं मिला मम्मी! पर इसके माता-पिता अभी जेल में हैं।
न जाने कब तक छूटेंगे। तब तक क्या ये... यहीं रह सकती है? इसके पुराने घर में खतरा...

क्या?

इसका अपना घर है। मैं तो कहूंगी कि हमेशा के लिए यहीं आ जाए!
मम्मी, आप जानती नहीं। इसी की मां ने आपको..

श्वेता!
मुझे पता है, मेहमान को ऐसे नहीं...
ये मेहमान नहीं है, बेटा!
मैं इसके लिए कोई कमरा ठीक कराती हूं।

कमरा तो जबरदस्त है तेरा, श्वेता! मैं तो आजतक कभी घर में रही ही नहीं!

ज्यादा इमोशनल मत हो! कान खोल कर सुन लो। मेरा कोई सामान छूना नहीं। एकदम नहीं।

और अगर फिर भी तेरा मन करे तो..

क्योंकि तेरी मम्मी की वजह से मेरी मम्मी के हाथ पर प्लास्टर है!
गलत या सही, मेरी मम्मी भी उस वक्त ध्रुव को ही बचाने की कोशिश कर रही थी।
और वो गलती से हुआ था!
वैसे...तेरी मम्मी कमाल की है! यू आर सो लकी!
मैं ब्रेड नहीं हूं, जो तू मक्खन लगाए जा रही है।

ये पुरुष आखिर चाहते क्या हैं? जो भी विधान बनाया गया है, इनकी सुरक्षा के लिए बनाया गया है!

अब प्रकृति ने इनको शारीरिक रूप से दुर्बल बनाया है तो इसमें स्त्रियां क्या करें?

पिछले कुछ वर्षों में पुरुषों की ऐसी मांगे जोर पकड़ रही है।

इनकी मांगें न्यायोचित हैं, शाला! पर इनकी स्त्रियों की बराबरी करने की कोशिश कुछ स्त्रियों को भा नहीं रही है।

मात्र पिछले चंद्रपक्ष में ही पुरुषों को मारने या लूटने की 200 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

और मुझे विश्वास है कि यह सब एक शक्तिरूपा के लापता होने के कारण है।

उसकी अनुपस्थिति के कारण ही पुरुषों में शक्ति और उत्तेजना बढ़ी है और स्त्रीभू का सामाजिक ताना बाना छिन्न भिन्न हुआ है।

सिंधु, आप भी शक्तिरूपा के बारे में लिखी उन प्राचीन पुराणों की बातों पर यकीन करने लगीं?
इन बातों में कोई तथ्य नहीं है कि शक्तिरूपा के कारण ही हम स्त्रियों में शक्ति पुरुषों से अधिक है।
शक्तिरूपा बस एक ऐसा बेशकीमती अद्भुत तत्व है जिसको हम सदियों से पहचान नहीं पाए हैं। ये एक वैज्ञानिक गुत्थी है और कुछ नहीं।
हा हा! वहां के शासक बाहरी दुनिया तक पर विश्वास करते हैं, और तू विज्ञान की बात करती है!
उनके अनुसार एक शक्तिरूपा बाहरी दुनिया में ले जाया गया है।
वह बाहरी दुनिया, जिसका जिक्र मात्र हमारे उन पुराणों में है जिनमें शक्तिरूपा को स्त्रियों की शारीरिक शक्ति का स्त्रोत बताया गया है!
अब बताओ, क्या सच है, क्या झूठ? या दोनों सच है..या फिर दोनों झूठ!
ये हल्ला कैसा?
ओ गॉड! पुरुषों का विरोध मार्च बेकाबू हो गया है। लेकिन सुरक्षा स्त्री पर्याप्त संख्या में हैं!

''और एक सुरक्षा स्त्री, पांच पुरुषों तक को तो अकेले संभाल सकती है।''
''इस बार नहीं, शाला ! पुरुष ज्यादा उग्र हैं। और उनकी शारीरिक शक्ति भी बढ़ी हुई लग रही है!''
''इनको संभालना मात्र सुरक्षा स्त्रियों के वश की बात नहीं लगती। इनको रक्षक सिंधु की मदद की आवश्यकता है!''
धड़ाक
धाड़
छनाक
''पर संकेत स्पष्ट हैं कि स्थिति अब और बिगड़ रही है। वो भी चक्रवृद्धि अनुपात में।''
''मुझे अभी तुरंत जेल जाकर बांधवी बहनों की जुबान खुलवानी ही होगी। अगर कोई बाहरी दुनिया है और एक शक्तिरूपा को वहां ले जाया गया है, तो उस रस्ते का पता जानना ही होगा!''

ट्विस्टी को उसके मां, पिताजी और भाई से मिलवाने लाया हूं।

मुलाकात के नियम

पहले तो तेरी याद भी नहीं आती थी, बेटी। अब हर समय तेरी चिंता लगी रहती है।

चिंता से फ्री हो जाइए! अभी मैं ध्रुव भईया के घर में ही शिफ्ट हो गई हूं!

क्यों? ट्विस्टी को तो तुम मठ में हंटर्स से संपर्क रखने के लिए छोड़कर आने वाले थे, ध्रुव!

हमला कहां किया उसने?
वहां पर तुम्हारे ही एक हंटर ने हमला कर दिया था। डेथकिस ने।
डेथकिस! वो तो बहुत उग्र हंटर है! विस्फोटक
शक्तिरूपा के मंदिर पर। शक्तिरूपा हासिल करने के लिए!
और...वो इसमें सफल भी हो गई !
क्या?
शक्तिरूपा चला गया?
ओफ्! मठ बर्बाद हो जाएगा।
पूरी दुनिया बर्बाद हो जाएगी!
डेथकिस को तो वैसे ही रोकना मुश्किल था और अब तो उसे रोक पाना असंभव होगा !
लेकिन डैड, आगे तो सुनो! डेथकिस के धमाकों से सम्भलने के बाद मैं और ध्रुव उसे ढूंढने निकले थे !
और वह हमको मिल भी गई! बेहोश पड़ी थी!
यानी-यानी वह शक्तिरूपा की पावर को सह नहीं पाई! तो तुमने शक्तिरूपा उससे ले लिया ना!

शक्तिरूपा उसके पास नहीं था, डैड!
तुम्हारी कलाई पर तो शक्तिरूपा था। कहां गया वो?
पता...पता नहीं!
मुझ पर पीछे से वार हुआ! मैंने देखा नहीं कि वह कौन था?

फिर चारों तरफ से चट्टानें मेरी तरफ लुढ़कने लगी। ये तैयारी पहले से की गई थी! किसी को मेरी गतिविधि के बारे में पता था। मुझ पर नज़र रखी जा रही थी।
धड़
धड़
धड़
धड़

मैनें कई चट्टानों का पाउडर बना दिया। पर वे तादाद में बहुत ज्यादा थीं! मैं बच नहीं पाई।
उफ!
धाड़
और हमलावर शक्तिरूपा को मेरे हाथ से ले गया।

ये तो और खतरनाक बात है! ये तो जाहिर है कि वह हमलावर कोई स्त्री थी।
और वह कौन है यह ज्यादा देर तक रहस्य नहीं रहेगा!

रहस्य बस इतना है कि ये बात समूचे विनाश के पहले पता लगेगी या बाद में।

ये तो वही गाड़ी लगती है जिसे जेनेटिक सेंटर से कोई खतरनाक रोगी लेकर भागा है!

पर...इसमें तो सिर्फ ड्राईवर है? कहीं ये ड्राईवर के भेष में...एक मिनट।

STOP

"गाड़ी में कोई और भी है। पीछे की सीट पर।"

...तुम्हारी गाड़ी चाहिए! और मेरे पास समय नहीं है!
सही कहा! भागने का समय खत्म हुआ!
ओफ्, तुम पुरुष कुछ समझते ही नहीं हो! मौत से मत खेलो!
कोई पागलपन मत करना.... हमारी गन!
गन तुम्हारी है...!
तो नाल भी तुम्हारी तरफ होनी चाहिए!
POLICE
अभी निकल लो सर, वर्ना हड्डियों का भी यही हाल होगा! बैकअप लेकर आते हैं!

मैंने कहा न कि तुम्हारी गाड़ी मुझे चाहिए!
बचा लो, प्रभु! बचा लो!!
धड़ाक
पुरुषों पर वैसे अत्याचार करना प्रतिबंधित हैं!
पर क्या करूं!
गाड़ी मुझे जो चाहिए!

किधर चलना है मैडम?
एक मिनट! मैं जिसके पास जा रही हूं, वह तो पास आ रही है!!

उधर क्या है?
कुछ नहीं सिर्फ एक इमारत है। राजनगर सेंट्रल जेल!
हम्म!

हम्म! इनको होश में लाओ।

और लगभग दस मिनट बाद-
RAJNAGAR JAIL राजनगर जेल
अच्छा! जेल पास थी इसलिए यहां सीधे आ गए!
किस ग्रेड की सिक्योरिटी में रखूं इसे।
किसी में भी रखो! सब सिक्योरिटी बराबर हैं इसके लिए।
मैं जरा पुलिस कमिश्नर सर को भी खबर दे दूं।
JAIL AUTHOURITY

शक्तिरूपा एकदम पास आ चुका है! और अब शायद मेरी लुप्त स्मृति पर पड़े पर्दे हटने का समय आ गया है!
पर ...शक्तिरूपा है किसके पास? और वह यहां जेल में क्यों आ रही है?
ओह, सॉरी! मुझे तो चुपचाप आना था।
पर मुझे पता नहीं था कि यहां पर कोई निगरानी टॉवर है!
खैर! जो हो गया, सो हो गया।
धाड़

निपट लूंगी!

धड़ाक

ALARM
वूऊऊऽऽऽ

थोड़ी मुश्किल बढ़ेगी ! और इस जेल की आबादी घटेगी!
भड़ाक
मौत बंटेगी !

धाड़
अलार्म बजा दिया? चलो कोई बात नहीं !

अब देखते हैं कि शुरुआत कहां से करूं?
यहां से करते हैं।
भड़ाक
आ गई आखिरकार, शक्तिरूपा!
दो शक्तिपुंज आपस में टकराने वाले थे।

और जेल की ईंटें, पत्तों की तरह हवा में उड़ने वाली थीं।
वैरक संख्य
अब हंटर्स से सम्पर्क कैसे करूंगी मैं? कैसे उनको मठ के आधीन रख पाऊंगी?
मठ से सारे कम्पयूटर्स यहां मंगवा लिए हैं मैंने। राजनगर में ही हंटर्स का नया हैडक्वार्टर बनेगा!
ओह! फिर से डैड का फोन!
हां पापा! कहिए! आप
तुम कहां हो अभी? जेल में हो?
हां बस वापस आ रहा हूं! कोई काम हो तो बताईए!
काम वहीं पर है!
देवीना नाम याद है तुम को?
हां पापा! ज्यूपिटर सर्कस में स्ट्रांग वुमैन थी वो!
वो अभी जेल पहुंचाई गई है!
देवीना! जिंदा है!
हां! जिंदा भी है और खूंखार भी!
सबसे बड़ी बात कि जेनेटिक सेंटर वालों के अनुसार उसका डी.एन.ए. मानव डी.एन.ए से अलग है!
...और उसे किसी शक्तिरूपा की तलाश है।
क्या?

''खतरे का सायरन बज रहा है, पापा! मैं बाद में बात करता हूं।''
तू कौन है ये तो पता नहीं! पर शक्तिरूपा स्वयं तुझे मेरे पास ले आया है। इसको छूते ही मेरी स्मृति वापस आ जाएगी! ला!
इसे शांति से देगी या तड़प-तड़प कर मरने के बाद ?
तू जानती है शक्तिरूपा के बारे में। तू भी हंटर है क्या? हो सकती है।
बार-बार हंटर्स से नहीं लड़ती फिरूंगी मैं। अभी मुझे जरूरी काम है।
वापस आकर मिलूंगी जरूर तुझसे!
''अगर तू तब तक तड़प-तड़प कर मर न गई तो!''
उस संकरे कॉरीडोर में फरार होने को बेताब अपराधियों के सामने अकेली थी देवीना!
...और खूंखार भेड़ियों का वह झुंड एक अकेली औरत को छोड़ने के मूड में नहीं था।
...ये पुरुष कभी नहीं समझेंगे।

धड़ाक
धाड़
कि ये शारीरिक शक्ति में स्त्री के आगे टिक नहीं सकते।
पर इनके अंदर जो स्त्री को आधीनता में रखने का कीड़ा है।
वह इनको कभी कोशिशें रोकने नहीं देगा! चाहे नाक की हड्डी पेट में पहुंच जाए!
धाड़

जो भी हो, ये दस गुने होते, तो भी मुझे शक्तिरूपा तक पहुंचने से रोक नहीं पाते।

गड़बड़ कहां हो रही है?

अलार्म तो छत पर बजा था! फिर छत से तीन मंजिल की छतें टूटी मिलीं। और जहां पर पहली मंजिल की छत टूटी...!

ओह माई गॉड! ये तो 'फुल स्केल रॉयट' है! सरकार से एडिशनल फोर्स मंगाओ तुरंत!
कैदियों को भगाने वाली भी कोई स्त्री है। पर साफ नजर नहीं आ रही है।
ध्रुव! ध्यान से देखो!
...क्या?
उसके हाथ में कुछ लिपटा है।
....वह तो शक्तिरूपा है। वह किस तरफ बढ़ रही है?
क्या है उधर?
हंटर्स के महेश का स्पेशल सेल!
ENTRY RESTRICTED
उसकी पत्नी और पुत्र भी वहीं हैं। लेकिन वह सेल, स्टील डोर से सुरक्षित है।
"सशस्त्र पहरा भी है।"
कोई खतरा वहां नहीं पहुंच सकता।
बैंग
बैंग
जिंदगी कोशिश तो बहुत करती है !...
भड़ाक

पर मौत को
रोक नहीं पाती!
धड़ाक
कौन है तू? मौत माँगने आई है या मौत बनकर आई है?
किसने भेजा है तुझे?
भेजा नहीं है, पर मैं भेजने आई हूं! तुम सबको नर्क में!
तेरे बाजू पर ये क्या है?
तुम्हारा ही माल है! शक्तिरूपा! मारने से पहले थैंक्यू जरूर कहूंगी!
मारने नहीं, पर मरने से पहले तू सिर्फ यही बोलेगी!
कि जान बख्श दो मेरी!
धाड़

ये तो तूने ही बोल दिया!
ठीक है। बख्श दी! अब हट मेरे रास्ते से।
धाड़
आह!! इसने मुझे किस चीज से मारा?
हैमर बॉल से? आह!
वक्र, महेश और उसकी पत्नी के लिए बच पाना मुश्किल था।

क्योंकि उस रहस्यमय स्त्री को रोक सकने वाली देवीना, दर्जनों कैदियों की भीड़ में अभी भी घिरी हुई थी।
धाड़

JAIL
जेल की पूरी पुलिस फोर्स फरार होने की कोशिश करते कैदियों को रोकने में व्यस्त थी।

और ध्रुव एवं ट्विस्टी फिलहाल अपनी जान बचाने के ही रास्ते सोच रहे थे।
ओ नो! ये कैदियों का भागता झुंड तो सीधा हमारी तरफ आ रहा है! इससे कैसे निपटेंगे?
निपटना ही नहीं, जल्दी निपटना है, ट्विस्टी! पता करना है कि वह रहस्यमय स्त्री महेश तक पहुंचने के लिए इतना खतरा क्यों मोल ले रही है!!
स्थिति न शांत थी, और न ही नियंत्रण में!

बल्कि और बदतर होने वाली थी!
कहीं और के बंदीगृह में भी।
बंदीगृह सं. 226
क्षमाप्रार्थी हूं, परंतु आप अंदर नहीं जा सकती।
...यह प्रतिबंध किसने लगाया? क्यों नहीं जा सकती मैं अंदर?
जा सकती हो!
जरूर जा सकती हो। बंदीगृह के अंदर! परंतु बंधनों में। एक बंदी की तरह।
शक्तिरूपा रक्षक, कौस्तुभा! तुम यहां क्या कर रही हो?
मुझे माननीय सरानी ने बुलाया था यहां?
वे भी अंदर हैं! पर क्यों? क्या हुआ है यहां पर?
तुमने अभिनय करने की ठान ही ली है तो चलो! अंदर चलकर स्वयं देख लो।

...देखो!
ये-ये कैसे?
ये तो तुम हमको बताओगी कि इनकी हत्या तुमने कैसे की और क्यों की?
तुम हमको लुप्त शक्तिरूपा तक पहुंचने से क्यों रोकना चाहती हो?
झूठे आरोप मत लगाओ! अपनी ईर्ष्या कहीं और जाकर निकालो! मैं इनको यहां पर ठीक-ठाक छोड़कर गई थी! इन्होंने आत्महत्या की है!
कलाई को नाखून से छीला है इन्होंने!
पर सवाल है क्यों?

इनकी मौत पर सवाल पूरा स्त्रीभू पूछेगा, सिंधु!
पुरुषों की बढ़ती उच्छृंखलता से पूरा स्त्रीभू वैसे भी परेशान है। इसीलिए सभी खोए शक्तिरूपा को वापस लाना चाहते हैं।
परंतु बांधवी बहनों के मरने से इस प्रयास को धक्का लगेगा! सवाल हमसे पूछा जाएगा!
तो हमको भी किसी न किसी से जवाब मांगने होंगे न!
आप मुझ पर शक कर रही हैं? आपको पता है कि मैं किसी के साथ अन्याय नहीं होने देती!
अपने साथ तो बिल्कुल नहीं!
हमें पता है कि बांधवियों ने किसी उच्च पदाधिकारी के डर से आत्महत्या की है।
बस उसके पकड़े जाने तक हमें जनता को शांत रखना है!
और उसका वही एक तरीका है कि हम दिखावे के लिए तुमको अपने घर में ही नजरबंद करने का नाटक करें!
इसको मेरी प्रार्थना समझो!
उसने कहा और आप मान गईं? अब तो जनता आपको ही अपराधी मानेगी! यह क्यों किया आपने?
सरानी की प्रार्थना मानना भी मेरी एक चाल है। अब जनता भी वही समझेगी जो तुम समझ रही हो।
"और असली अपराधी भी वही समझेगा! वह निश्चिंत हो जाएगा! और फिर उसका शिकार करूंगी मैं!
मैं शपथ लेती हूं कि शक्तिरूपा को वापस लाकर ही रहूंगी!

"उसके लिए मुझे नरमुंडो का पुल भी बनाना पड़ा तो बनाऊंगी!"
...कि तू हंटर नहीं है! कोई और है!
कोई हंटर अभी ताजा घटा घटनाक्रम के इस डिटेल को नहीं जानता! कौन है तू?
बैंग
अपनी उस मां के लिए क्यों मरना चाहता है चूजे जिसने जिंदगी भर तुझे बेटे का प्यार नहीं दिया!
जिसका तू हकदार था!
धड़ाक
आह! उसी कमी को तो पूरा करवाना है मां से!
लेकिन तेरे यह कहने से इतना तो स्पष्ट हो गया...
मौत! तेरी मां कालिका की! और जो रोकेगा...
...उसकी भी!
बैंग
इस पर तो गोलियां भी बेअसर हैं!
अब...क्या? आह!

शक्तिरूपा से पुरुष नहीं जीत सकते! मैं इससे लेती हूं शक्तिरूपा।
मेरे रहते तुझको कुछ करने की जरूरत नहीं है कालिका! मैं शक्तिरूपा को इसके हाथ से अलग नहीं कर सकता।
पर इसके हाथ को इसके धड़ से तो अलग कर सकता हूं।
यह शीट तो शक्तिरूपा के ताप से खुद ही टुकड़े-टुकड़े हुई जा रही है मठेश।
भड़ाक

अब वो टुकड़ों में बंटने की बारी तेरी है, महेश!
ऊष्मा से गल चुके लोहे की चादर की दहकती धार, स्तब्ध महेश की गर्दन को धड़ से अलग करने के लिए आगे बढ़ी!
लेकिन दहकती धार न तो अपनी गति को कायम रख पाई और न ही अपनी गर्मी को!
धड़ाक
बस बहुत हो गया! इन पुरुषों को तू इसीलिए पीट पा रही है, क्योंकि शक्तिरूपा अपने पास आने वाले पुरुषों की शक्ति क्षीण करता है!....
लेकिन स्त्रियों की शक्ति को बढ़ाता है!
यही तो मैं शुरू से कह रही थी! ये खामखाह बीच में कूद पड़े! सिर्फ तुम्हें बुला रही थी मैं!
क्योंकि ऊपर वाला अब तुम्हें बुला रहा है कालिका!
कालिका शायद एक जाल में फंस गई थी! पर रहस्य तो अभी भी वही था!

ओ माई गॉड!
कोई और रास्ता नहीं है भाई? बाएं से निकलें?
हमें सिर्फ उस स्त्री को ही नहीं, इनको भी भागने से रोकना है, ट्विस्टी!
फिर तो हम इनसे ही लड़ते रह जाएंगे।
यानी इनको जल्दी निपटाना होगा! एक रास्ता है सुनो....!
तुमको पक्का यकीन है, भाई, कि वह औरत मम्मी-पापा के सेल की तरफ ही गई है? कहीं तुम..!
ये देखो! वह अपने जाने के रास्ते पर, बैरकों की सलाखों को तोड़ती जा रही है, ताकि उस तक जल्दी और आसानी से न पहुंचा जा सके!
और फिर।
कमाल हो, भाई! तुम्हारे लिए तो हर चीज हथियार है!!
हर चीज नहीं, सिर्फ एक चीज दिमाग!
और वो तुम्हारे पास भी है!
तुम्हारे कारनामे देखकर मुझे शक हो रहा है कि मेरी खोपड़ी खाली है!
आईं!!
-जि..जि..जि!!
मईया री!!!
चिर्र्र्र
ध्रुव एक-एक इंच करके महेश के सेल तक बढ़ पा रहा था।

देवीना एक-एक कदम करके बढ़ पा रही थी।
और मौत, छलांगे मारती हुई कालिका की तरफ बढ़ रही थी!
स्त्री होने के कारण शक्तिरूपा तुम पर सीधा हमला नहीं कर रहा है।
मैं जानती हूं, शक्तिरूपा की शक्ति।
अभी तेरे रूप को ढक रखा है इसने! स्त्रियों की शक्ति को बढ़ाता है ये !
मौत देने की क्षमता को भी! और वह मुझमें बचपन से भरी हुई है।
पर तुझे मौत देने से पहले मैं यह पूछूंगी जरूर कि मैंने तेरी कौन सी भैंस खोल ली है!
धड़ाम
आहsss!
बिना बताए तो मैं तुझे मरने भी नहीं दूंगी!
सात तालों को पार करके तुझे मारने के लिए इतनी मेहनत यूं ही नहीं की है मैंने !
धाड़

तुझ पर शक्तिरूपा का सिर्फ असर है ! पर मेरे तो हाथ से लिपटा है।

तू कभी मेरे चंगुल से अपनी जान नहीं बचा पाएगी !

भड़ाक

अब जब तेरी आधी सांस निकल चुकी होगी और आधी बची होगी, तब मैं शक्तिरूपा का आवरण हटाकर तुझे अपनी शक्ल दिखाऊंगी !

आह! दम घुट रहा है!

इंसान अपनी शक्ल चाहे जितने नकाबों के पीछे छुपा ले..!

शक्ल दिखाने की जरूरत नहीं है!

धाड़

उसके हाव-भाव और चाल...
धाप्प
...उसकी चुगली कर ही देते हैं...!
ब्लैक कैट!
अच्छा किया जो तुमने मुझे पहचान लिया!
वर्ना मुझे समझ नहीं आ रहा था कि किस डॉयलाग के बाद मैं अपना रहस्य खोलूं!
धाड़
अब मैं तुझे बिना सीधा स्पर्श किए रोकूंगा!
....यानी तुम हंटर्स के मठ से गई नहीं थी वहीं ठहरी हुई थी।
और डेथकिस से शक्तिरूपा भी तुमने ही छीना था!

कहां जाती? क्या करती?
मैं तो पूरे समय अपने पिताजी की मौत का बदला लेने के लिए तुम सब के साथ लगी हुई थी!
पर तुम सबने सोचा कि तुम्हारी कहानी खत्म तो कहानी खत्म!
तो कैसे खत्म होगी तुम्हारी कहानी, ब्लैक कैट?
मेरे पिता के कातिल के खात्मे के साथ!
इसकी मौत के साथ!
तू पागल हो गई है क्या? क्या इसी काम के लिए तूने डेथकिस पर चट्टानें गिरा कर शक्तिरूपा हासिल किया है!
उस पर और कुछ असर नहीं करता!
चोरी का अनुभव है मुझे। जानती हूं कि कौन सा ताला कैसी चाबी से खुलेगा!
मेरे शिकार को हाई सिक्योरिटी प्रिजन में ले जाया जा रहा था। वहां घुसने के लिए मुझे तोप चाहिए थी।
पर किस्मत ने मुझे परमाणु बम दे दिया! अब मुझे कुछ नहीं रोक सकता। कुछ भी नहीं!
ये गलत है, ब्लैक कैट! ये अपने अपराधों की सजा के लिए ही यहां पर है।
तुम्हारे प्रति किए अपराध की सजा भी इसे जरूर मिलेगी। चार्जशीट में उस हत्या का भी जिक्र होगा!

तुमने तो अपना बदला खुद लिया था!क्या तब पुलिस और अदालत नहीं हुआ करती थी?
अब मुझ पर ये पाबंदी क्यों? क्या इसीलिए क्योंकि तुम एक लड़के हो और मैं एक लड़की?
तुमको बिना मदद बदला लेने का हक है और मुझे नहीं ?

और एक अपराध की वहां पर क्षमा मांगी जा रही थी!

हमें लगा था कि तुमको नजरबंद करने का दिखावा नहीं करने से विधि-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो जाएगी।

पर उल्टा हो गया। जनता में तो रोष की लहर दौड़ रही है।

कोई भी अपनी रक्षक सिंधु को अपराधी मानने को कतई तैयार नहीं है!

मुझे रक्षक कौस्तुभा की बात नहीं माननी चाहिए थी।

मुझे पता है कि शासन चलाने के लिए ऐसे अप्रिय निर्णय लेने पड़ते हैं! मुझे कोई शिकायत नहीं है।

पर तुम्हारी पाबंदी के समाचार ने नई आपदाओं को भी जन्म दे दिया है! पुरुषों की हिम्मत और बढ़ गई है।

'वेगाती चक्रवाहन' के संयंत्र मे 250 श्रमिक पुरुषों ने अपने अधिकार और श्रमवेतन को बढ़ाने के लिए हड़ताल कर दी है और वे हिंसक हो गए हैं। काबू से बाहर!

अब उनको मात्र परमयोद्धा सिंधु ही रोक सकती है।

हंगामा करने वाले श्रमिक संख्या में ज्यादा तो नहीं हैं।
इनके लिए तो सुरक्षाकर्मी ही पर्याप्त होने चाहिए थे!
लेकिन फिर भी इनको काबू में करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा!
धड़
ये-ये क्या? भाप के दबाव का हथियार की तरह उपयोग!
वाष्प नियंत्रक
शीइSSS!
बिल्कुल सही जगह आकर गिरी हो, रक्षक! हम तैयार खड़े थे तुम्हारे लिए!

ये-ये क्या हो रहा है? इन्होंने तो मामूली चीजों को ही घातक हथियार बना लिया है!
इतनी अक्ल इनमें कहां से आई?
खैर...
मुझे इन बंधनों को तोड़ने में अधिक समय नहीं लगेगा!
इतना छटपटा कर भी तुम मात्र इस बंधन से ही मुक्त होगी!
हम तो तुमको जीवन से ही मुक्त कर देंगे!
...ये..ये अस्त्र तो सुरक्षा कर्मियों के हैं!
यही तो योजना है!! यहां से यही समाचार जाएगा कि स्त्रीभू की महारक्षक देवी सिंधु, सुरक्षाकर्मियों की अंधा-धुंध मारक प्रकाश किरणों का शिकार हो गई!
बहुत गहराई से सोचा है! पर तुम ये भूल गए-
कि सिंधु की मात्र दो नहीं, हजारों आंखें और हजारों पंजे हैं।
आह!
आह!

कीयां!! कीयां!!
कोई अंजान ऊर्जा है वहां पर जो पुरुषों के अंदर से फूट रही है?
हां मुझे आभास हो गया था! ये ऊर्जा अभी-अभी इनके पास आई है और इसने इनकी बुद्धि को एकाएक बढ़ा दिया है!
क्या? तुझे आभास हो रहा है कि ये शक्ति,स्त्रीभू में कहीं बाहर से आई है।
क्रीई!! क्रीई!!
वैसे ही जैसे लुप्त शक्तिरूपा की ऊर्जा चमक आई थी।
अन्य बाजों के अनुसार ऐसे लक्षण पूरी स्त्रीभू के पुरुषों में देखे गए हैं।
तब तो इस शक्ति के स्त्रोत तक पहुंच कर उसको नष्ट करना पड़ेगा!
पर इस महाघातक ऊर्जा का स्त्रोत होगा कहां पर?
और ये वहां तक आई कैसे?... और क्यों?
ये थी उस शक्ति के स्त्रीभू पहुंचने की कहानी!
ओफ! अब ये मुझे पता नहीं कि शक्तिरूपा की शक्ति को मैं कैसे रोकूं?
इसका मेरे इतनी पास होना ही मुझको थोड़ा कमजोर कर रहा है।
अब अगर इसका मुझसे स्पर्श हो गया तो मेरी पूरी शक्ति ही चली जाएगी।
धड़ाक

पर प्लान है क्या? कोई प्लान है भी या नहीं!
है न? मैं इसका ध्यान अपनी तरफ खींचे रखूंगा!
और तुम इसके बाजू से शक्तिरूपा उतारकर खुद हासिल करने की कोशिश करना!
ओफ्! जेल में फोम का गद्दा कब से देने लगे कमबख्त! इसको तो अपने वार से तोड़ भी नहीं सकती मैं!...
...पर हां, फाड़ जरूर सकती हूं!
धाप
ट्विस्टी! जल्दी उतार इसके बाजू से शक्तिरूपा!
धाम

पर ट्विस्टी के शक्तिरूपा पाने से पहले ही, ब्लैक कैट को दबाने वाला गद्दा लपटों में घिर गया।
ओह!
ओह!...ये शक्तिरूपा की मदद से ऊष्मा पैदा कर रही है!
मैं तो शक्तिरूपा सिर्फ छू ही पाई थी खौं खौं!
...कि मैंने तुम्हारे अरमानों में आग लगा दी!
ओह! कमजोरी बढ़ती जा रही है! मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है।
मुझे अपनी शक्ति खत्म होने से पहले ही तुमको काबू में करना
इसके बाद तुम मुझे अलमारी में बंद करने का आइडिया लगाओगे। छो-अप, ध्रुव!
तुम्हारे ये करतब मेरे कदमों की चाल तक रोक नहीं... अरे!
मैं...मैं अपना हाथ नहीं हिला पा रही हूं! तुमने मेरे नर्वस सिस्टम पर एक्यूपंक्चर अटैक किया है।
ये मैंने अपने पास अपने ईलाज के लिए छिपाकर रखी हुई थीं।
एकदम। पर ये भी तुमको कुछ पल ही रोक पाएगा।

चटाक
पर उन कुछ पलों में मैं शक्तिरूपा तुमसे वापस हासिल कर लूंगी।
बिल्ली को चाहे भूल जाओ, पर उसकी दुम को कभी नहीं भूलना!
और काली बिल्ली की तो कभी नहीं।
अगले ही पल, ब्लैक कैट की फड़कती मांसपेशियों ने सुईयों को बाहर फेंक दिया!
मौसी कालिका ने शक्तिरूपा को इसकी कलाई से ढीला कर दिया है।
यही मौका है। अब चाहे जो भी हो।
ध्रुव बच के! ओफ!
वे-वे एक छाया सी तुम्हारे शरीर से अलग होकर शक्तिरूपा में क्यों समा रही है।
आह!! पता नहीं! लेकिन मेरे शरीर की सारी शक्ति खिंच गई है।
सोच अमित हो रही है।
स्वूशssss

शक्तिरूपा के जरिए ऐसे पहुंची थी ध्रुव की शक्ति दूसरे शक्तिरूपा तक और फिर पूरे स्त्रीभू में फैल गई थी।

अक्!

आह!

अपने आप को संभालो, ध्रुव! इस मुसीबत से मेरे परिवार को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो!

पर समय नहीं था। ध्रुव की उखड़ी सांसे संभलने से पहले ही मौसी की सांसे उखड़ जानी थी।

आहा! आखिरकार! शक्तिरूपा, तू मुझे मिल ही गया!
आह!!
तो फिर आ गई तू! पर तू कौन है, शक्तिरूपा की नई दावेदार!
शक्तिरूपा की रक्षक, देवीना!
धड़ाक
देवीना! ..अब.. इसका शक्तिरूपा से क्या संबंध है?
न जाने कितने समय से तुम्हारी दुनिया में मैं इसी के लिए रह रही हूं!
फिलहाल तो बस मुझे इतना ही याद है कि यह शक्तिरूपा मेरा है।
मेरा है, मेरा है करने से कुछ नहीं होगा! इसे मुझसे कोई नहीं छीन सकता!
मुझे सिर्फ एक जान लेनी है, उसके बाद तू जो भी है इसे ले जाना!
वर्ना जान लेने का आंकड़ा एक से ज्यादा हो जाएगा!
आह! शक्तिरूपा मेरे पास आना तो चाहता है पर इसकी इच्छाशक्ति को तोड़ नहीं पा रहा है।
और इसके वार जानलेवा हैं!
भड़ाक
शक्तिरूपा ने वहां पर कहर ढाया हुआ था।

और स्त्रीभू के पुरुषों में एक नई प्रकट हुई शक्ति ने स्त्री-भू में।
मेरे बाज के अनुसार इसका कारण श्रमिकों से निकल रही कोई रहस्यमय ऊर्जा थी।
वह ऊर्जा उनको शरीर की नहीं, दिमाग की शक्ति दे रही थी।
पर ये शक्ति आई कहां से?
यहां रखे शक्तिरूपा के माध्यम से। यही गुत्थी सुलझाने हम 'शक्तिरूपा गर्भगृह' जा रहे हैं।
आपकी जांच पूरी हुई, वैज्ञानिकों?
हां। निष्कर्ष निकला है कि ये रहस्यमय ऊर्जा बाहरी दुनिया से आई है।
पहले दूसरे शक्तिरूपा के माध्यम से इस शक्तिरूपा में और फिर प्रेषित होकर वह ऊर्जा पुरुषों में गई है!
पुरुषों में ही क्यों?
क्योंकि वह शक्ति किसी पुरुष से आई है।
बाहरी दुनिया के किसी अत्यंत बुद्धिशाली बलशाली पुरुष से!
आप वैज्ञानिक होकर भी बाहरी दुनिया में विश्वास करती हैं? पुराणों को आप सत्य कैसे मान सकती हैं?

बाहरी दुनिया है, सिंधु! यह पौराणिक अंधविश्वास नहीं है।
बल्कि ये एक शासकीय, वैधानिक परंतु अत्यंत गुप्त अभिलेख है!
हमारा स्त्री-भू चारों तरफ से पांच जीवंत ज्वालामुखियों से घिरा हुआ है। उनमें से हर पल पिघला शिलाद्रव, सागर में गिरता रहता है।
धुंध एवं वाष्प की दीवार हमको ढके रखती है। सागर के खौलते जल को पार कर पाना असंभव है।
और वायु मार्ग को जलवाष्प और ज्वालामुखियों के धुएं ने अवरुद्ध किया हुआ है।
इसीलिए न बाहरी दुनिया हमारे बारे में जानती है, और न हमारी जनता को बाहरी दुनिया के अस्तित्व का ज्ञान है।
तो इसका ज्ञान अभिलेख लिखने वालों को कैसे था?
स्त्री भू
पृथ्वी
बाह्य दुनिया
अभिलेख 5000 वर्ष से अधिक पुराने हैं। तब स्त्रीभू में आना जाना दुर्गम अवश्य था, परंतु असंभव नहीं!
अभिलेखों में लिखा है कि हम एक विशाल गोले पृथ्वी पर स्थित हैं और उनमें स्त्रीभू जैसे सात महाभूखंड और भी हैं।
ये अभिलेख शक्तिरूपा के साथ ही रखे मिले थे!
कैसे पता कि ये अभिलेख सत्य हैं।

क्योंकि उनमें बना स्त्रीभू का मानचित्र हमारे मानचित्रों से अधिक विस्तृत है।
और भी कई विवरण थे जो विश्वास करने योग्य थे! शक्तिरूपा कहां से आए, कोई नहीं जानता!
पर इनमें से निकलने वाला विकिरण, मानवों और कुछ पशु-पक्षियों के भी गुण-सूत्र पर प्रभाव डालता है, इतना हम विज्ञान के माध्यम से जानते हैं!
अभिलेखों के अनुसार, दो शक्तिरूपा को पृथ्वी के दो स्थानों पर गुप्त रूप से स्थापित किया गया था।
इसका अभिप्राय दो मुख्य लिंग स्त्री और पुरुष के बीच में शक्ति का संतुलन बनाए रखना था!
उस समय की सृष्टि में न नारी, पुरुषों पर हावी थी, और न ही पुरुष नारी पर!
यानि...पुरुषों में भी नारियों के बराबर शक्ति थी। ये तो कल्पना करना भी मुश्किल हो रहा है!
ये सच है, सिंधु! परंतु स्त्रीभू, जिसे उस समय कुमारी कंदम कहा जाता था, पर तब भी स्त्रियों की संख्या पुरुषों से अधिक थी।
एक शक्तिरूपा को कुमारी कंदम के इस क्षेत्र में यानी यहां, और दूसरे को सतपुड़ा की पहाड़ियों के नीचे बने एक गुप्त शक्ति मठ में रखा गया था!
सब कुछ ठीक चल रहा था! स्त्री और पुरुष शक्तियों में संतुलन बना हुआ था।

''तभी पृथ्वी का वातावरण तेजी से बदलने लगा! भूकंपों की एक श्रृंखला ने सागर का जलस्तर बढ़ाकर कुमारी कंदम को निगलना शुरू कर दिया। यह भूखंड, अन्य मुख्य भूमिखंडों से अलग होने लगा।''
''स्त्रीभू का रूप भूकंपों के कारण बदलने लगा। इसके आसपास समुद्र से जीवित ज्वालामुखी प्रकट होने लगे! कुछ ही चन्द्रकलाओं में स्त्रीभू पृथ्वी के मुख्य भूखंड से अलग हो जाना था और उसका एक बड़ा भूभाग सागर की गोद में समा जाना था।''
''उस वक्त कुमारी कंदम अर्थात वर्तमान स्त्रीभू की साम्राज्ञी जीवोहरा ने वह निर्णय लिया जिसने स्त्रीबल को सदैव के लिए स्त्रीभू का शासन सौंप दिया! उन्होंने मठ की शक्तिपीठ में रखे दूसरे शक्तिरूपा को भी यहीं लाने की ठान कर, मठ पर हमला कर दिया!''
''मठ की स्त्राणियों ने भी भरपूर उत्तर दिया! जीवोहरा के पास अब सिर्फ वापस लौटने का समय बचा था। वर्ना रास्ते को सागर लील जाता! योजना असफल हो गई थी! पर तभी, मठ के कुछ पुरुषों ने, स्वंय की शक्ति को बढ़ाने के लिए छल किया और विश्वासघात करके शक्तिरूपा, जीवोहरा को सौंप दिया।''
''मठ की सेनाधीश स्त्राणी सत्यागी ने प्राण त्यागते हुए श्राप दिया कि एक दिन इसी मठ से एक शक्ति उभरेगी जो स्त्रीभू का विनाश कर देगी!''

"स्त्रीभू का संपर्क बाकी विश्व से कट गया!"
"जीवोहरा ने दोनों शक्तिरूपा यहां स्थापित करके स्त्रीभू की नींव डाली! और यहां पर स्त्रीबल का शासन स्थापित किया! और ये भी स्पष्ट है कि बाहरी विश्व में पुरुषबल के शासन को बल मिला होगा! परंतु शक्तिरूपा का वहां सक्रिय होना ये सब बिगाड़ देगा! यहां स्त्रीबल बढ़ेगा और यहां अब धीरे-धीरे घटेगा!"
शक्तिरूपा को वापस लाना है और इस विध्वंसकारी पुरुष शक्ति को भी निष्क्रिय करना है। यह कार्य तुमको करना होगा सिंधु।
बाहरी दुनिया जाने के मार्ग का पता लगाकर वहां जाना होगा, और शक्तिरूपा लाना होगा! और उस पुरुष को मृत्यु देनी होगी जिसकी शक्ति यहां गड़बड़ी फैला रही है।
सत्यागी का श्राप सफल नहीं होना चाहिए।
भाग्य ने एकाएक सिंधु का साथ देना शुरू कर दिया था। या शायद दुर्भाग्य ने!
संग्राहिका! ये द्वार के बाहर रखा था। ऊपर 'आपात संदेश' की पर्ची रखी थी।
इसको संगणक में चलाकर देखो!! जल्दी!
संग्राहिका को कंप्यूटर जैसे संगणक में डाला गया। और...!
ये-ये तो बांधवी बहनों की कारागृह की संग्राहिका हैं।
इसमें वे स्वयं अपनी कलाईयों को नाखूनों से काट रही हैं।

ये आपके निर्दोष होने का प्रमाण है। कोई आपकी निर्दोष सिद्ध होने में सहायता कर रहा है। पर कौन?
बांधवी परलोक सिधार गई हैं।
हम्म! रक्त टपक रहा है।...और रक्त की कमी से...
ये संग्राहिका तुरंत न्यायपालिका को दे दीजिए!
एक पल रुको जरा पीछे करो। वहां, जहां रक्त टपकना तुरंत शुरू होता है!!
ये देखो! पटल पर!! बांधवी बहनें टपकते रक्त से हाथ हिलाकर कुछ लिख रही हैं।
ये...ये उनका तरीका था मुझ तक सूचना पहुंचाने का।
वे जानती थीं कि इसमें किसी उच्च पदस्थ का हाथ है! इसीलिए ये तरीका अपनाया गया!
पर बहते खून ने इस लेख को जल्दी ही मिटा दिया।
एक ने लिखा 46 और दूसरे ने 82। इसका क्या अर्थ है? ये दो बिंदु हैं हमारे स्त्रीभू पर किसी खास स्थल के मानक!
सिंधु के बाजों ने उसको लगभग पलक झपकते ही मानकों के संभावित स्थान पर पहुंचा दिया!
कुछ गड़बड़ है। ये संख्याएं मानक नहीं थीं।
क्योंकि वहां तो मात्र पहाड़ों की शिलाएं हैं। न कोई गुफा, न कोई दरार!
फिर इस स्थान के मानकों का क्या प्रयोजन?
एक पल!

इस नुकीली शिला पर एक कपड़े का फटा टुकड़ा अटका है।
शायद बांधवी बहनों का! यानि यहां पर...।
कोई सावधानी पूर्वक बंद किया गया द्वार है।
ढूंढ़ना होगा वह द्वार!
ये रहा वह द्वार!
ओह ! अंदर एक सुरंग है। क्या यही है बाहरी दुनिया का द्वार !...
चलो देखते हैं, भ्राताओं! ये सुरंग कहीं न कहीं तो निकलेगी अवश्य!!
सिंधु शक्तिरूपा के लिए चल चुकी थी!

पर वह अकेली नहीं थी! कोई उसके पीछे-पीछे चल रहा था।
और वह दुश्मन था...या फिर दोस्त, इसका पता तो सिर्फ समय को था।
और समय ही न देवीना के पास था, और न ही कालिका के पास।
तू शक्तिरूपा की शक्ति से अपरिचित है!
तेरे शरीर में इसकी ऊर्जा को अधिक समय तक संभालने की क्षमता नहीं है।
उतार दे इसे, वर्ना तेरा शरीर फट कर चिथड़े हो जाएगा!
धाड़
देवीना!..रुक जाओ। इसे मारने की नहीं, रोकने की कोशिश करो!
तू होता कौन है, देवीना को सलाह देने वाला? तू तो वैसे भी पुरुष है। बस अपनी मौत की प्रतीक्षा...
मैं ध्रुव, देवीना। याद करो, जुपिटर सर्कस, राधा, श्याम, जैकब, आग!...
राधा!! राधा का बेटा ध्रुव!! तू-तू, वही बच्चा ध्रुव है!!!
पर तू, यहां कैसे?

भड़ाक
तेरी मौत का तमाशा देखने के लिए!
तुम दोनों एक दूसरे को पहले से जानते हो, यह जानकर और अच्छा लगा!
अब तुम्हारे मरने से भी ध्रुव को तकलीफ होगी। होगी भी चाहिए!
अपनी बदले की आग ठंडी करके दूसरों को रोकने वालों को इस दर्द का अहसास होना ही चाहिए!
शक्तिरूपा ने तुमको अंहकारी बना दिया है, ब्लैक कैट! और कुटिल भी!
क्या अब तुम मुझे मारने की धमकी देकर देवीना से समर्पण कराओगी?
हम्म! आईडिया बुरा नहीं है।
इस हालत में यह अपनी सांस दो मिनट तक रोक सकता है!
इस बीच तुझे अगर शक्तिरूपा और ध्रुव की जान चाहिए तो मुझे कालिका की जान दे दे!
या फिर मुझसे और लड़ना चाहेगी?

तुझसे लड़ना, यानी शक्तिरूपा से लड़ना! मुझे इस दुनिया से कोई मतलब नहीं है।
मुझे शक्तिरूपा और अपनी स्मृति चाहिए, जो मुझे शक्तिरूपा के स्पर्श से ही मिल सकती है।
किसी को मारना पड़ा तो मारूंगी भी। पर निहत्थे को कभी नहीं।
तो फिर... अक्!!.. ये क्या? मेरी दुम, मेरे ही गले से लिपटकर मेरा दम घोट रही है !
अक्! यही तो प्लान था मेरा!
मैं देख रहा था कि तुम अपनी मशीनी दुम को अपने बाएं हाथ की कलाई को हिला कर अक्.. कंट्रोल करती हो!
बस, मैंने तुमको भड़काया ताकि तुम्हारे इस कंट्रोल के पास पहुंच सकूं। तुम पर बाहर का कोई वार तो असर करता नहीं। पर तुम्हारा खुद का वार तो करता!
देवीना! तुम्हारे पास अब एक दो सेकंड का समय है। ले लो शक्तिरूपा इससे!
इसकी झूठी कहानी से पिघल गए तुम? ये शक्तिरूपा क्यों लेगी? शक्तिरूपा हमारे मठ के मंदिर की धरोहर है! इसे अब मात्र...

ट्विस्टी ले सकती है! क्योंकि फिलहाल वही है शक्तिरूपा मठ की एकमात्र स्त्री उत्तराधिकारी!
ट्विस्टी इसे तुमको अपने मठ की खोई प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने के लिए हासिल करना ही होगा! शक्तिरूपा को वापस मठ में पहुंचाना ही होगा।
मूर्ख औरत! क्यों इस बच्ची की जान लेना चाहती है।
देखती नहीं, शक्तिरूपा ने इस ब्लैक कैट से इसकी कई वर्षों की ऊर्जा कुछ ही घंटों में निचोड़ ली है।
तुम्हारे यहां की स्त्रियों में शक्तिरूपा को धारण करने की शक्ति नहीं है! समझ लो!
कुछ ही पलों में होश खोती ब्लैक कैट के हाथ से शक्तिरूपा, देवीना के हाथों में पहुंच जाना था, और कहानी खत्म हो जानी थी! पर...
आज तक मैंने कोई काम का काम नहीं किया! आज-आज मौका मिला है!
आज ट्विस्टी अपनी जान पर खेलकर अपने पूरे मठ को बचाएगी! अपनी धरोहर को बचाएगी! अपनी संस्कृति को बचाएगी।
कहानी फिर शुरू हो गई!

हा हा हा
अपार शक्ति!
अब ट्विस्टी
पहले सारे हंटर्स को
अपने पैरों पर झुकाएगी!
अपने आप को मठाधीश
मनवाएगी!
और फिर पुनर्स्थापित
करेगी शक्तिरूपा को
शक्तिपीठ में!
ट्विस्टी, तू पागल
हो रही है! ये शक्तिरूपा इसमें
तेरी कोई मदद नहीं करेगा!
उतार दे इसको।
मैं तो चली!
तू जाएगी
कहां?
जब तक शक्तिरूपा
तेरे पास है, मैं तेरा पीछा
नहीं छोड़ूंगी।
धड़ाक

न मैं ब्लैक कैट हूं, और न ही तू ब्लैक कैट की दुम, जो पीछे चिपकी रहेगी!
चल निकल! काम करने दे मुझे अपना!
धाड़
क्या हुआ देवीना?
तो ये है देवीना? पूरी जेल को कबाड़ बना दिया है!
वह निकल गई पर जाएगी कहां?
वो ब्लैक कैट का काम है पापा। मेरे ख्याल से देवीना मुसीबत लाने वाली नहीं, टालने वाली है।
पहले इसकी बात सुन लीजिए! हां बोलो देवीना।
पूरी याद वापस नहीं आई है। शक्तिरूपा का स्पर्श पर्याप्त नहीं था। लेकिन कुछ तो याद आया है!

"मेरी आखिरी याद एक पहाड़ के ऊपर शक्तिरूपा लेकर खड़े होने की है...
मैं कहां से आई, ये शक्तिरूपा मेरे हाथ में कहां से आया, ये बिल्कुल याद नहीं है।"
पर तभी। पूरा पहाड़ हिल उठा। शायद भूकंप आया था! एक बड़ी शिला मेरे हाथ पर गिरी।
"शक्तिरूपा मेरे हाथ से अलग होकर न जाने कहां जा गिरा! मैं भी गिरती शिलाओं के साथ लुढ़कती हुई एक नदी की धारा में जा गिरी!
नदी का बहाव मुझे एक अचेत अवस्था में न जाने कहां बहा ले गया! उसी समय से मुझे पिछला कुछ याद नहीं है।"
"नदी की धारा मुझे सागर की तरफ ले जा रही थी। मैं धारा के विरुद्ध तैरकर एक बस्ती के पास निकली।
मैं शक्तिरूपा की तरंगों को पकड़ने की कोशिश करती रही! सालों तक जगह-जगह पर भटकती रही! छोटे-मोटे काम करके अपने आपको जिंदा रखा!"
"फिर एक दिन, मुझे शक्तिरूपा के कुछ क्षीण से संकेत मिले!
वे संकेत एक स्त्री के पास से आ रहे थे! मैं उसके पीछे लग गई! जल्द ही मुझे पता चल गया कि उस स्त्री का नाम राधा था और वह किसी जुपिटर सर्कस में काम करती थी!"

मैंने फटाफट वहीं नौकरी कर ली। इस उम्मीद में कि राधा से शक्तिरूपा का पता चल जाएगा। पर जल्दी ही मुझे पता चल गया कि वह भी मेरी तरह स्मृति लोप की शिकार है।
आगमन
''मैंने हर सामान की तलाशी ली। पर शक्तिरूपा कहीं न मिला! और तब तुम पैदा हुए ध्रुव!''
तुम पर हमलों की शृंखला शुरू हुई।
न तुमको पता है, न राधा को और न किसी और को कि मैंने कम से कम चार बार तुम पर हमला करने आए दुश्मनों को या तो मार गिराया या भगा डाला।
तुमको बिल्कुल याद नहीं कि तुम कहां से आई हो?
कहीं डॉक्टर सच तो नहीं कह रहा था कि तुम्हारा डी.एन.ए. हमसे अलग है।
मैं इस उम्मीद में राधा के साथ बनी रही कि कभी न कभी तो उसकी स्मृति वापस आएगी और मुझे शक्तिरूपा का पता चल जाएगा। पर सर्कस में लगी आग ने उस उम्मीद को भी छीन लिया!...''
मैं नहीं जानती कि ऐसा है या नहीं, या फिर डी.एन.ए क्या होता है!

मैं तो बस ये जानती हूं कि मैं देवीना हूं, शक्तिरूपा की रक्षक और वह शक्तिरूपा अभी तबाही का दूत बनकर खुला घूम रहा है।
मुझे उसको हासिल करना है। फिर मेरी स्मृति के बंद द्वार भी खुल जाएंगे!
पर वादा रहा, तुमसे मिल कर ही जाऊंगी, ध्रुव!
पकड़ो इसे!
पहले पीछा तो कर पाएं, सर! हेलीकॉप्टर मंगाना पड़ेगा!
ब्लैक कैट कहां है?
वह भी मौके का फायदा उठाकर निकल भागी है!
खैर! वह तो मिल ही जाएगी। फिलहाल तो ट्विस्टी....
देवीना! अब याद आया मुझे!
ये बात मठ का हर वयोवृद्ध क्यों जानता है!
शक्तिरूपा शक्तिपीठ के सामने भूमि पर मिलने से ठीक पहले एक तीव्र भूकंप आया था और पहाड़ की चोटी पर घुंघराले, सुनहरे बालों वाली देवी को देखा गया था!
पर वह अकेली नहीं थी। एक देवी और उसके साथ थी!
देखने वालों का यह भी कहना है कि भूकंप दोनों देवियों के बीच हुए युद्ध के कारण आया था!
एक नहीं दो?

फिर वह दूसरी 'देवी' कहां गई?
क्या हमने कई घंटों में हजारों योजन मापे हैं ताकि हम सिर्फ यह जान सकें कि यह सुरंग आगे से बंद है!!!
क्रीई! क्रीई!
नहीं हम गलत सुरंग में नहीं हैं। और इस सुरंग को हमारे लावारी विस्फोटकों द्वारा बंद किया गया है, जो चट्टानों को पिघलाने के साथ-साथ पूरी पर्वत शृंखला को हिलाने की शक्ति रखते हैं।
मैं लावारी की गंध सूंघ सकती हूं। पर आश्चर्य यह है कि इस सुरंग को अंदर से बंद किया गया है!
ऐसा कौन करेगा?
क्रीई!
हां,हां! मैं इनको तोड़ सकती हूं!
सिर्फ एक-दो चन्द्रकलाओं का वक्त लगेगा।...शSSS!
कोई आ रहा है!..
यह तो वायुश्व है! सबसे तेज और सबसे दूर भागने वाली अश्व प्रजाति! पर इस पर क्या लदा हुआ है?

जिस पुरुष की शक्ति ने स्त्रीभू में शक्ति असंतुलन पैदा किया है, उस पुरुष का पता लगाकर उसका प्राणांत करना है।

भड़ाम

"मौत देनी है उसे!"
शक्तिरूपा से स्पर्श होने के बाद मुझे बहुत कमजोरी मालूम हो रही है!
मैं-मैं ठीक से सोच तक नहीं पा रहा हूं! अहा! अगर सोच पाता तो न देवीना को भागने देता और न ट्विस्टी को !
तुम्हारी ताकत शक्तिरूपा ने चूस ली है! तुमको आराम की जरूरत है!
मैं जाऊंगा ट्विस्टी को देवीना नाम की मुसीबत से बचाने! मेरी जमानत कराओ!
तुम जानते ही हो ये संभव नहीं है! वैसे भी इस मामले में मैं कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता!
तो तुम भी जानते हो कि मैं वक्र हूं! कोई भी जेल वक्र को बंद करके नहीं रख सकती!
कहते हैं जेल में लोग जबरदस्ती रखे जाते हैं !

लेकिन कुछ लोग वहां अपनी मर्जी से रहते हैं। एक खास मकसद से।
खबर पक्की है न? मैं टी.वी. देख रही हूं। पर उस पर रिपोर्टर ऐसी कोई चंडू खाने की गप्प नहीं सुना रहे जो तू मुझे सुना रहा है!
राजनगर जेल में हंगामा
मैं इसी काम के लिए तो जेल मे बंदी बना हूं मैडम! उनको जितना पता है उतना बोल रहे हैं!
आप शक्तिरूपा हासिल कर लें!
फिर ये दुनिया आपकी! और एक अंदर की बात सबसे इम्पोर्टेन्ट!
ध्रुव की शक्ति जा चुकी है! शक्तिरूपा ने उसकी ताकत ले ली है!
वह आपका रास्ता अब नहीं रोक सकता!
क्रमशः सिंधुनाद...

शक्तिरूपा शृंखला
द्वितीय खण्ड

सिंधुनाद

राजनगर में जब भी कहीं पर अपराध के खिलाफ मदद के लिए कोई आवाज उठती है...
बचाओऽऽऽ
अरे कोई है..!
बचाओऽऽऽ
तो कई तमाशबीन आंखें देखती तो हैं, पर भय उनके गलों को दबाए रखता है ....
पर एक निर्भीक आवाज दबती नहीं।
किंयाऽऽऽ
रात को चिड़िया...? यानी?

अब हवा में एक और आवाज गूंजेगी। धड़ धड़ धड़ धड़!
BAR
भाग! जहां वो नहीं है, वहां पहुंच, वरना अस्पताल पहुंच जाएगा।
सारा नशा उतार दिया!
पाप के कदम छुपने का रास्ता ढूंढते हैं...
पर जल्दी ही हिम्मत वापस आ जाती है।
पर धड़ धड़ की आवाज तो आई ही नहीं। हम बेकार ही डर रहे हैं। शायद....
कोई नहीं आ रहा है। छेड़ो! जारी रहे छेड़खानी!
अरे हम तो समझे थे कि ध्रुव आएगा! पर यहां तो घोड़ी आ गई दुल्हनिया लेकर!
चलो, भई, इस पर भी ध्यान दो! कौन हो सुंदरी तुम?
नाम है...
सिंधुनाद

वैसे तो राजनगर में चिड़िया के बाद ध्रुव आता है! तू कहां से आ गई?
हम्म! वैसे, क्या हो रहा था वहां पर?
ये...ये लड़के हमारे साथ जबरदस्ती कर रहे हैं।
छेड़खानी कर रहे हैं?
छेड़खानी? जबरदस्ती? यानी.... ये पुरुष तुम स्त्रियों पर बल दिखा रहे थे?
अविश्वसनीय! तुमने इनको मारा नहीं?
तू हिन्दी की टीचर है क्या? हमें मारेगी? लड़की होकर इतनी अकड़?
अरे, यहां तो पुलिस भी हमारे जाने के बाद ही आती है।
चल तू, मार कर दिखा! आ!!!
जैसी तुम्हारी...
मर्जी!

ये-ये कैसे किया तुमने?

पलक झपकते ही जमीन तोड़कर इनको अंदर तक घुसा दिया! इतनी शक्ति!

ये शक्ति तो तुममें भी है। भला पुरुषों की तुमसे क्या बराबरी?

हममें! तुम .... अ... आपको कुछ गलत-फहमी हो रही है! हम औरतों में इतनी शक्ति कहां?

कोशिश करके देखो!

सिंधु का दिमाग कुछ घंटे पहले के घटनाक्रम पर चला गया!
ओह! नीचे बने भक्तिस्थल से शक्तिरूपा की शक्ति तरंगें साफ आ रही हैं। पर ये तरंगे उतनी शक्तिशाली नहीं हैं।
यानी शक्तिरूपा कभी यहां था पर अब नहीं है। यह अवश्य वही मठ और भक्ति स्थल है जहां पर सदियों पहले जीवोहरा और सत्यानी का युद्ध हुआ होगा!
यानी.. मैं सतपुड़ा की पहाड़ियों पर खड़ी हूं और एक गुप्त सागरीय जलगत गुफा सुरंग, स्त्रीभू और मठ को आपस में जोड़ती है। यानि...हमारे पुराण सही हैं। आश्चर्य!!
परंतु देवीना ने अगर शक्तिरूपा चुराया था तो फिर वह तो उसकी मदद से इस बाहरी दुनिया पर राज कर सकती थी। उसने शक्तिरूपा को यहां वापस शक्ति पीठ में क्यों रखा?
अभी यह स्थान पूर्णतः निर्जन लग रहा है। शायद यहां से कुछ उत्तर मिलें! वायुश्व! नीचे चलो!

ये आधार वेदी! इससे शक्तिरूपा की क्षीण ऊर्जा अभी तक फूट रही है।
यानी पक्का है कि कुछ समय पहले तक शक्तिरूपा सच में यहीं पर था! पर...पर..! आश्चर्यजनक...
यहां एक और शक्ति की अवशिष्ट तरंगें मुझे महसूस हो रही हैं।
उसी पुरुष शक्ति की जिसने स्त्रीभू के पुरुषों में उत्पात मचा रखा है।
क्या... ये शक्ति भी मठ से ही पैदा हुई है। सत्यागी का श्राप, सत्य सिद्ध हो रहा है क्या?
मुझे इन तरंगों का पीछा करना होगा।
पर मैं इस दुनिया में विस्फोटकों को लेकर नहीं घूम सकती।
इनको कुछ समय के लिए इसी निर्जन मंदिर में भूमिगत कर देती हूं। इस भारी पत्थर के नीचे ये सुरक्षित रहेंगे।
और फिर मैं आराम से उन पुरुष तरंगों का पीछा करूंगी।
और इन तरंगों के दूसरे छोर पर होगा...

''वह पुरुष!''
कहां खो गईं? तुमने बताया नहीं कि तुम हो कौन और यहां कैसे आ गईं!
हम तो ध्रुव के आने की उम्मीद कर रहे थे।
य...ये ध्रुव कौन है?
तुम ध्रुव को नहीं जानती? इस दुनिया में अभी आई हो क्या?
सॉरी, मजाक था!
ध्रुव को तो बच्चा-बच्चा जानता है। वह राजनगर का रक्षक है। अरे, वह हर जगह का रक्षक है। जहां पहुंच जाए!
अच्छा! ऐसी क्या खास बात है उस पुरुष में?
उसका दिमाग! बिना एक उंगली उठाए हथियारबंद दुश्मनों को धूल चटा देता है वो!
और उनके छक्के भी छुड़ा देता है!
ओ! मैं यहां पर शायद उसी से मिलने आई हूं!
''कहां पर मिलेगा वह मुझे?''

ये तू क्या कह रहा है?
ट्विस्टी, दुनिया पर कोई आफत नहीं आएगी! वह एक बच्ची है! इतनी अक्ल कहां है उसमें?
वह अपने आपको साबित करना चाहती है। और इसके लिए उसने शक्तिरूपा को माध्यम बनाया है।
उसको नुकसान पहुंचाने की तो सोचना भी मत!
मम्मी!
क्या है?
मुझे तो आपने दस साल की उम्र में बॉल से दीवार घड़ी तोड़ने पर नंगे पैर धूप में खड़ा कर दिया था!
ट्विस्टी दुनिया को तोड़ने जा रही है और आपको उस पर प्यार आ रहा है?
आपका प्यार आजकल कुछ ज्यादा ही बढ़ा हुआ नहीं है?
मम्मी, श्वेता सही कह रही है!
ट्विस्टी, शक्तिरूपा जैसी विध्वंसकारी शक्ति से अपनी बचकानी इच्छा पूरी करने जा रही है।
दुनिया के साथ-साथ उस पर भी खतरा आ सकता है। मुझे उसको रोकना होगा।
क्या हुआ भईया?
कुछ नहीं, बंदरिया! मम्मी ने तुझे कभी धूप में खड़ा किया था, यह सुनकर मेरा मम्मी को गले लगाने का मन कर आया।
तू क्या समझी?

मुझे कमजोरी लग रही है?

तू सोचती रह। मैं अभी कान पकड़कर ट्विस्टी को वापस लाता हूं तुझे तंग करने के लिए!

धड़ धड़ धड़

क्या सोच रही है? कि ध्रुव झूठ बोल रहा है।

ब्लैक कैट! तुम्हारी ये हालत...
शक्तिरूपा ने की! मेरी सारी शक्ति को एक साथ खर्च करके! और उसमें देवीना ने अपना योगदान दिया है!
पता है। ध्रुव अभी यही बता रहा था!
तब तो उसने यह भी बताया होगा कि देवीना के प्रतिरोध के बावजूद मैं अपने पिता के कातिल को मार देती! अगर.... ध्रुव ने अपनी टांग न अड़ाई होती!
इतनी लंबी बात क्यों कर रही हो! कमजोरी बढ़ जायेगी तुम्हारी!
ये बताने यहां आई हो तुम?
मैं तो...ट्विस्टी को ढूंढ़ने आई थी! ताकि उससे शक्तिरूपा वापस ले सकूं!
पर...यहां तो किस्मत का इंसाफ देखने को मिल गया!
कैसा इंसाफ?
हा हा हा! यानि ध्रुव ने तुमको बताया नहीं!
शक्तिरूपा, पुरुषों की शक्ति को घटाता है। ध्रुव की ताकत भी शक्तिरूपा ने खींच ली है।
अरे, वह तो ठीक से सोच तक नहीं पा रहा है।
अब वह ट्विस्टी को बचाने उसके पीछे जाएगा! और ट्विस्टी उस अधमरे को पूरा मार देगी।
तेरी ज़ुबान भी काली है, ब्लैक कैट!
ऐसा कभी नहीं होगा।

ऐसा ही होगा, श्वेता! शक्तिरूपा दिमाग खराब कर देता है।
इंसान को अपने मकसद के अलावा कुछ नजर नहीं आता।
अब ध्रुव ने अगर ट्विस्टी को रोका, तो वह उसको मसल कर रख देगी।
चाहे बाद में जिंदगी भर पश्चाताप करती रहे।
और यही होगी ध्रुव को मुझे रोकने की सजा! अपनों के हाथों मौत!
अरे, कोई तो रोको इनको। पुलिस के हेलीकॉप्टर बुलाओ।
ये 1500 करोड़ के हीरे लेकर भाग रहे हैं।
DIAMOND
घर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्र
पुलिस हेलीकॉप्टर आने तक हम गायब हो चुके होंगे!
डर था तो सिर्फ ध्रुव का! पर वह सिर्फ रस्सी पर झूल सकता है। उड़ नहीं सकता।
इसीलिए हमने इस रास्ते से भागने का प्लान बनाया!

''क्योंकि यहां ध्रुव कभी नहीं आ सकता।''

वैसे तो तुमको रोकने के लिए मैं चिड़ियों का इस्तेमाल भी कर लेता, पर उनकी जान बेवजह खतरे में डालना मैंने उचित नहीं समझा!

क्योंकि इन गगनचुंबी इमारतों में फास्ट लिफ्ट भी लगी होती है और मेरी बाईक 'डर्ट-ट्रैक रेसिंग' भी कर चुकी है!

एक इमारत की छत से कूदकर...

...तुम्हारे पैराशूट मे कट लगाते हुए...

सामने वाली इमारत की छत पर उतरना मेरे लिए ज्यादा मुश्किल नहीं है....

ओ नो!

ध्रुव का कभी न गलत होने वाला अनुमान आज गलत हो रहा था!

वह बाइक की ट्रेजेक्ट्री यानी प्रक्षेपपथ का जानलेवा गलत अनुमान लगा गया था!

ओह! मेरी सोच अभी तक भ्रमित है। मैं जंप का सही अनुमान नहीं लगा पाया!
लेकिन काम हो गया। पैराशूट में एक बड़ा कट लगने के कारण एक पैराशूट तो नीचे उतरने पर मजबूर हो गया है।

अब सिर्फ दूसरे पैराट्रूपर को जमीन पर लाना है।

और यह काम मेरी स्टार-लाइन को इसके प्रोपेलर में अटका कर, आराम से किया जा सकता है!
लेकिन,...ये सामने से उड़ता हुआ क्या आ रहा है?

ये तो बाज हैं!... विशाल बाज!
पर मैंने तो किसी चिड़िया को मदद के लिए नहीं बुलाया!
फिर ये आए कहां से?
ध्रुव इस बात से अंजान था। कि वे बाज नहीं, उसकी मौत के हरकारे थे।
जिन्होंने उसकी तलाश में हजारों किलोमीटर का सफर तय किया था...

...स्त्रीभू से
कहो!
माननीय सरानी, जिन पुरुषों को हमने संयंत्र में सिंधु पर हमला करने के अपराध में कारागृह में भेज दिया था, वे कारागृह से भाग गए हैं।
कैसे? हमारा राजकीय कारागृह तो अति सुरक्षित है!
हमारे कारागृह में पुरुषों के बंदीगृह की उचित व्यवस्था है ही कहां? क्योंकि वे अपराध करते ही नहीं! इसीलिए सुरक्षा में चूक हुई!
बंदीगृह से भाग निकले, यह मान लिया! पर कारागृह की ऊंची दीवारें कैसे फांद गए?

अद्भुत रूप से आसान उपाय से! वे सभी तकनीकी श्रमिक थे!
उन्होंने जेल के वर्षा पाइपों को खोल डाला और उनको एक के अंदर एक फंसाकर लंबा पाइप बना लिया!
फिर तीन पुरुषों ने एक छोर से धक्का दिया, और दूसरे छोर से चौथा पुरुष दीवार पर चढ़ गया!

ऊपर चढ़कर उसने अपने पास की रस्सी नीचे लटका दी और यूं चार पुरुष कैदी भाग निकले।
पर बाहर हमारी सुरक्षा टुकड़ी ने उनको रोका।

भागते बंदियों पर घातक हमले की मनाही है, तो वे रबर-प्रक्षेपकों से सुसज्जित थे!
परंतु भगौड़े कैदी इसके लिए भी तैयार थे!
पिट
पिट
वे अपने भोजन का बड़ा गोल कटोरा साथ लेते आए थे! उसको अपनी छाती पर रखकर उन्होंने सुरक्षाबलों का सामना किया।
'रबर प्रक्षेपक' गोल कटोरों से घूमकर स्वयं सुरक्षा बलों पर ही वार करने लगे! अफरा-तफरी सी मच गई। और इसका फायदा उठाकर...
वे बंदी भाग निकले।
अब हमको आपकी सुरक्षा और कड़ी करनी है
इतनी आसानी से, मामूली वस्तुओं की मदद लेकर सुरक्षा को यूं भेद देना सामान्य नहीं है।
वे उसी पुरुष ऊर्जा का प्रभाव है जो बाहरी लोक से यहां आई है।
अगर सिंधु ने जल्दी ही उस पुरुष को ढूंढकर और मृत्यु देकर इस शक्ति को नष्ट नहीं किया, तो वह हमको नष्ट कर देगी!
मैंने कैप्टन के आदेश अनुसार हंटर्स के पूरे कंप्यूटर सिस्टम को इंटरनेट से जोड़कर लाइनअप कर दिया है!
अब इससे सारी इंफार्मेशन निकाली जा सकती है।
पर कैप्टन कहां रह गया? वह तो सीधा यहीं आ रहा था।

लो, आ गया! छत पर कोई कूदा है! छत के रास्ते और कौन आएगा!
हेल्लो, ब्वायेज!
पहचाना मुझे?
धड़ाक
ओ गॉड! ये क्या बला है?
ये तो... ट्विस्टी है!!
सही समझे, लड़को! मुझे अपने जूनियर हंटर्स की लोकेशन जाननी है! फटाफट!!
ताकि मैं उनको फटाफट रास्ते पर ला सकूं! यही काम मिला है मुझे!
ध्रुव के अलावा सिर्फ इसी को पता था कि हंटर्स के मुख्यालय का डाटा सिस्टम यहां पर है।

जानते हो, मुझे तो यह पता भी नहीं था कि मुझे जाना कहां है। मैं तो सिर्फ हंटर्स पर अपना नेतृत्व कायम करना चाहती हूं।
मुझे तो यहां छत पर उतरने के बाद ध्यान आया, कि मैं कमांडो फोर्स के अस्थायी हेडक्वार्टर पर उतरी हूं। देखो शक्तिरूपा स्वयं हंटर्स के सदस्यों को ढूंढ रहा है।
वे एक दूसरे से संपर्क रखने के लिए ऑनलाइन तो आएंगे जरूर, चाहे अपने नाम से न आएं।
और मेरी इच्छा को पूरी कर रहा है शक्तिरूपा। वह शक्ति जो इस वक्त मेरी बाजू से लिपटी हुई है।
यही मुझे यहां तक लाई है।
और शक्तिरूपा उनको ढूंढ निकालेगा। लो ढूंढ निकाला!
अब चलती हूं मैं।
धड़ाम
अरे! अरे! सिस्टम को नष्ट क्यों कर दिया? अब हम कैप्टन को क्या दिखाएंगे।
धड़ाम
वह ध्रुव की जिम्मेदारी नहीं है। यह जिम्मेदारी महेश ने टिवस्टी को सौंपी है।
धड़ाम
ध्रुव को इस सिस्टम की तरह अपनी हड्डियां चूर-चूर कराने की कोई जरूरत नहीं है।
COMMANDO
सभी लोग दुकानों की तरफ आकर जमा हो जाओ। इस शॉपिंग-मॉल को बंधक बनाया जा रहा है।
अगर किसी ने भी छुपने या भागने की कोशिश की तो जान से हाथ धो बैठेगा।
COFFEE BREAD S

Coffee POINT
हमारे साथी चारों तरफ मौजूद हैं... अरे!
बहरे हो या जीने से तंग आ चुके हो? सुना नहीं...
शश!!! दो मिनट बाद आओ। हम मीटिंग कर रहे हैं...तो तुम हेडक्वार्टर होकर आई हो?
हां! मैंने सोचा, वहां से कुछ और साथियों के पते मिल जाएंगे पर...
बदन में दो नए छेद चाहिए क्या?
नया बदन चाहिए क्या?
कहा न मीटिंग चल रही है!

तूने-तूने इसको मार डाला! कैसे?
सांस खींच ली इसकी! अब तेरी खींचू क्या?
कहा न, मीटिंग पूरी होने तक वेट कर!
मैं तो वेट कर लेता...!
पहले इस डिस्टर्बेंस को दूर करना पड़ेगा!
पर जहन्नुम तेरी खातिरदारी करने के लिए बेताब हो रहा है।
मीटिंग पोंस्ड!
छनाक
ऐसे और भी हैं क्या? या बस हो गए?
बस तो अब होगा! बम...यानी खत्म!
मेरी सांस खींच या मुझे मार, डोरी खींचने से नहीं रोक पाएगा मुझे!

न..न.. नहीं! डोरी मत खींचना!
बम देखकर तो ये काम लोग पैंट में करते हैं!
ह...हा... हा...!
अब तू भी करेगा!
चलो! मीटिंग चालू करें! पूरे दो मिनट बरबाद हो गए!
ईयाया
तो अब जिंदगी से इन दो मिनटों को कम करोगे!...
या दो मिनटों में पूरी जिंदगी को कम कर लोगे!

कौन है तू? आतंकवादियों की सरगना?

है भी तो हमारी मीटिंग के बाद आना! अब चल!

बिना चेयरमैन मीटिंग कैसे करोगे?

तुम्हारी नई मठेश तो मैं हूं! ट्विस्टी! याद हैं वो ईमेल्स? वो मैंने ही भेजी थीं।

तुम कुछ गलत समझ रही हो! हम तो बिजनेसमैन हैं! हमारा मठ-वठ से क्या संबंध?

मैं तुम सभी की लोकेशन ट्रेस कर रही थी! काफी टाईम से आफॅलाइन थे तुम तीनों।

पर आज सुबह तुमको एक प्रॉक्सी सर्वर से गूगल सर्च करना पड़ा अपने 'क्लोज फ्रेंड्स' की लोकेशन देखने के लिए!

बस! मैंने ट्रेस कर लिया तीन हंटर्स को! फ्लो ब्लो, डॉलबॉल, और बोल्ट नॉम!

अब ये बताओ, तीन हंटर्स एक साथ राजनगर के सिटी सेंटर मॉल में क्या मीटिंग कर रहे हैं? वह भी चेयरपर्सन मठेश ट्विस्टी के बगैर?

मीटिंग हंटर्स के नए अध्यक्ष पर विचार करने के लिए है!

अध्यक्ष का नाम है ट्विस्टी! मीटिंग खत्म!

अब जाओ, और मेरे ऑर्डर्स का इंतजार करो!

मीटिंग के बजाए अगर अध्यक्ष ट्विस्टी ही खत्म हो जाए तो!

इसकी उंगलियों के पोरों तक की प्राणवायु खींच लूंगा मैं!
इसकी खाल का थैला बचेगा बस! पर ...ये..ये क्या?
मैं ...मैं प्राणवायु खींचना रोक क्यों नहीं पा रहा हूं! मैं... मैं फूलता जा रहा हूं!!!
अगर-अगर मैं अपने आपको हवा खींचने से रोक नहीं पाया तो मैं फट जाऊंगा!!!
मैं सिर्फ खींचता नहीं, हवा छोड़ता भी हूं।
फूऽऽ
हा हा हा! अगर तू मेरा मातहत हंटर न होता तो गुब्बारे की तरह फोड़ देती मैं तुझको!
मैंने तुझे माफ किया ताकि तू अच्छा हंटर बनकर अपनी स्वामिनी के आगे घुटने टेक सके!
तू हंटर्स की स्वामिनी तो क्या, एक हंटर तक नहीं बन सकती!
क्योंकि हंटर दुश्मन को कभी माफ नहीं करते!
हमारे खेल में ड्रॉ नहीं होता।
शक्तिरूपा के बावजूद ट्विस्टी की अनुभवहीनता पर हंटर्स की चालें भारी पड़ रही थीं।

और यहां ध्रुव के जीवन भर के अनुभव की परीक्षा हो रही थी!

ये बाज किसकी तरफ बढ़ रहे हैं? मेरे या .... ओ गॉड!

ये तो गोली चला रहा है बेचारे बेजुबान बाज पर!

पर ध्रुव के विचार...

अगले ही पल बदल गए!

अरे! ये बाज बेचारा तो कतई नहीं है। इतनी शक्ति!!

इसने तो पैराट्रूपर को ही, ग्लाइडर से घसीट कर....

नीचे फेंक दिया!!
ये मर जाएगा, मुझे बचाना होगा इसको!
मुझे तेजी से नीचे, इसके पास जाना होगा!
स्टार लाइन तेजी से अपने निशाने की तरफ लपकी-
पर आज दूसरी बार ध्रुव के घटते कौशल का नमूना सामने आया!
स्टार लाइन अपना निशाना चूक गई!
और ये चूक भी पहली वाली की तरह जानलेवा थी!
ओ नो! मैं... मैं चूक कैसे गया? अब तो स्टार लाइन अटकाने लायक कोई स्थान भी आस पास नहीं है!
फिलहाल तो सारा ध्यान मुझे इस पैराटूपर को बचाने में लगाना होगा!
पकड़ लिया! पर अब स्टार लाइन कहां अटकाऊं?
ओ.के.! एक नजर तो आ रही है।
स्टार लाइन तेजी से लहराते पैराग्लाइडर की तरफ लपकी!
इस बार निशाना सही था।

पर शायद किस्मत खराब थी।

अरे! इस बाज ने स्टार लाइन को ग्लाइडर तक पहुंचने ही नहीं दिया!

ये मामूली बाज नहीं है। इसके शरीर पर कवच है और पंजों में अजीब से मेटल कैप्सूल!

ये जंगली नहीं, पालतू बाज है। पर किसके? और, ये मेरे काम में अड़ंगा क्यों डाल रहे हैं?

पर मुझे अभी इस सोच को दिमाग से दूर करना होगा!

क्योंकि जमीन पास आ रही है!

ई ई ई! अरे, मुझे मरने मत देना। मैं जेल जाने को तैयार हूं!! बचा ले मुझे!!

मौत देखी तो दुश्मन को दोस्त बनाने लगा! घबरा मत...!

शक्तिशाली बाज के स्टारलाइन से छूटने की छटपटाहट ने पहले तो गिरते ध्रुव की गति को रोक दिया।
और साथ ही ध्रुव ने एक झटके से अपने गिरने की दिशा को स्विमिंग पूल की तरफ बदल लिया!
बाकि रही सही गति स्विमिंग पूल के पानी ने थाम ली।
अब ध्रुव और पैराट्रूपर सेफ थे।
संभालो इसे और पुलिस के हवाले करो।
इसकी वजह से मैं पहले ही काफी लेट हो गया हूं।
पता नहीं मैं कमांडो हेडक्वार्टर से कनेक्ट क्यों नहीं कर पा रहा हूं?
TEL
SHAGRILA
आश्चर्यजनक! मेरे बाज भाईयों ने जिंदगी में पहली बार मात खाई है।
जब इन्होंने तुमको निशाने के रूप में ढूंढा तो मुझे इनके निर्णय पर संदेह हुआ था!
एक मामूली सा दिखने वाला लड़का भला इतना खतरनाक कैसे हो सकता है!!
लेकिन तुमने पलों में मेरी सोच बदल दी!

तो ये तुम्हारे बाज हैं। इनकी और तुम्हारी क्या दुश्मनी है मुझसे?

मैंने तो आज से पहले कभी तुमको देखा तक नहीं। तुम हो कौन?

वो जिसके साथ मित्रता करो तो शरण देता है और चुनौती दो तो रण देता है। सिंधु हूं मैं!

और मुझे तुम्हारी मृत्यु का आदेश पत्र दिया गया है।

ओ! इसके खुर पटकने में तो हैंडग्रेनेड जैसी पॉवर है। ये आए कहां से हैं!!

धड़ाक

महाशक्तिशाली सिंधु के सामने क्षीण होती शक्तियों वाला ध्रुव कोई चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं था!

पर दिवस्टी के महेश होने को चुनौती दे रहे हंटर्स की हालत काफी बेहतर थी!
फ्लो-ब्लो के मुंह से निकलती आंधियां उसको सूखे पत्ते की तरह पटक भी रही थीं, और तोड़ भी रही थीं।
फूsss
अरे, तू तो अभी से बेहोश होने लगी! लीडरी कैसे करेगी?
आह!! ये शक्तिरूपा, मेरे बेहोश होते दिमाग के कारण अपना असर खो रहा है! मुझे इसका जवाब देना होगा!
अपनी सांस को वापस लाना होगा।
धड़
अब फ्लो-ब्लो का दिमाग अंधेरे में डूब रहा था।
और शक्तिरूपा अपनी खोई हुई तीव्रता को वापस प्राप्त कर रहा था।
इस हवा के बवंडर को चीर कर कोई भाले जैसी चीज ही इस तक पहुंच सकती है। जैसे फायर होज पाइप का ये नोजल!
ये नोजल का पाइप इसके गले को कसकर इसकी सांस भी थाम सकता है!,लो फ्लो-ब्लो तो गया!
फ्लो-ब्लो को संभलने में कुछ ही सैकंड लगेंगे। वैसे थैंक्यू!
थैंक्यू क्यों?
क्योंकि मुझे लग रहा था कि...

मेरा नंबर तो...आएगा नहीं आऊ!!!!
मैं तो इसे हिला तक नहीं पाई!
पर...पर.. ये लहराता प्रकाश रैकेट मेरे जितनी पास आता है, मेरी शक्ति भी बढ़ जाती है।
आऊ!!!! इसने तो मुझे टेनिस बॉल बना दिया!
यानी...इसकी बांह पर लिपटा ये प्रकाश पुंज चमत्कारी है।
चलो प्वाइंटस गिनो।
धड़ाक
ये इसके साथ, मेरी शक्ति भी बढ़ा रहा है। नो भेदभाव वाओ!
तू बहुत उछलती है? आज मैं तेरी जिंदगी भर की हसरत एक साथ निकाल देती हूं!
धाड़

धाड़
ट्विस्टी ने एक बार फिर एक स्त्री से उलझ कर गलती कर दी थी!
ये तो कमाल की चीज है। इसके स्पर्श से ही मुझे अपनी नसों में जलप्रपात बहते महसूस हो रहे हैं।
अभी से यह हाल है तो जब ये मेरी कलाई पर लिपटेगा तो क्या असर करेगा।
शायद बादल फटेगा!
आह!
ट्विस्टी को अभी शक्तिरूपा की शक्ति को दूर से प्रयोग करना नहीं आया था।
आह!
और डॉल-बॉल ने ये मौका नहीं खोया!
येऽऽऽ!!! बस एक सैकेंड और ....
फटा बादल! तेरे वारों में ताकत जरूर बढ़ रही है, पर शक्तिरूपा अभी भी महेश ट्विस्टी की बांह पर बंधा है!
लेकिन अब मुझमें तेरे वारों को झेलने की पूरी शक्ति भी है!
देखती हूं कि कब तक तू इसे अपने बाजू से चिपकाए रख सकती है।
लड़ाई बराबर की हो गई है। लंबी खिंचेगी। पर हंटर्स मैनुअल कहता है...
कि अगर एक शेर शिकार को घेर न पाए तो शेरों को भी झुंड बना कर वार करना पड़ता है!
बिजली का भीषण झटका लगते ही, ट्विस्टी का ध्यान भी बिखर गया और उसकी बाजू से लिपटा शक्तिरूपा भी!

और पॉवर का ये पॉवर हाऊस मेरा....
...अरे! इसे ...इसे खींचा किसने?
मैंने! अब ध्रुव फैसला करेगा इस शक्तिरूपा का!
आई तो थी मैं श्वेता की रिक्वेस्ट पर तुमको किसी मुसीबत से बचाने!
चंडिका! तुम.. तुम यहां कैसे?
पर तुम खुद मुसीबत बन चुकी हो इसका मुझे एहसास नहीं था!
सही कह रही हो तुम! शक्ति दिमाग खराब कर देती है। मेरा भी कर दिया था।
हर समस्या को शक्ति से निपटाने का जुनून चढ़ गया था मुझ पर!
पर तुमको अभी ये खुद समझ में आ जाएगा...
''जब शक्तिरूपा की शक्ति तुम्हारे अंदर की अतृप्त इच्छाओं को जगाना शुरू करेगी।''

"उसके बाद देखेंगे कि तुम ध्रुव को शक्ति का वह पॉवर हाऊस देना चाहोगी भी या नहीं।"
तुम मेरी मृत्यु का आदेश लेकर आई हो? पर किससे और क्यों? मुझे कम से कम यह पता तो चले कि मैं मर क्यों रहा हूं?
स्त्रीभू से आई हूं मैं! एक ऐसा सुदूर भूखंड जिसके विषय में तुम जानते तक नहीं!
शक्तिरूपा भी वहीं से चोरी करके लाया गया है!
शक्तिरूपा!
हां! परंतु तुम्हारे मृत्यु-आदेश का कारण शक्तिरूपा नहीं, तुम्हारी अपनी शक्तियां हैं जो स्त्रीभू के बेचारे पुरुषों के माध्यम से हमारे समाज में अराजकता फैला रही हैं!
उस अराजकता को रोकने का एकमात्र उपाय तुम्हारी मृत्यु है। जब तुम नहीं रहोगे, तो तुम्हारी शक्तियां भी नहीं रहेंगी!
धड़
मुझमें कौन सी शक्ति है? कोई है ही नहीं!
तुम से कोई गलती हुई है।
कोई गलती नहीं है।
सांय!
ओफ्! मुझ पर थकान हावी हो रही है। शक्तिरूपा ने मेरी ताकत खींचकर मुझे कमजोर बना दिया है!
जल्दी ही या तो इसके फुर्तीले घोड़े की टाप मेरी खोपड़ी खोल देगी या इसकी तलवार मेरा सीना!

इसको सबसे पहले घोड़े से उतारना पड़ेगा! और घोड़े को भी लड़ाई से बाहर करना होगा! ...

तभी मुकाबला कर पाऊंगा मैं इसका!

आहह! हफ्!! अब मैं और भाग नहीं सकता!

अब तो मैं वायुश्व की टापों के नीचे कुचला ही जाऊंगा!

सड़क को खंड-खंड कर देने वाली वायुश्व की घन जैसी दो टापें, ध्रुव की खोपड़ी खोलने को नीचे लपकीं।

बहुत खेल हो गया! इसकी अंतिम इच्छा पूरी कर दे, वायुश्व!

ध्रुव तेजी से हटा...

धड़ाक

वायुश्व के पैर उस मैनहोल के ढक्कन को तोड़ते हुए नीचे घुसते चले गए, जिस पर ध्रुव खड़ा था।

सिंधु का शरीर हवा में उड़कर जमीन पर आ गिरा!

माफ करना, भाई वायुश्व! आत्मरक्षा में ऐसा करना पड़ा!
तू ठीक तो है न, वायुश्व?
ओफ्! तू अभी उठ नहीं पा रहा है!
तू सचमुच बहुत खतरनाक है!
इतनी आसानी से मुझे वायुअश्व से अलग कर दिया! तुझे जीवित छोड़ना मूर्खता होगी।
ओफ! ये क्या है? इतना तेज वार!!!
लेकिन तुम्हारी बातों से ऐसा लगता है कि तुमको मेरी खोई शक्ति का राज पता है।
तू अपनी गई शक्तियों के बजाए अपनी बची शक्ति की सोच!
जब ये तुझे ऊपर से गिराएंगे तो न हिलाने को उंगली बचेगी न सोचने को दिमाग!
कायदे से तो इस कमजोर हालत में मुझे यहां से निकलने की सोचनी चाहिए!

जब तक ये मेरे ऊपर हैं, तभी तक इनका मुझ पर वश है।
लेकिन जब मैं इनके ऊपर आ जाऊंगा, तो ये मेरे वश में होंगे। आह! फिर चूका!
सिर्फ एक फर्क पड़ेगा। अब तुम और ऊपर से गिरोगे!
अब उंगली तो दूर, तुम्हारा नाखून तक नहीं बचेगा।
गिरूंगा क्यों? मैं तो गिराऊंगा! तुम्हारे बाजों को!
ठीक वैसे ही जैसे किसी बड़े पैसेंजर एयर प्लेन को छोटे-छोटे फाइटर जेट घेरकर उतारते हैं।
हा हा हा!!! और वो कैसे करोगे?
ध्रुव के बुलाने पर उसके दोस्तों के झुंड से आकाश भर गया।
और वे उन दो बाजों को घेरकर मनचाही दिशा में उतारने लगे।
अविश्वसनीय! तुम-तुम बाजों से बात कर सकते हो।
सभी पक्षियों से!
और तुम चाहो तो ...!
तुमसे भी!
बताओ! कहां गई है मेरी शक्ति?
आऊ!!

शुक्र मनाओ, कि मैं स्त्रियों पर हाथ नहीं उठाता।
ओ! ये पक्षी-
अब ऐसा ही हाल तेरा होगा!
मुझे वैसे भी पुरुषों की जान लेकर मजा नहीं आता।
पर विवशता है।
धाड़
अब ये थोड़ी देर तक मुझे परेशान नहीं करेंगे।...
कमजोर हूं, पर इतना भी नहीं कि तुम दो बाजों की आड़ लेकर मुझे पीटती रहो।
ओह! करीम की कॉल! बोलो करीम!
तुरंत सिटी सेंटर मॉल पहुंचो। दिवरटी प्रॉब्लम में है। शक्तिरूपा के कारण!

तूने...तूने मेरे बाजों को इतनी आसानी से बेबस कर दिया!! तू सच में खतरनाक है! जल्दी से जल्दी मारना होगा तुझे!
सॉरी, सिंधु! मुझे जाना होगा! तुमसे फिर मिल लूंगा! वैसे चाहो तो साथ भी चल सकती हो!
क्योंकि मामला शक्तिरूपा से संबंधित है!
शक्तिरूपा से मैं स्वयं निपट लूंगी! और अगर तुम समझ रहे हो कि मेरे बाज और मैं तुम्हारा पीछा नहीं कर पाएंगे.....
तो तुम गलत हो! मेरे पास बाजों की पूरी फौज है!
अब बस, तुमको थोड़ा सा और ऊपर जाना है। मदद मैं करूंगी!
मुझे ऊपर पहुंचाने के लिए एक अजूबा तीर पर्याप्त नहीं है....
कम से कम ...
....पांच तो चाहिए? ओ ...
हाय रे बड़बोलापन!

इन भाला तीरों से बचना मुश्किल तो है...
पर असंभव् नहींऽऽ! ओह! मेरी कलाबाजी की कुशलता में भी काफी कमी आ गई है!
पर शुक्र की बात यही है कि बाकी चार तीर भाले...
मुझे पार करके आगे बढ़ चुके हैं।
अरे! ये तो घूमकर वापस आ रहे हैं...
टनाक
ओह! इस ड्रम को मेरे और तीरों के बीच फेंककर, किसने मुझे बचाया?

हां किसने?
मैंने
धड़ाक
देवीना! तू जिंदा है... और यहां है!! अच्छा हुआ तू खुद यहां आ गई।
तुझे भी यहां पर देखकर पलभर के लिए तो मुझे घोर आश्चर्य हुआ, सिंधु।
परंतु फिर सब कुछ याद भी आ गया और समझ भी आ गया।
तू सदैव शक्तिरूपा रक्षकों से विरोध रखती आई है। क्योंकि मात्र हम तेरी बाज शक्ति को चुनौती देने का दम रखते थे। इसीलिए तूने ही शक्तिरूपा को बांधवी बहनों से चोरी करवा के बाहरी दुनिया में भेज दिया!
वह तो अच्छा हुआ कि मुझे संकेत मिल गए और मैंने उनका पीछा किया।
देविना...और सिंधु... आपस में परिचित हैं!!!

तू बांधवी बहनों के पीछे नहीं, उनके साथ आई थी! उनकी मदद से तू शक्तिरूपा को बाहरी दुनिया में ले जाना चाहती थी।
और अपने लिए एक अलग राज्य स्थापित करना चाहती थी! पर देव तेरे विरुद्ध थे।
आह! देव मेरे नहीं, तेरे विरुद्ध है सिंधु! शक्तिरूपा को बाहरी दुनिया में तूने भेजा!
ताकि वहां शक्तिशाली स्त्रियों की शक्तिरूपा के कारण बढ़ी शक्ति क्षीण हो जाए और तू अपनी बाज शक्ति से वहां राज करे।
मुझे तो यह तक पता नहीं था कि कोई बाहरी दुनिया भी है!
यहां तो मैं तेरे पथप्रदर्शन से पहुंची हूं!
भड़ाक
दो उल्काएं आपस में बार-बार टकरा रही थीं!

और पूरे राजनगर की इमारतें भूकंप जैसे झटकों से थर्रा रही थीं!
धड़ाक
और, सिटी सेंटर मॉल की इमारत भी इससे अछूती नहीं थी!
आह!!!ह!! ये-ये क्या हो रहा है? मेरा शरीर कांप रहा है या जमीन थर्रा रही है?
COLOR PL
ये कंपन जमीन से आ रहे हैं। जैसे कहीं कोई उल्का टकरा गई हो! पर ये उसके सामने मामूली हैं जो अभी तुम्हारे अंदर पैदा हो रहे हैं।
मेरे-मेरे अंदर अपराध को रोकने की तीव्र इच्छा पैदा हो रही है। पर...वह ध्रुव जैसी संयमित नहीं है।
मेरा..मेरा मन कर रहा है कि अपराधियों को चीर डालूं,फाड़ डालूं...!
तब तो तुमको शक्तिरूपा को तुरंत अपने बाजू से उतारकर....!
मेरे हवाले कर देना चाहिए! चीरना,फाड़ना तो मेरे काम हैं।
नताशा!.... तुम यहां भी?
ये हंटर्स जानती हो यहां पर क्यों आए थे? अपना नया अध्यक्ष चुनने!

और इन्होंने अपना नया लीडर चुन लिया है! और उसका नाम कमांडर नताशा है!
ये क्या बकवास है? लीडर तो मैं हूं!
हा हा हा! तो तुम इनके हाथों से माला पहनने के लिए इतना बेताब हो रही थी कि खुद यहां चली आई नताशा?
नताशा के पास तो मरने की फुर्सत तक नहीं है। सिर्फ मारने की है।
यहां आने से पहले डॉल-बॉल हंटर्स हेडक्वार्टर गई थी स्थिति का जायजा लेने! और ये शक्तिरूपा मंदिर का दरवाजा खुला देखकर वहां भी चली गई!
वहां इसे शक्तिरूपा तो नहीं मिला पर जमीन की एक स्लैब खिसकी मिली। उस भारी पत्थर को उठाना असंभव था?
तो इसने उस पत्थर पर कूद-कूद कर उसे तोड़ दिया! और जानती हो उस पत्थर के नीचे क्या था। वह विचित्र थैला! वही इससे लेने आई हूं मैं।
और इस विचित्र थैले का सामान तो और भी विचित्र है। ये देखो।
इसमें अलग-अलग साइज की मेटल कैप्सूल और बॉक्स हैं! और मेरा इतने सालों का अनुभव कहता है.....
कि ये किसी तरह का बम है!
धड़ाम
देख अनुभव का कमाल! क्या सटीक अंदाज है मेरा! पर एक चीज मुझे अच्छी नहीं लगेगी! तेरी लाश पर से शक्तिरूपा को उतार कर हासिल करना!

एक दूसरे को लाश बनाने की कोशिश कहीं और भी जारी थी!
छनाक
और अब ब्रेकिंग न्यूज़!...
राजनगर के सिटी सेंटर मॉल में अभी-अभी एक भीषण पर विचित्र धमाका हुआ है।
CCTV फुटेज के अनुसार यह धमाका किसी दवाई के कैप्सूल जितने बड़े बम से हुआ था, जिसके परिणाम विनाशकारी थे।
तुझे पूरा विश्वास था इतने वर्षों में तो मैं मर ही गई होऊंगी! और अगर बची दिखी, तो स्तबमों से काम पक्का हो जाएगा!
वे-ये तो स्तबम हैं! तू...तू इनको यहां पर लेकर आई है!! तूने इन जनसंहारी विस्फोटकों का सहारा लेने की सोची भी कैसे? वह भी मात्र मुझे पकड़ने के लिए!....
तेरे इरादों को मैं एकदम सही समझी हूं! शक्तिरूपा यहां पर भेजने वाली तू है! तू इतने वर्षों बाद यहां पर शक्तिरूपा और उसकी शक्ति लेने आई है...
गलत! मैं..मैं स्तबम लेकर नहीं आई। मैं विस्फोटक लेकर नहीं चलती। ये मुझे वायुश्व द्वारा पहुंचाए गए थे!
किसके द्वारा, मुझे नहीं पता!

झूठ! तूने शुरूआत ध्रुव को मारने की कोशिश से की!
फिर शक्तिरूपा ढूंढना! फिर मुझे ढूंढना! और अब ये स्तम्भ!
तुझसे सच्चाई निकलवानी ही पड़ेगी।
धड़ाक
क्रोध अगर देवीना के साथ था।
मुझे सिंधु पर काबू करने में देवीना की सहायता करनी होगी!
धाड़
मुझ पर हमला करना मेरे बाजों पर हमला करना है, देवीना!
तो सिंधु के बाज भी अब तक संभल चुके थे!
और उनके धारदार पंख देवीना को जगह-जगह से काट रहे थे!
ध्रुव की स्टार लाइन दो बाजों की गर्दन पर लिपट गई -

और उन पर होने वाला असर सिंधु पर भी नजर आने लगा!
मॉल में होने वाला ब्लास्ट, सिंधु के बम ने किया है। इसको वहां पर साथ लेकर चलना ही होगा पर कैसे?
देवीना तक इसकी ताकत से पार नहीं जा पा रही है! और मेरी शक्ति और कौशल ...एक मिनट!
'कि अगले वार का क्या रिएक्शन होता है!'
ओफ्ह! ये मामूली वार! तुझे जब तक मारूंगी नहीं तब तक तू मच्छर की तरह कान के आसपास भिनभिनाता रहेगा।
तो क्या मारोगी? बाजों को देवीना के बजाए मुझ पर छोड़ दोगी!
हम्म! ख्याल ...!
जब बाजों की गर्दन दब रही थी तो सिंधु भी विचलित थी। उनके आजाद होते ही ये फिर हावी होने लगी!
यानी ... बाजों की शक्ति से चलती है ये! देखता हूं...
बुरा नहीं है।
धन्यवाद!
धन्यवाद क्यों? मौत...

....देने के लिए!
ये क्या?
तुम्हारे बाज गंदे हो रहे हैं। बदबू आ रही है।
इनको 'रोटेटिंग' ड्रम में साफ करना होगा! घुमा-घुमा कर!
"और साथ ही तुम्हारे दिमाग को भी!
ओफ्! मुझे... चक्कर आ रहे हैं। एक-दो भाई चक्कर काटते तो संभाल लेती पर यहां तो चारों घूम रहे हैं! ओहह!!
तुम्हारा सिर तो इस लड़के ने अभी घुमाया है।
मेरा सिर तो इसके कारनामे देख-देख कर बहुत पहले से घूम रहा है।
ओह!

-और फिर।

देखा? ये तुम्हारी जान बचा रहा है! और तुम इसको मारने आई थी!

ओ! मारना होता तो बहुत पहले मार देती! पर मेरे दिल ने कहा कि ये गलत नहीं कर रहा है।

मैं तो इसको जिंदा अपने साथ ले जाना चाहती थी।

बस धमका रही थी।

गुड! अब तुम दोनों सहेलियों की तरह बातें कर रही हो!

मुझे लगता है कि तुम दोनों ही किसी बड़ी गलतफहमी का शिकार हो!

तुम सही कह रहे हो! किसी ने हमारी दुनिया से शक्तिरूपा को उठाया और उसकी रक्षक होने के कारण मुझे इसका आभास हो गया।

मैंने चोर का पीछा किया! पर मैं उसको उस सुरंग के छोर पर आकर पकड़ पाई जो हमारी दुनिया से यहां तक आती है!

वो बांधवी बहनों में से एक थी! मुझे पता था कि वे किराए की चोर हैं।

यानि किसी ने उनको ये काम दिया था!

पर उसका इतने बड़े काम में भी नजर रखने के लिए साथ न आना इस बात को सिद्ध करता था कि वह कोई शक्तिशाली व्यक्ति था जिसको बांधवी बहनें धोखा देने की सोच भी नहीं सकती थीं।
पर यह बात बांधवी से उगलवाने से पहले ही भूकंप आ गया और मैं पहाड़ की चट्टानों के नीचे दबती चली गई।
वह सारी बातें मुझे अब याद आ रही हैं।
तो वह निश्चित हो गया कि चोर बांधवी बहनें ही थी और तुम उसके साथ नहीं बल्कि उसके पीछे यहां तक आई थी
अब फर्क बस इतना है कि तुम अंजाने में आई और जानबूझ कर इतने सालों तक शायद इस बात की प्रतीक्षा की गई कि तुम कहीं वापस न आ जाओ।
UPTO 50% CASH BACK
जबकि लौटते-लौटते बांधवी ने सुरंग को रत्तबमों से आदेशानुसार सील भी कर दिया था!
फिर जब ये बात षड्यंत्री को याद आई तो उसने वायुश्व के जरिए रत्तबम मुझ तक भेजे!
शायद इस डर से कि कहीं मैं सुरंग बंद देखकर वापस न लौट आऊँ। पर शक्तिरूपा को यहां भेजने में किसका लाभ है?

सिर्फ उसका, जिसका अब स्त्रीभू के एकमात्र शक्तिरूपा पर एकाधिकार है... दूसरे शक्तिरूपा की रक्षक...कौस्तुभा!

हम दोनों ही जब वहां पर नहीं होंगे तो वह सरागी का दाहिना हाथ होगी और अप्रत्यक्ष रूप से उसी का आदेश चलेगा!

तुम सही कह रही हो, देवीना! स्त्रीभू में कौस्तुभा मुझ पर भी हावी होने की कोशिश कर रही थी!

बांधवी बहनों की आत्महत्या की आड़ लेकर!

मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं कभी किसी पुरुष का धन्यवाद करूंगी!

लेकिन मुझे लगता है यह गलतफहमी तुम्हारे कारण ही दूर हुई है, ध्रुव!

तुम्हारे अंदर दूसरों को सही रास्ता दिखाने की अप्रतिम क्षमता है!

और शायद इसीलिए तुम्हारी शक्तियों ने स्त्रीभू में भी खलबली मचा रखी है!

पर... मैं अभी राजनगर को खतरे में छोड़कर कैसे जा सकता हूं?
तुम्हारी शक्ति को शक्तिरूपा क्षीणकर चुका है।
दुबारा भिड़ोगे तो तुम्हारी शक्तियां और घट जाएंगी। उससे तुम नहीं लड़ सकते, मैं लड़ सकती हूं!
और स्त्रीभू से अपनी खोई शक्ति भी पानी है तुमको!
और अगर तुम अभी मेरे साथ नहीं गए तो शायद अपनी शक्तियों को हमेशा के लिए खो दोगे!
ध्रुव ने निर्णय लेने में वक्त नहीं लगाया!
...मैं सारी स्थिति समझ गया।
करीम! फिलहाल मैं कुछ दिनों तक बाहर रहूंगा!
स्थिति संभाल लेना। इसमें सिंधु तुम्हारी मदद करेगी। अपने आप।
सिंधु कौन?
समझ जाओगे!
ध्रुव एक नए सफर पर रवाना हो रहा था...
और उसके वापस आने की कोई गारंटी नहीं थी!
इस सुरंग को फिलहाल बंद करना होगा! सिंधु आएगी तो स्वयं खोल लेगी!
और हमको स्त्रीभू पहुंचने में समय लगेगा! वायुश्व, चोट के कारण अपनी पूर्ण गति पर नहीं चल पाएगा!

और इस दौरान इस बाहरी दुनिया में बहुत कुछ घट जाना तय था!
उम्मीद नहीं थी मुझे कि एक कैप्सूल साइज का बम आधे मॉल को ध्वस्त कर देगा! जल्दी हटाओ मलबा!
कम से कम चंडिका का मरा हाथ ही निकल आए तो शक्तिरूपा तो उतार लें!
तुझे बुरा लग रहा था! तो ले मैं नहीं मरती!
तुझे शक्तिरूपा ने बचा लिया! है न? अब तो यह मुझे चाहिए ही चाहिए!
सपने मत देख! मैं तेरा दिल नहीं तोड़ना चाहती!
तेरी खोपड़ी तोड़ना चाहती हूं!!
धड़

ध्रुव का तो पता नहीं, पर अब ये लड़ाई मेरे और तेरे बीच में है, नताशा!
तू हंटर्स पर कब्जा करने की कोशिश छोड़ दे।
वर्ना तू कोशिश करती रहेगी और मैं तेरे कब्जे ढीले करती रहूंगी!
धाड़
ये तू नहीं, तेरा शक्तिरूपा की शक्ति का दम बोल रहा है, चंडिका!
वर्ना नताशा की पॉवर के सामने तू एक मच्छर से ज्यादा कुछ नहीं है।
यानी तेरी पॉवर, मच्छर मार पॉवर से ज्यादा कुछ नहीं! और चाहिए तुझको शक्तिरूपा!
मैं कह चुकी हूं कि ये ध्रुव की अमानत है और उसी के पास जाएगी!
धाड़
मुझे जाना होगा। वर्ना मैं रत्नमों से भी हाथ धो बैठूंगी!
रोको इसे! और शक्तिरूपा हासिल करो। चाहे इसके लिए तुमको इसकी बांह ही क्यों न काटनी पड़े!
रही है, लीडर! आप जाएं, इस बार मैं इस पर वह वार करूंगा जिससे ये बच नहीं सकेगी!
नताशा समझ रही थी कि वह मुसीबत से दूर जा रही है।-
जबकि मुसीबत उसके पास आ रही थी।

ये जगह तो वही लगती है जहां पर स्तबम का इस्तेमाल किया गया है। रक्षकों के वाहन भी यहीं आ रहे हैं।
पर ..... ये लड़की! इसके कंधे पर तो वही पेटिका है जिसमें स्तबम थे! पर ये रक्षको से बचकर नहीं जा पाएगी!
सिंधु ने एकदम गलत अनुमान लगाया था।
नताशा पूरी तैयारी के साथ आई थी।
ओह! यह किसी उड़न-यंत्र का सहारा ले रही है। रक्षकों से बच गई यह अच्छा ही हुआ!
अब मैं इसका पीछा करके स्तबमों को वापस ले सकती हूं!
बस मुझे इसको पकड़ना होगा!

तेज गति से दूरी तय करती नताशा, हिमालय की बर्फीली चोटियों तक आ चुकी थी।
लेकिन ये उड़ने के लिए किसी अत्यंत तीव्र-गति के यंत्र का प्रयोग कर रही है।
इसको पकड़ना आसान नहीं होगा।
और यहां का शून्य तापमान का वातावरण, हमेशा गर्म क्षेत्र में रही सिंधु की सहन शक्ति से भी बाहर था और उसके बाजों के भी।
ओह! क्या हो रहा है... मुझे? नसों में रक्त जमता लग रहा है! शरीर कांप रहा है ...!
और सिंधु का पीछा करना एकाएक थम गया!
धप
आह!!
तू भी! मैं तो बस बाजों को गिराने के लिए यहां तक लाई थी तुझे!
पर...तू है कौन?
सिंधु का नताशा के शिकंजे में फसंना ....!

चंडिका के लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आया था!

तुम सब अपनी औकात समझ चुके होगे!

अब तुम्हारे नए अध्यक्ष को उसकी सही जगह दिखाने का वक्त है!

ओए, फ्लो ब्लो! सांस भी मत लेना! इस राक्षसी ने मुझे ही तेरा निशाना बना दिया है!

और मैं यहां से निकल नहीं पा रही हूं!

बक ले! तेरी बैंड बजाने को देवीना यहां आएगी जरूर!

पर वो अभी तक आई क्यों नहीं?

चारों तरफ बस चमत्कार हो रहे थे!

तू मुझे उठाएगा! जबरदस्ती करेगा मुझसे?

तेरा तो मैं ऐसा मुंह पोपला करूंगी कि कोई बुढ़िया तक तेरी सूरत से घबरा जाए!

ये कोई ऑलंपिक चैंपियन लगती है, भाई! आऊ!!

गलत लड़की छांट ली हमने!

आदमियों को यह समझने में वक्त लगना था कि स्त्रियां बायोलोजिकल रूप से शक्तिशाली हो रही थीं।

लेकिन शक्तिरूपा यहीं तक सीमित नहीं था! वह दूसरे स्त्री गुणों को भी बढ़ा रहा था! जैसे प्रेम-

क्या हुआ है आज तुमको? इतना प्यार तो तुमने आजतक नहीं दिखाया!

मैंने सोचा है कि आज से ही कुकिंग क्लासेज ज्वाइन कर लूं!

शादी के बाद मैं तुमको खुश और सिर्फ खुश देखना चाहती हूं!

हैं!! कल तक तो शादी पर भी मान नहीं रही थी।

आज चाय न बनाने वाली खाना बनाने को तैयार है। ये हो क्या रहा है, प्रभु?

जैसे करूणा-
तू-तू, मेरे शराब पीने और जुए में हारने पर रोज की तरह नाराज नहीं है!! चल अच्छा है।
अच्छा है न, जी! मैं नाराज क्यों होऊं?
नाराज तो आपको होना चाहिए! और वह भी जुएं और शराब पर!
मुझे पता है आप मुझे मरते दम तक नहीं छोड़ेंगे पर इन लुटेरों को तो छोड़ सकते हैं न?
तूने आज तक ऐसे समझाया ही नहीं। क्या हो गया है आज तुझे! क्या देवी आ गई है आज तुझ पर!
इनको आज से लात मारकर निकाल दूंगा मैं अपनी जिंदगी से!
....और ममता!
हां, न्यूज में शक्तिरूपा जैसा कुछ आ तो रहा था!
पर मॉल को तूने शक्तिरूपा की शक्ति से तोड़ दिया, ये तूने गलत किया!
तुझे हंटर्स पर रोब जमाने के लिए शक्तिरूपा जैसी किसी चीज की जरूरत ही नहीं है।
वो..वो मैंने नहीं मां, नताशा ने तोड़ा है। मैंने कुछ भी नहीं किया!
मुझसे तो शक्तिरूपा भी चंडिका ने छीन लिया!
चंडिका! सुना है वो तो बहुत खूंख्वार है! उससे दूर ही रहना तू!
वो मेरी फ्रेंड है!
आप चंडिका को खूंख्वार मत बनाइए! वह दिल की बहुत अच्छी है।
तू क्यों बिदक रही है। तुझे थोड़ी न कुछ कहा जा रहा है।
और इतनी गर्मी में तू चादर क्यों लपेटे हुए है?
इसे ...अ...धोना है। मैं तो बाथरूम जा रही थी!
धोना है। ये कपड़े धोएगी! बाबा रे। कुछ अजीब सा हो तो रहा है!

ओफ! बाल-बाल बची! पर कब तक छुपाऊंगी शक्तिरूपा को!
ये भईया भी कल से घर नहीं आया! कहां है वह?
श्वेता!
पीटर का फोन था! ध्रुव दो दिनों के लिए बाहर गया है।
बोलो, मां! अभी बिजी हूं!

तब तो पक्का हो गया, चंडिका! अब कम से कम दो दिनों तक तो राजनगर में तुझे ही बेगारी करनी है।
BANK
इधर चंडिका, नताशा के भेजे हंटर्स से, शक्तिरूपा बचाए-बचाए घूम रही थी!

और उधर शक्तिरूपा का प्रभाव, राजनगर की हदों को पार करता हुआ, पूरी दुनिया में फैल रहा था!
दिस इज सरप्राइजिंग! कल क्राइम ग्राफ एकदम कम था! छुट्टी थी क्या?
नो, सर! लेकिन एक अमेजिंग प्वाइंट और है।
क्राइम बाई वीमेन में शार्प इंक्रीज हुआ है। बढ़ गई है!

मीन्स, वीमेन आर गेनिंग पॉवर एंड मेन आर लूजिंग इट! बट व्हाए?

जवाब राजनगर में ही था!
मुझे मिली सूचना के अनुसार शक्तिरूपा के पीछे पड़ी हुई औरत देवीना थी! उसे मैंने जेल की CCTV फुटेज में देखा है। ये कोई और है!
पर मुझे यकीन है कि इसका सीधा संबंध शक्तिरूपा से है। इसका होश में आना बहुत जरूरी है।
ये पिछले 36 घंटो से बेहोश है। हमको इस रेफ्रिजरेशन का तापमान -10 डिग्री से घटाकर 0 डिग्री पर करना चाहिए। शायद उससे काम बने!
ठीक है! पर तब तक हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते!....
ध्रुव तो न जाने कहां लापता है पर इन कुछ घंटो में ही चंडिका ने हमसे जुड़े कई फायदे वाले धंधों का सत्यानाश कर दिया है।
उसके अंदर छिपा योद्धा अब शक्ति पाकर प्रलयंकारी रूप ले रहा है।
मुझे उससे शक्तिरूपा हासिल करना ही होगा!

" पर ये काम रोबो आर्मी के बस का नहीं है! इसके लिए हंटर्स के किसी सुपर ऑपरेटिव का इस्तेमाल करना पड़ेगा!"
और मुझे अच्छी तरह पता है कि चंडिका को काबू में करने के लिए हमला कहां पर करना है...क्योंकि मैं जानती हूं कि...चंडिका वास्तव में कौन है!
क्या हुआ, द्विरूटी! श्वेता नाश्ता नहीं करेगी क्या?
वो तो सो रही है! कल रात पता नहीं कब आई! मैं तो सो गई थी?
उठने दे इसको! आज मैं इसके...!

पुर्जे टाइट करती हूं!

अरे! ये ..ये क्या है? गियर जैसा लगता है!
ये...ये तो पूरे घर में तोड़फोड़ मचा रहा है!

बाहर-बाहर कुछ जरूर है! मैं... मैं देखती हूं!

तुमको मैं पहचानती हूं! हंटर्स के डाटा बेस पर देखा है मैंने तुमको।
तुम... हंटर गियरगर हो! मुझको मारने आए हो? तो फिर इस घर में तोड़ा-फोड़ी क्यों कर रहे हो?
लो मैं आ गई सामने! अब हिम्मत है तो मुझ पर हमला करके दिखाओ!
मैं तो इंजन का कारीगर हूं। गाड़ी दूसरे देते है, ठीक मैं करता हूं।
मुझे तो बस यहां हमला करने को भेजा गया है। शक्तिरूपा लेने को!
शक्तिरूपा! वो यहां कहां है? नताशा पागल हो गई है क्या?

हमारे लीडर का थोड़ा पागल होना जरूरी है। वर्ना हम जैसे पागल हंटर्स को संभालेगा कैसे? और पागल सबसे सही सोचते हैं!
लीडर ने कहा है तो शक्तिरूपा यहीं है। अब या तो तू उसे खुद लेकर आ या फिर मैं ये पूरी दीवार गिराकर खुद अंदर जाऊंगा!
ओफ्!!! अंदर घर में मम्मी और श्वेता है।
और श्वेता लेट सोई है। वैसे भी वह घोड़े बेचकर सोती है। इतने हल्ले के बावजूद भी वह नहीं उठेगी!

ऐ! तू है कौन! रुक जा और नीचे उतर आ!
वर्ना तेरी लाश गिरा दूंगा जमीन पर!
पुलिस वाला होकर सिर्फ डायलॉग मारता है।

देख! मारा कैसे जाता है!
धड़ाक
ऐसे!
ट्विस्टी! कौन है बाहर? क्या हो रहा है?
भड़ाक
मैं देख लूंगी मम्मी! आप जाकर श्वेता को उठाइए!
तब तक मैं इसको देखती हूं!

मान जा गियरगर! तेरी अध्यक्ष नताशा नहीं, मैं हूं मैं हूं अब मठेश!
अच्छा! तू अगर दस सैकंड भी मेरा सामना कर लेती है।

तो मैं मान जाऊंगा...!

...कि तुझमें मठेश बनने के गुण हैं ...
आऊ!

बात है तुझमें। मुझे तो लगा था कि तू टायर उठा भी नहीं पाएगी।
यानी अब तुझे अपना मौत का करतब दिखाना ही पड़ेगा!

अब बचने के लिए तुझे शक्तिरूपा को बाहर लाना ही होगा!

...वर्ना उसको पहनने के लिए...
तेरे हाथ तो रहेंगे नहीं! अब गर्दन बचानी है....!
तो फटाफट शक्तिरूपा का पता बता! क्योंकि तीसरा गियर लग चुका है।
चौथा गियर लगते ही अपनी गाड़ी को मैं खुद कंट्रोल नहीं कर पाता!
फिर हाथ, पैर या गर्दन क्या उड़ेगा...!
अरे! तू तो पूरा उड़ गई!
यह तो मुझे खुद नहीं पता!

लेकिन तू तो पहले से ही उड़ रहा है। ले, मैं तुझे नई ऊंचाईयां छुआती हूं।
धड़ाक
ओ!! आ!! आह!!
तो ये है शक्तिरूपा! मुझे तो लगा कि कोई बड़ा सा, कॉम्पलिकेटेड सा यंत्र होगा।
अब इसके लिए मैं कोई ठेला लेकर तो आया नहीं!
भड़ाक
''इसके लिए तो तेरा हाथ ही लेकर जाना होगा!''

काट कर!
ओ गॉड! ये गियर्स कई अलग-अलग ग्रुप्स में बंटकर मुझ पर अलग-अलग दिशाओं से हमला कर रहे हैं।
और मैं एक ग्रुप के गियर को तोड़कर अलग कर रही हूं तो वह दूसरे ग्रुप में जाकर जुड़ा जा रहा है!
शक्तिरूपा भी इनकी गति को रोक नहीं पा रहा है! और इन सारे ग्रुप का निशाना एक ही है।
मेरा बांया हाथ शक्तिरूपा वाला। जिसे मैंने ध्रुव के लिए सुरक्षित रखा है!
पर ये .... ध्रुव कहां गायब हो गया है?
ध्रुव गायब हुआ नहीं था।
पर इसकी संभावना बहुत अधिक थी। क्योंकि हर सुरंग के छोर पर दिखने वाली रोशनी जीवन का प्रकाश नहीं होती!
ओह कितने दिनों बाद मैं अपनी दुनिया में कदम रखूंगी! मेरे तो रोएं खड़े हो रहे हैं!
तो ये है तुम्हारी दुनिया, बेबीना!
यहां की चिड़ियां गुफा की ठंडक में रहना पसंद नहीं करतीं! बाहर झुंड बनाकर उड़ रही हैं।
हां। भोजन के लिए शिकार की तलाश में होंगी।

शिकार की तलाश में कब, कौन, कहां दुबका रहता है-
इसका पता शिकार बनने के बाद ही चल पाता है!
मार!
भड़ाक
कुछ समझ पाने से पहले ही वे चक्रशूल, वायुश्व की सवारियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते चले गए!
अरे! वहां तो चट्टानों के कटे टुकड़ों के अलावा कुछ नहीं है!
और क्या होगा?
सही समय पर हमला किया हमने। अगर एक पल भी देर होती तो सिंधु के बजाए हमारे छोटे-छोटे टुकड़े वहां बिखरे होते।
बड़ा कड़ा शरीर था सिंधु का! चल अब देखो कि उसके छोटे-छोटे टुकड़े कहां गिरे हैं। शक्तिरूपा भी वहीं कहीं होगा।
बस, एक बार वायुश्व द्वारा उड़ाया गया धूल का ये गुबार बैठ जाए!

हमने पहले ही वायुश्व की पीठ पर चट्टानें रख दी थीं। जो तुमको वायुश्व और हमारे उड़ाए धूल के गुबार में दिखी नहीं।
पर...तूने वायुश्व पर चट्टानें रखी क्यों? तुझे कैसे शक हुआ कि गुफा सुरंग से निकलते ही हमला होगा?
सारे पक्षी, गुफा द्वार से दूर,गर्मी में उड़ रहे थे!
गर्मी में पक्षी गुफा जैसी ठंडी जगह पर आराम करते हैं! स्पष्ट था कि सुरंग द्वार पर खतरा था!
ये-ये तो सिंधु नहीं देवीना है! ये-इतने सालों बाद जिंदा वापस आ गई!!! पर...
इसके साथ कौन है?
ध्रुव! सुना है इससे पहले इसकी शक्ति यहां पर पहुंच चुकी है!
इसके दिमाग की सीधी-सादी सोच! पर तुम दोनों कौन हो?
हम बाहरी दुनिया के इस द्वार के प्रहरी! रानी सरानी के दूत!
वैसे इस लड़के को लाश बनाने ही तो सिंधु बाहरी दुनिया में गई थी! पर इसने तो अपनी मौत की जगह बदल ली।
तू इसे सिंधु से बचाने के लिए यहां ले आई है न, देवीना?

हम्म! मुझे तो यकीन नहीं है कि तेरे सोचने की शक्ति यहां आ गई है।
पर इसका निर्णय तो सरानी ही करेंगी! स्त्रीभू के विधान की शक्ति से हम तुमको बंदी बनाते हैं।
और देवीना तुमको भी! तुम पर शक्तिरूपा को लेकर भागने का आरोप है। यह तुम्हारे लिए स्वर्णिम अवसर होगा कि तुम अपने को निरपराध सिद्ध कर दो!
हमारा प्रतिरोध करोगी तो ये अवसर तुम्हारे हाथों से जाता रहेगा!
तुम्हारा कहना सही है, प्रहरी! मैंने आज तक स्त्रीभू के सभी विधि विधानों का पालन किया है।
मैं अपना पक्ष सरानी देवी के सामने ही रखूंगी! चलो, ध्रुव!
अवश्य चलेंगे! पर पहले यह तो पता कर लें कि सिंधु को यहां आते ही मारने के लिए आदेश इनको किसने दिया था।
ये प्रहरी नहीं, ट्रेंड किलर्स हैं।
क्या बोला? ट...टर्र...
ट्रेंड किलर्स! यानी प्रशिक्षित हत्यारे! अब जवाब दो!
या जान दो!
पहले ये लो!

आह!! इसको तोड़ो वेवीना!
किर्र्र
आह! ये जोराड धातु की चेन है! हीरे जैसी कड़ी! इनको तोड़ना असंभव है!
स्त्रीभू के हथियार भी जोराड धातु से ही बनते हैं! ये अजेय धातु है!
किर्र्र
चिंता मत करो। ज्यादा यंत्रणा नहीं भुगतनी पड़ेगी तुमको।
चक्रशूल कुछ ही घड़ी में तुम्हारे टुकड़े करके तुमको इस बंधन से स्वतंत्र कर देगा!
ओफ्! हम भाग भी नहीं सकते! हम हथियारों से बंध गए हैं।
या हथियार हमसे बंध गए हैं! वेवीना!
समझ गई! जैसे लोहा लोहे को काटता है वैसे ही जोराड जोराड को काटेगा!
बस सतर्क रहना होगा!
एक हल्की सी चूक चेन के बजाए धड़ के टुकड़े कर सकती थी।
ध्रुव कूदो!
भड़ाक
और पलक झपकते चेनों के खिंचाव ने चक्र शूलों को एक दूसरे में ही घुसा दिया।

अब देवीना के कोप से बचने के लिए प्रहरियों के पास कुछ भी नहीं था!
अब मुझे कुछ सवालों के जवाब चाहिए तुम्हें यहां पर सिंधु की हत्या के लिए तैनात करने वाला कौन था?
कौन था वह जिसने सिंधु के अनुसार, वायुश्व को विस्फोटक सहित सिंधु तक भेजा ताकि वह बंद सुरंग को खोल सके!
और उससे भी बड़ा सवाल कि वह कौन था जो शक्तिरूपा लेकर वहां से भागा था और लौटते वक्त सुरंग का बाहरी दुनिया वाला द्वार सील करके वापस चला आया था!
धड़ाक
देवीना के हाथों ने दोनों ग्लेडिएटर प्रहरियों के मुखौटे उतार दिए!
और देवीना को एक तेज झटका लगा?
बांधवी बहनें?
पर सिंधु के अनुसार तो तुम दोनों मर गई थीं!!
मरे हमारे दुश्मन!

यानी ....सिंधु किसी षड्यंत्र का शिकार हुई है। जैसे शायद मैं हुई थी! बताओ क्या है ये षड्यंत्र और किसका है?
जिसका है वह तुम्हारी और मेरी एक-एक बात सुन रहा है!
उसका नाम,लेने से पहले.....!

वह हमारी सांसें बंद कर देगा... अक!

संभलकर, ध्रुव! शायद ये उसी के भेजे लोग हैं जिसने बांधवी बहनों को भेजा था!
हमको वायुश्व पर सवार होकर फिलहाल यहां से भागना होगा.....

लेकिन दोनों में से किसी को यह मौका नहीं मिला!

दोनों के दिमाग अंधेरे में डूबते चले गए।

और जब ध्रुव की आंखें खुलीं।
तो वह गिरफ्त में था!
कौन हो तुम लोग? देवीना कहां है?
देवीना को बाद में देखेंगे! पहले तुम बताओ कि तुम कौन हो?
मैं ध्रुव हूं! सुपर कमांडो ध्रुव!!
वही जिसकी शक्ति ने स्त्रीभू में बवंडर पैदा किया हुआ है!
मुझे इसका आभास नहीं। मैं यहां का नहीं हूं।
तो बाहरी दुनिया से आए हो तुम! पर अगर तुम सच में ध्रुव हो, तो यहां स्त्रीभू में मृत्युदंड तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है!
मात्र सौ पलों में इस यंत्र से विद्युत की तेज धारा गुजरेगी और तुमको लाश में बदल देगी!
ध्रुव के सामने मौत मुंह बाए खड़ी थी।

और यहां अभी यह तय होना बाकी था कि मौत मुंह किधर बाएगी!
इन गियर ग्रुप्स की गति बढ़ रही है! ये शक्तिरूपा की पकड़ को भी घुमाकर खोल ले रहे हैं। इनसे अपना हाथ कटने से बचा पाना असंभव होता जा रहा है!
इनको रोकना है तो कोई ऐसी शक्ति लगानी होगी जिसको ये गियर न तोड़ पाएं न मरोड़ पाएं!
और मैं इनको अपनी मनचाही जगह पर ले जाऊं!
जैसे जल की शक्ति!
स्प्लूशऽऽऽ
शक्तिरूपा ने बड़े नपे-तुले तरीके से, तेजी से अपना निशाना बदलते हुए हर एक गियर ग्रुप को दिशा देनी शुरू कर दी!

जल्दी ही, सारे गियरों के गुच्छे पानी की तेज धार के धक्के से सही जगह पर पंहुच चुके थे।
और अब उनकी गति गियरमैन के पैरों के नीचे की सतह को घुमा रही थी।
गियरमैन के अपने ही हथियार, उसके खिलाफ हो गये थे।
और चंडिका के उस अंतिम वार ने गियरमैन के आत्मविश्वास का 'द एंड' कर दिया।
धड़ाक

और वह खबर उस तक पहुंचते देर नहीं लगी जिसने गियरगर को भेजा था।
हमारा ऑपरेटिव फेल हो गया, मैडम!
मुझे इसी का अंदेशा था! भिरड़ के छत्ते को छेड़ दिया है मैंने!
गियरगर को ध्रुव के घर पर जाकर हमला नहीं करना चाहिए था!
पर ये तो आपका ही आदेश था, मैडम।
जानती हूं! चंडिका के वहां मिलने की संभावना जो थी, और गियरगर को किसने भेजा ये बात चंडिका भी समझ गई होगी!
और अब वो मेरा पता कैसे न कैसे ढूंढ ही निकालेगी! और यहां पर बचेगा सिर्फ मलबा....

धम्म
फोन रखो! ये आवाज कैसी है!

तेरी मौत आई है जो तूने मुझे अपहृत करने की धृष्टता की है! बाहर निकाल मुझे! और मेरे बाजों को गर्मी दे।
अगर इनको कुछ हुआ तो मैं तुझे इसी शीतकक्ष में गाड़ दूंगी!

इस दो इंच के फाइबर ग्लास को तोप का गोला भी तोड़ नहीं सकता!
झगड़े से कुछ नहीं होगा! मामले बातचीत से सुलझाते हैं।
मैं तुमको भी बचा लूंगी और तुम्हारे बाजों को भी!
हाहा! पर तू अपने आप को मेरे हाथों से कैसे बचाएगी? तू जानती भी है कि तूने किसको बंदी बनाकर रखा है?

चल बता,
तू है कौन? और
मेरा पीछा क्यों कर
रही थी?
ये बाज, बम
और शक्तिरूपा
से भी क्या संबंध
है तेरा?
मैं सिंधु हूं! और मेरा
काम तुझ जैसे दुष्ट लोगों
का नाश करना है। इस काम
में मेरे भाई, मेरे बाज मुझे
सहयोग देते हैं।
मैं कहां से आई हूं,
ये जानने की कोशिश न कर,
यही बेहतर है! बस इतना जान ले
कि अगर इस जमीन पर तुझे ये
इमारत देखनी है तो मुझे तुरंत
स्वतंत्र कर दे!
मैं अपना सामान लेकर
वापस चली जाऊंगी! और
तेरी जान भीख में दे
जाऊंगी!
हा हा हा हा !
ओ माई गॉड!
भीख में! हा हा हा
हा हा हा!
सुन सिंधु, मेरा नाम
नताशा है, कमांडर नताशा!
तुम्हारे जैसे पहलवान मेरे
लिए काम करते हैं।
और मैं जानती हूं
कि तुम्हारी और बाजों
की कमजोरी क्या है!
थोड़ा सा तापमान और
नीचे कर दूं...
...तो अंदर से
तुम्हारी लाश ही बाहर
आएगी! इसीलिए ध्यान
से सुनो!
शक्तिरूपा के साथ
चंडिका यहां पर आती ही
होगी। उससे शक्तिरूपा
हासिल कर!
और तब तक तेरे
बाज, तेरे भाई मेरे पास
रहेंगे। इस शीत कक्ष में।
कोई चालाकी की तो
सिर्फ बहन बचेगी!
अब तैयार
रह!
सिंधु के पास अब
कोई चारा नहीं था।

लेकिन परिस्थितियों को बदलने की कोशिश तेजी से जारी थी!
स्त्रीभू में शक्तिरूपा रक्षक कौस्तुभा गहरी सोच में डूबी थी।
मैने पहले ही सरानी महाअध्यक्ष से कहा था कि सिंधु को न भेजें! मुझे तो लगता है कि वह भी बाहर जाकर देवीना से मिल गई है और शक्तिरूपा और अपनी शक्ति के गलत इस्तेमाल से वहां राज कर रही है!!
...क्या झूठ बोलना है उसका?
बांधवी! तू-तू यहां कैसे? तू जीवित है!
तू सच में मंझी हुई अभिनेत्री है.....
क्या अभ्यास कर रही है? जनता के सामने.....
ऐसा आश्चर्य दिखा रही है जैसे तुझे पता ही नहीं था!
दोनों बहनें जीवित हैं। पर इनको यहां लाने वाला कौन है? सामने आ!
मै भी जिंदा हूं! तेरी इच्छा पूरी नहीं हुई न.....?
देवीना! इतने दिनों बाद! तू शक्तिरूपा लेकर आई है न? पर... तू शक्तिरूपा लेकर भागी क्यों थी?

सुन भोली! ध्यान से सुन! क्योंकि अभी जो मैं
कह रही हूं, वही थोड़ी देर में तू खुद दुहराएगी!
मैं भागी नहीं थी। मुझे भगाया गया था! अज्ञात
सूचना मिली थी कि बांथवी बहनें मेरा शक्तिरूपा
चुरा कर भाग रही हैं। उनके मिलने का स्थान भी
बताया गया! इनको मैंने जा तो पकड़ा, पर इन्होंने
सिर्फ शक्तिरूपा चुराया था और तब वह भी इनके
पास नहीं था। इनको यह तक नहीं पता था कि
इनको बेहिसाब धन देकर यह काम करवाने वाला
कौन था! पर इनको यह पता था कि उसको कहां
ले जाया जा रहा था! दरअसल यह मुझे बताना भी
योजनागत था! इनको बांधकर मैं इनके बताए
रास्ते पर बढ़ चली! वह रास्ता एक पहाड़ी गुफा पर
जाता था! गुफा के द्वार पर एक अश्व भी मौजूद था!
शायद जानबूझ कर छोड़ा गया था।
गुफा के अंदर से मेरे शरीर के अंग जैसे
शक्तिरूपा के प्रबल संकेत मिल रहे थे मुझे। मैं
अश्वारूढ़ होकर गुफा में बढ़ चली। अंधेरे के
कारण पता नहीं, लेकिन यात्रा एक दिन से कम
की नहीं थी।

शक्तिरूपा के प्रबल संकेत मुझे बता रहे थे कि अब शक्तिरूपा मेरी पंहुच से दूर नहीं है। तभी मुझे गुफा के छोर पर रोशनी दिखाई दी। मैं गुफा के अंत पर आ गई थी।
बाहर निकलते ही मेरा मस्तिष्क घूम गया! मैं एक पहाड़ी के ऊपर थी! दूर नीचे भूमि और एक मंदिर दिख रहा था। वह संसार जो भी था, स्त्रीभू से एकदम भिन्न था!
ऐसा नीला आकाश मैंने कभी नहीं देखा था! वातावरण भी गर्म नहीं था! हांलाकि सूर्य चमक रहा था!
तभी मैंने एक आकृति देखी जो शक्तिरूपा लेकर नीचे उतर रही थी। वह तू थी!
मैंने तुझे एक छलांग में जा पकड़ा! पलभर मे मैं तेरा खेल समाप्त कर देती। पर तभी भूंकप आ गया। एक चट्टान मेरे सिर से टकराई और मैं होश और स्मृति, दोनों खो बैठी!
पर अब मुझे समझ में आ गया है कि तूने ही जानबूझ कर मेरे पास सूचनाएं भिजवाईं, ताकि मैं तेरा पीछा करूं, इस दूसरी दुनिया में चली जाऊं, शक्तिरूपा की चोरी का आरोप मुझ पर लग जाए।
और तू इकलौती शक्तिरूपा रक्षक बनकर स्त्रीभू की शक्तिशाली नागरिक बन जाए!

तुझे कैसे पता कि पहाड़ी पर शक्तिरूपा लेकर उतरने वाली मैं थी!
तू नहीं तो और कौन होगा? और जब तेरी योजना में सिंधु रोड़ा बनने लगी तो तूने ऐसी ही एक और योजना बनाई और उसे भी भेज दिया?
गजब ईर्ष्यालु और शैतानी मस्तिष्क है तेरा!
बोल लिया? कुछ भी बोल! निर्णय तो सरानी ही करेंगी न! चल उनके पास।
अवश्य चलूंगी! पर फिलहाल मैं तेरे पास तेरी सफाई सुनने नहीं आई हूं! ध्रुव का पता पूछने आई हूं! जिसको तेरे समर्थक अपहृत करके ले गए हैं। वही समर्थक जिन्होंने बांधवी बहनों को भी मारने की चेष्टा की। ताकि तेरा राज, राज ही रहे।
क्या बकवास कर रही है? कैसे समर्थक? और ये ध्रुव कौन है?
ध्रुव वह है जिसकी शक्तियों ने यहां के पुरुषों में बुद्धि का संचार कर दिया है। अब तुम्हारी शक्ति उनको पशुओं की तरह दबा पाने में असमर्थ है। इसीलिए तूने उसे अपहृत करा लिया है।
पर याद रख! अगर ध्रुव को खरोंच भी आई तो तेरे टुकड़े कर दूंगी मैं!
बस! बस!! अब सुन! तू एक भगोड़ी है! और स्त्रीभू की अपराधी है! मैं तुझे बंदी बनाती हूं!
अब समर्पण कर दे और ये बकवास न्यायालय में जाकर कर!

तो तू मुझे बंदी बनाएगी?
तू जानती है कि ये शक्तिरूपा रक्षक का कर्तव्य है!
तो फिर पहले मेरा धन्यवाद ले ले।
धन्यवाद क्यों?
क्योंकि तूने मुझे अपनी सुरक्षा के लिए वार करने का अवसर दिया!
अब सरानी और न्यायालय तुझे चाहे जितनी देर बाद सजा दें, मेरी खुजली तो अभी मिट जाएगी!
धाड़
एक और अपराध जोड़ ले अपनी सूची में! अपराधी होकर विधि के रक्षक पर वार करने का अपराध!
और ये मत भूल कि तू होगी शक्तिरूपा रक्षक, परंतु शक्तिरूपा अभी तेरे पास नहीं है...!
...पर मेरे पास है!
ये लड़ाई बराबर की नहीं थी! लेकिन वो पहाड़ टकराने से पहले कुछ कहां देखते हैं!

या देखते भी हैं तो परवाह नहीं करते!
आ गई चंडिका मेरा मुंड माल पहनने! वह बिल्डिंग के रिटल्ट तोड़ रही है। और अगर दो और खंभे तोड़ दिए तो यह इमारत बैठ जाएगी!
तेरे भाई तो मलबे में मिलेंगे भी नहीं, जा रोक उसे और शक्तिरूपा लेकर आ!
''बस उसे मारना मत! इकलौती सहेली है मेरी वो।''
सुन! समय तो मुझे भी खराब नहीं करना! शक्तिरूपा मुझे दे दे! कई जानें बच जाएंगी!
धड़
तू कौन है? नताशा को भेज! तुझे पीटने में मुझे...
मुझे अपना समय खराब नहीं...
धड़ाक
आह!
और सबसे पहले बचने वाली जान तेरी होगी!

तू कौन है मुझे नहीं पता! और शक्तिरूपा तो मैं तुझे देने से रही! तो तेरा काम यहां खत्म हुआ!
जा जाकर अपनी मालकिन को बोल कि उसने मेरी दोस्त के घर पर हमला किया है तो चंडिका उसके घर को वापस नींव में घुसाने आई है। इसे बचाना है तो वह खुद मेरे सामने आ जाए!
शक्तिरूपा के दम पर इतना मत उड़। मैं इनके बीच में पलकर ही बड़ी हुई हूं।
और इस इमारत में मेरे प्रिय हैं! इसको तोड़ने के पहले मैं तुझे तोड़ दूंगी!
चंडिका,शक्तिरूपा की मोहताज नहीं है। शक्तिरूपा तो मैं तेरी मालकिन को दिखाने के लिए लायी हूं!
इसी के लिए उसने श्वेता के घर पर हमला किया था! अब यही उसकी तबाही का कारण बनेगा।
और शुरुआत तेरी हड्डियों से होगी! देख ले नताशा!...
धड़
...अपने अंत की शुरुआत!
क्या लगता है? ये सिंधु, चंडिका से शक्तिरूपा ला पाएगी?
ला भी सकती है! इसकी शक्ति पर मुझे संदेह नहीं है। पर चंडिका तो चंडिका है।
हम्म! यानी मुझे ही कुछ करना होगा! पर मैं क्या कर सकती हूं?
कमांडर, जेल से ब्लैक कैट की cctv फुटेज हमने हैक भी कर ली है और वह डाउन लोड भी हो गई है।
ओहह!! एकदम समय पर! लाओ,लाओ!

"और मेरे पास तभी तक का समय है जब तक इन दोनों के बीच यह प्रचंड युद्ध जारी रहेगा।"
युद्ध तो सच में प्रचंड था। एक तरफ सिंधु की प्रलयंकारी शारीरिक शक्ति थी तो दूसरी तरफ शक्तिरूपा की आवर्धक शक्ति के साथ श्वेता का जुझारूपन!
दोनों में से कोई भी कदम पीछे हटाने को तैयार नहीं था!
तू शायद जानती नहीं है कि शक्तिरूपा तेरी ही शक्ति को कई गुना आवर्धित कर रहा है। छः महीनों तक चलने वाली तेरी ऊर्जा छः मिनटों में खत्म हो जाएगी। फिर तू एक चूजे से भी कमजोर होगी। अभी भी मान जा!
दो परमशक्तियों का ये युद्ध-

मिनी सुनामी ले आया था! राजनगर का तट छलकने लगा था!
ओफ! इसने मुझे विनाश का मोहरा बना दिया है! इसकी शक्ति से निपटना मजाक नहीं होगा!
पर इतनी शक्तिशाली योद्धा, नताशा के इशारे पर क्यों नाच रही है?
पर इसके लिए पहले इसको वश में करना पड़ेगा! और वह भी जल्दी!
क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि मेरी एनर्जी तेजी से खत्म हो रही है!
फिर या तो इस पार या उस पार!
धड़ाक
मुझे शक्तिरूपा में अपनी पूरी शक्ति झोंकनी होगी!
आह!!हहह! अब तू शक्तिरूपा की असली शक्ति को समझ रही है। वह अनन्त है!

'' पर तेरी शारीरिक शक्ति अंनत नहीं है।
और शक्तिरूपा उसी ऊर्जा पर चलता है।''
आहह!! सिर चकरा रहा है! पर इसको परास्त करने से पहले मुझे एक पल का भी आराम नहीं करना है!
इसके बाद नताशा तक पहुचंने में जो समय लगेगा, उसमें मैं अपने आप को संभाल लूंगी।
CCTV
ये..ये जेल में ब्लैक कैट से शक्तिरूपा उतारने में लगभग कामयाब हो गई थी, जब ब्लैक कैट, ब्लैकआउट हो रही थी!
समझ गई!
कमांडर,चंडिका कमजोर पड़ रही है। लेकिन वह सिंधु को साथ लेकर डूबने के चक्कर में है!
अच्छा है चंडिका को यही समझना चाहिए कि वह जीत रही है।
सिंधु, सुनो! चंडिका को किसी भी तरह पार्किंग के पिलर न. 23 के पास तक ले जाओ!

और एक झटके से हवा में उड़ती कार, पहले से ही अपने होश संभाल रही चंडिका से आ टकराई!

आहह!

सही निशाना!

इधर ही आना है तुझे!

और लगभग उसी पल वह भीषण धमाका हो गया!

चंडिका!

धड़ाम
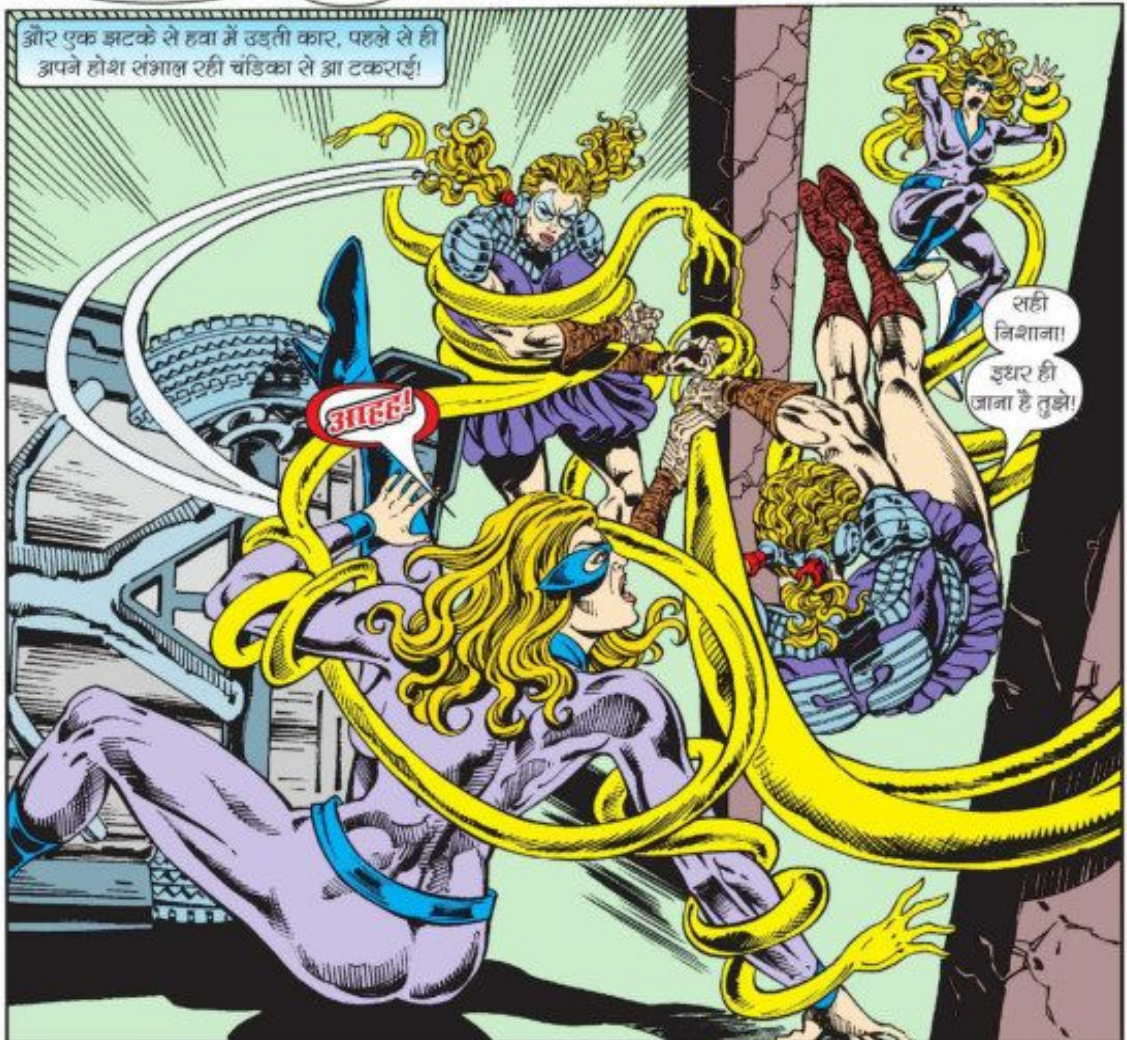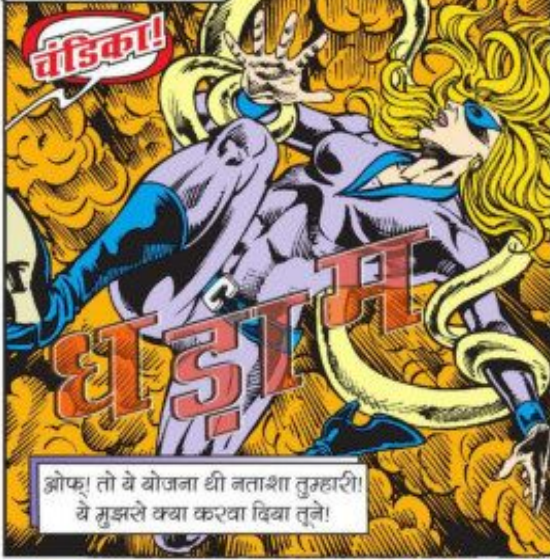
ओफ! तो ये योजना थी नताशा तुम्हारी! ये मुझसे क्या करवा दिया तूने!

घबरा मत! ये धमाके से मरेगी नहीं! शक्तिरूपा इसे बचा लेगा! बस अब ये शक्तिरूपा को....

....संभालने की हालत में नहीं है। मैं इसकी मदद करती हूं?

इसका खून बह रहा है। अगर रोका नहीं गया तो ये बचेगी नहीं। इसको पहले चिकित्सालय पहुंचाओ!

इसको जहां जाना है, ये वहीं जा रही है। तू चाहे तो इसे अस्पताल ले जा सकती है। लौटकर अपने बाज भाईयों को भी ले जाना!
तू...तू मुझे धमका रही है? एक बार मुझे मेरे भाई सही सलामत मिल जाएं तो तेरी खोपड़ी खोल दूंगी!
कहीं उल्टा न हो जाए! अब मेरे पास शक्तिरूपा है। अपनी खोपड़ी संभाल और ठंडी रख! अपने भाईयों को उठा और लौट जा वहीं जहां से आई है।
क्योंकि इस दुनिया पर नताशा का राज शुरू होने वाला है। हा हा हा हा हा हा! शक्तिरूपा नताशा का!
हर पल बहता रक्त, चंडिका को मौत के द्वार की तरफ इंच-इंच करके सरका रहा था।

पर ध्रुव को तिल-तिल मरने की कतई जरूरत नहीं थी! उसका काम तो एक झटके में तमाम हो जाना था।
ये कैसा इंसाफ है, न कोई आरोप, न सुनवाई! सिर्फ सजा! वह भी सीधे मौत की? मैं तो वैसे भी तुम्हारे क्षेत्र का नहीं हूं!
हमने भी देवीना से सुना था! तुम ध्रुव हो! परक्षेत्री! तुम्हारी शक्तियों के बड़े चर्चे हैं स्त्रीभू में! तुम अगर यह सिद्ध कर सको कि तुम ध्रुव हो तो छोड़ दिये जाओगे!
कैसे सिद्ध करूं?
अपनी मौत से बच कर दिखाओ। ध्रुव हो तो जरूर बच जाओगे....
अगर नहीं हो तो सजा पाओगे।
तीव्र-विद्युत प्रवाह से न्याय-मृत्यु की प्रक्रिया शुरू करो!
दो छड़ों का स्पर्श हुआ-

और तारों में करंट दौड़ गया! ध्रुव की चीख के साथ-साथ चिंगारियां भी चमक उठीं!
आईं!!ईई!!ई!
किर्र्र्र
पलभर को अंधेरा छा गया!
वह ध्रुव नहीं निकला!
होता तो कितना अच्छा होता! काश ये बच जाता!
विद्युत पाश द्वारा न्याय-मृत्यु से क्या कोई बचा है कभी? तुम्हारा तरीका ही गलत था!
बहस जारी थी। पर कोई बहस मरे को जिंदा नहीं कर सकती! ध्रुव उस पार जा चुका था, चंडिका का कदम भी मौत की दहलीज पर था और दुनिया खड़ी थी विनाश की कगार पर। क्योंकि शक्तिरूपा और परमाणु से भी खतरनाक विस्फोटकों का जखीरा नताशा के हाथ लग चुका था। ये दुनिया उसकी गुलामी माने या नहीं, दोनों ही तरफ दुनिया को विनाश झेलना था।
क्रमशः मृत्युरूपा...

शक्तिरूपा शृंखला
तृतीय खण्ड

अब तक...
ध्रुव को हन्टर्स के मठ की शक्तिपीठ मन्दिर में मिला शक्तिरूपा और उसको हासिल करने के लिये आ पहुंची एक हंटर डेथकिस। ध्रुव की शक्तियां शक्तिरूपा के स्पर्श से कमजोर हुई और हंटर डेथकिस उसको ले उड़ी। परंतु उससे शक्तिरूपा ले उड़ी घात लगाए हुए ब्लैक कैट ताकि वह इस शक्ति से किला बंद जेल में अपने पिता की हत्यारिन मठानी को मार सके।
इस घटना के दौरान जुपिटर सर्कस की बलवान स्त्री देवीना भी एक वैज्ञानिक संस्थान में होश में आ रही थी। जुपिटर सर्कस की आग में बचकर वह कोमा में चली गई थी और अब उस पर वैज्ञानिक प्रयोग हो रहे थे। वह तुरंत जेल की तरफ रवाना हुई। और इसी वक्त ध्रुव भी ट्विस्टी को उसके माता-पिता से मिलवाने के लिये जेल की तरफ बढ़ा!
जेल में ध्रुव-ब्लैक कैट और देवीना की मुठभेड़ हुई और ध्रुव को देवीना और शक्तिरूपा के संबंध के बारे में पता चला। देवीना इस लोक की नही थी, पर वह अपना अतीत फ़िलहाल भूली हुई थी। ध्रुव ने ब्लैक कैट को भी रोका, परंतु इस मुठभेड़ के दौरान शक्तिरूपा ब्लैक कैट से ट्विस्टी के पास आ गया। और ट्विस्टी ने उसकी मदद से हन्टर्स को अपने काबू में करने की ठानी। लेकिन वार उल्टा पड़ गया और ट्विस्टी की अनुभवहीनता ने उसको खतरे में डाल दिया।
मृत्युरूपा

इसी बीच ट्विस्टी के पास जाते ध्रुव का एक रहस्यमयी शक्तिशाली स्त्री सिंधु से टकराव हुआ। सिंधु धरती के ही एक रहस्यमय गुप्त महाद्वीप स्त्रीभू से आई थी, जो बाहरी दुनिया की आंखों से अदृश्य था और जहां स्त्रियों का राज था। वहां स्थित दो शक्तिरुपा में से एक शक्तिरुपा स्त्रीभू से ही चोरी करके बाहरी दुनिया के शक्तिपीठ मंदिर तक लाया गया था और इसका शक देवीना पर जा रहा था, जो स्त्रीभू की ही वासी थी और उस शक्तिरुपा की रक्षक भी थी।

ध्रुव से मिल कर सिंधु यह राज खोलती है कि बाहरी दुनिया में आने का उसका मुख्य मकसद ध्रुव को मारना था क्योंकि जेल में ब्लैक कैट से लड़ते समय शक्तिरुपा का स्पर्श होने से ध्रुव की शक्ति खिंच कर, स्त्रीभू में रखे दूसरे शक्तिरुपा के माध्यम से स्त्रीभू के पुरुषों में समा गई थी और उन्होंने अनोखे तरीकों से वहां स्त्रियों की सत्ता को चुनौती देना शुरु कर दिया था।

देवीना से ध्रुव के बारे में जानकर सिंधु, ध्रुव और देवीना को स्त्रीभू जाने को कहती है ताकि ध्रुव अपनी शक्तियां वापस ले सके। स्त्रीभू में पहले ही यह बात का रहस्य खलबली मचाये है कि शक्तिरुपा चोरी कैसे हुआ?

सिंधु के ट्विस्टी तक पहुंचने से पहले शक्तिरुपा चंडिका हासिल कर लेती है और नताशा को सिंधु द्वारा अंजाने में लाये गये उन स्त्रीभू के विस्फोटकों से संतोष करना पड़ता है जिसे सिंधु ने शक्तिपीठ मन्दिर में ही छिपा दिया था और जिसे हन्टर्स ने ढूंढ निकाला था।

सिंधु, नताशा का पीछा करती है और नताशा उसे बर्फीले पहाड़ों तक ले जाती है। ठंड न सह पाने की क्षमता के कारण सिंधु और उसके बाज बेहोश हो जाते हैं। नताशा सिंधु को बंदी बना लेती है और चंडिका का रहस्य जानने के कारण श्वेता के घर पर एक हंटर ऑपरेटिव को भेजती है।

क्रुद्ध होकर चंडिका नताशा के अड्डे तक आ पहुंचती है और सिंधु के हाथों घायल होकर शक्तिरुपा खो बैठती है। अब शक्तिरुपा नताशा के पास है और पूरी दुनिया पर खतरा मंडराने लगा है। अब आगे पढ़ें...
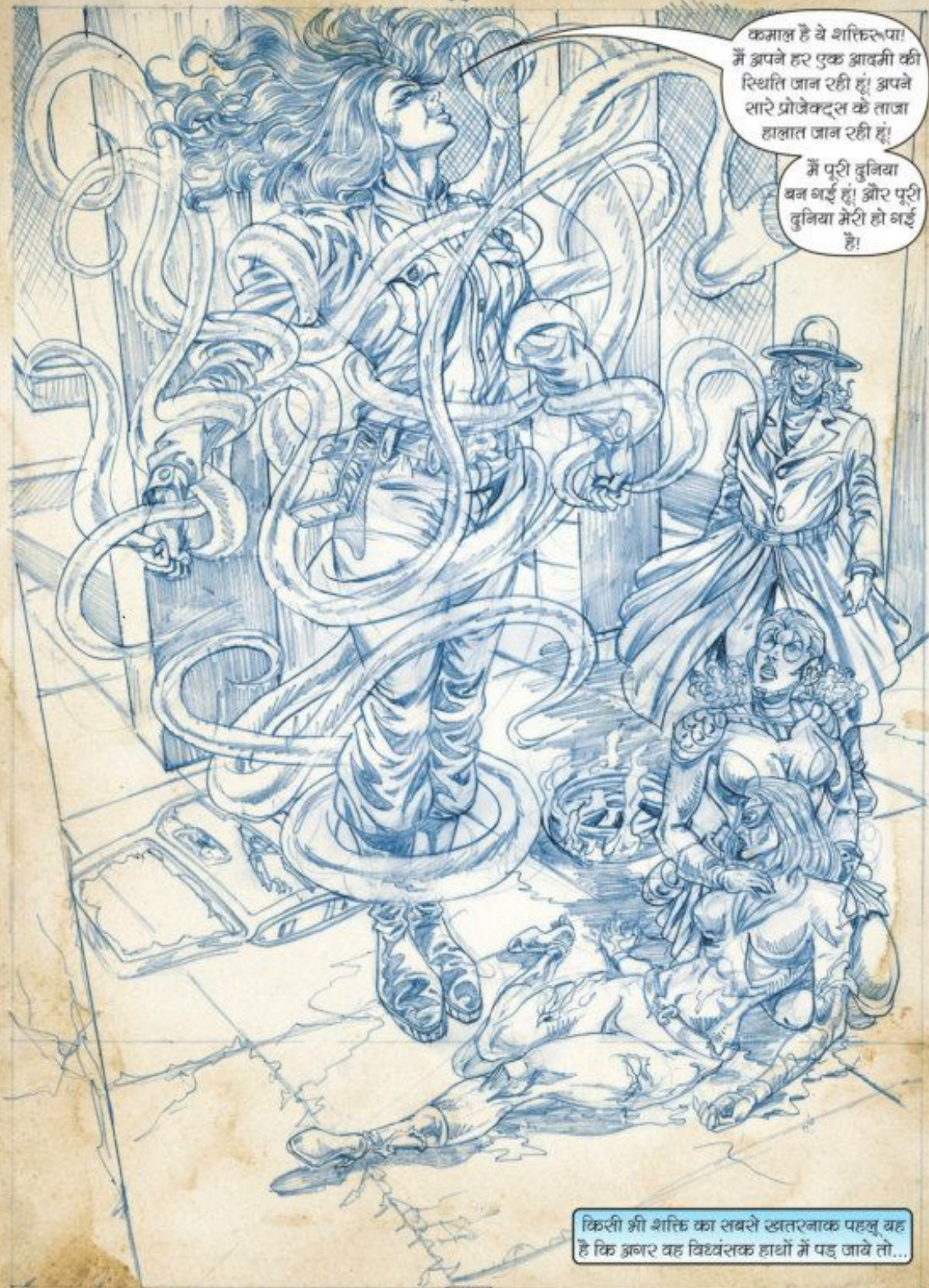
कमाल है ये शक्तिरूपा! मैं अपने हर एक आदमी की स्थिति जान रही हूं! अपने सारे प्रोजेक्ट्स के ताजा हालात जान रही हूं!
मैं पूरी दुनिया बन गई हूं! और पूरी दुनिया मेरी हो गई है!
किसी भी शक्ति का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अगर वह विध्वंसक हाथों में पड़ जाये तो...

तो वह अपनी रचनात्मक क्षमता खो देता है।
पर नताशा का शक्तिरूपा पाना चंडिका के लिये घाटे का सौदा सिद्ध हो रहा था।
चंडिका, संभालो अपने आप को!
चंडिका की घातक चोटें उसको अब तेजी से मौत की तरफ ले जा रही थीं।
ओफ्फ, इसकी नाड़ी तो बहुत धीमी चल रही है।
इसको किसी भी समय...
...दिल का दौरा आ सकता है!
चंडिका! ये तुमको क्या...?
ओफ्फ! इसका शरीर ठंडा हो रहा है! अकड़ने लगा है! इसको दिल का दौरा आया है!
अब ये नहीं बचेगी!
अक्!
एक झटके के साथ चंडिका का शरीर निश्चल हो गया!
चंडिका!
हाहाहा! एक योद्धा को दूसरे योद्धा की मृत्यु का दुःख हो रहा है!
सहेली मेरी और दुखी हो रही है तू?
अभी तो ऐसी बहुत लाशें गिरेंगी।

लेकिन तुझे वहां से क्या?

तू तो शायद कहीं और से आई है न! नींद में वो तू क्या बड़बड़ा रही थी?

स्त्रीभू वापस जाना है, कह रही थी, मैडम!

मेरा देश है। मेरी दुनिया है स्त्रीभू!

अब मुझे वापस स्त्रीभू जाना है! लेकिन शक्तिरूपा और विस्फोटकों को साथ वापस लेकर!

पहले तूने शक्तिरूपा मुझे देने के लिये चंडिका को मार दिया। अब मुझसे शक्तिरूपा वापस मांग रही है। ये कैसी सोच है तेरी!

अभी तो अपने बाज आइयों को विस्फोटकों के साथ लेकर निकल ले। पर तू जाएगी कैसे? कहां है तेरा स्त्रीभू? कितनी दूर?

तुम्हारी पहुंच से बहुत दूर! चाह कर भी तू वहां पहुंच नहीं सकती। ज्वालामुखियों से घिरा है मेरा स्त्रीभू! न वहां से कोई आ सकता है न कोई वहां जा सकता है।

हम्म! पर तू तो आई है। और वो... क्या नाम...

देवीना भी तेरी ही बहन सखी लगती है! वो भी तो आई है। यानी कोई न कोई रास्ता तो जरूर है। पर. ..चल मुझे क्या?

शक्तिरूपा मेरा है। अब या तो अपने बाज और बम लेकर यहां से निकल ले या अपनी जान भी यहां छोड़ जा!

तुझे सोचने के लिये मैं तीन मिनट देती हूं...

''उतनी देर में विक्टर, चंडिका को मछलियों के पेट में पहुंचा कर आ जायेगा! समुद्र के पास रहने का कुछ तो फायदा होना चाहिए!''
विक्टर बॉस, ये तो अभी भी जिन्दा है!
अच्छा है न!
''मछलियों को जिन्दा चारा ज्यादा अच्छा लगता है।''
''और अगर एक से ज्यादा चारे हो तो और भी अच्छा लगता है।''

तुम तो तीन मिनट से पहले ही आ गये विक्टर! काम हो गया? बाकी दोनों आदमी कहां गये?
काम हो गया मैडम! और... बाकी दोनों को भी चंडिका के पीछे-पीछे नजर रखने के लिये मछलियों के पास भेज दिया है!
ध्रुव के लिये कोई गवाह नहीं छूटना चाहिए!
हम्म! ये ख्याल तो मुझे आया ही नहीं!
इसलिए तो तू मेरा दाहिना हाथ है, विक्टर! बिना कहे समझ जाता है!
लो, तीन मिनट भी हो गये।
मैं जाऊंगी! पर शक्तिरूपा लेने कोई न कोई तो आयेगा!
तेरा टाइम अप! बता तेरा फैसला क्या है? जाएगी या भाइयों समेत यहीं दफन होगी चंडिका की तरह!
मैं तुझसे शक्तिरूपा लेने की शक्ति रखती हूं!
परंतु मुझे शक्तिरूपा के स्पर्श की अनुमति नहीं है। क्योंकि उससे जो ऊर्जा पैदा होगी...
उतनी शक्ति को न तो मैं सहन कर पाऊंगी और न ही ये धरा!
और याद रखना, अगर तूने शक्तिरूपा के प्रयोग से इस संसार पर कब्जा करने की कोशिश की या विनाश फैलाने की कोशिश की तो स्त्रीभू के विस्फोटक तेरे चिथड़े उड़ा देंगे।
और उनसे शक्तिरूपा भी तुझे शायद ही बचा पायेगा!

समझ नहीं आया! आपने चंडिका को नहीं छोड़ा, फिर वह तो शक्ति की खान थी। काम की चीज! गुलाम बनाने के बजाय आपने उसको कैसे जाने दिया?

वह जा नहीं रही है, रास्ता दिखा रही है।

उस नई रहस्यमय दुनिया स्त्रीभू का रास्ता, जो कंगाल होने के लिये हमारी राह देख रही है।

बस उसके बाजों पर नजर रखो!

मैडम, ये देखिये। बाज जिस दिशा में जा रहा है..

उधर सिर्फ एक ही जगह है जहां पांच ज्वालामुखी एक साथ स्थित हैं।

गुड! जगह मिल गई!

सिंधु को वापस लाने का इंतजाम करो, विक्टर!

पर उस एरिया पर क्या हो रहा है?

मध्य एशिया का देश हीरान, गुप्त मिसाईल टेस्ट करने जा रहा है।

फिर तो... समस्या सुलझ गई!

''अब स्त्रीभू को अपने जूतों के नीचे रौंदने का समय आ गया है!''
''और मुझे रोकने वाला कोई नहीं है। कोई नहीं!''
ये तो गया! न धड़कन है न सांस!
अगर ये सच में ध्रुव होता तो बच गया होता!
तुझे क्या लगता है कि अगर ये ध्रुव होता तो हमारी मदद करता?
ये अपनी शक्तियां लेता और फुर्र हो जाता!
यहां पर उसे पिटाई के अलावा कुछ नहीं मिला!
और अंत वही होता जो इसका हुआ है!
धड़
फिलहाल तो शुरुआत करनी है, यह जानने की कि तुम कौन हो और मैं कहां हूं?
धाड़
तू तो... मर गया था! मैंने खुद तेरी नाड़ी जांची थी।
योग! तुम यहां जानते नहीं होगे। थोड़ा अभ्यास करोगे तो नाड़ी भी रोक लोगे और सांस भी!
अंत जब आयेगा तब देखेंगे!

पर... तू विद्युत धारा से बच कैसे गया?
ऐसा तो सिर्फ ध्रुव ही कर सकता है!
धाड़
धाड़
धड़
पर सुना है ध्रुव स्त्रियों पर वार नहीं करता! पता नहीं क्यों?
पर अब तो बराबरी का जमाना आ गया है!
मेरे बारे में काफी जानकारी इकट्ठी कर रखी है तुम लोगों ने।
वैसे मैं अपने उसूल नहीं तोड़ता! मुझे पता है कि मैं अभी स्त्रियों पर नहीं...
पुरुषों पर ही वार कर रहा हूं!
ये तो सच में ध्रुव है।
यह बात तो अब तक बिल्लौरी भी भांप नहीं पाई थी।
रुको! यह ध्रुव ही है! हमारी किस्मत साथ दे रही है।
पर... तुम बचे कैसे?
अपने हाथों में लिपटे दोनों केबल को अपनी स्टार लाइन से शॉर्ट सर्किट करके।
हल्का सा झटका लगा, पर ठीक था! बाकी काम योग ने कर दिया।
और तुम ये कैसे समझे कि हम स्त्री के वेश में पुरुष हैं?
हाहा! क्योंकि लंबाई और चौड़ाई के अलावा तुम सबमें सब कुछ एक सा है।
इतनी समानता प्राकृतिक रूप से संभव नहीं है! यानी ये सब नकली है।

पर तुमने मेरा अपहरण क्यों किया?
ऐसे क्यों रहते हो? और मेरे बारे में इतना कैसे जानते हो?
हम तो यह भी नहीं जानते थे कि कोई बाहरी दुनिया जैसी चीज भी है।
पर तुम्हारी शक्ति ने एक दिन में ही पुरुषों को इतनी क्षमता दे दी कि स्त्रीभू की शक्तिशाली स्त्रियां भी हिल गईं!
तब हमें यहां की निर्वाचित रानी सरानी के एक कर्मचारी ने बाहरी दुनिया और तुम्हारी शक्ति के यहां फैलने की सूचना दी।
उसी ने हमको तुम्हारे बारे में विस्तृत जानकारी दी।
दरअसल तुम्हारी बुद्धिशक्ति शक्तिरूपा के जरिए स्त्रीभू आकर हममें समा गई थी।
पर जब हमें अहसास हुआ कि हमारी शक्ति वापस खिंच रही है तो हमने शक्ति खींचने वाले स्त्रोत की दिशा का पता लगाया और उसी ओर बढ़ चले।
हमें अंदाजा था कि शक्ति को खींचने वाला शक्ति देने वाला ही हो सकता है।
हम तुमसे मदद लेना चाहते थे इसलिए हमने तुमको अपहृत कर लिया।
पर तुम मुझसे कैसी मदद चाहते हो? मैं तो खुद यहां के लिये एकदम नया हूं।
स्त्रीभू में पुरुषों की स्थिति एक मजदूर से अधिक नहीं है।
यहां के अधिकतर संयंत्रों की स्वामिनी अक्षया देवी हैं। वह पुरुषों से जानवरों जैसे काम लेती है।
पर समस्या वह नहीं है। वह है यहां की संगठित अपराध की सम्राज्ञी बिल्लौरी जो हमसे अवैध वसूली करती है।
इसलिए हम बागी पुरुष स्त्रीरूप में रहते हैं ताकि उन दोनों की नजर में आए बगैर उनकी शिकायत सरानी तक पहुंचा सकें।
पर अब तक हमारी हर चाल नाकामयाब हुई है। शायद तुम हमारी मदद करके हम पुरुषों को स्त्रीभू में सही स्थान दिला सको।

मैं तुम्हारी बात का यकीन क्यों करूं?

तुमने तो मुझे मारने की कोशिश तक की है।

माना हम तुम्हारी जांच करने में हद से गुजर गए! पर हमारे लिए भी यह जिंदगी और मौत का सवाल था।

पर देखो, हमने सिर्फ तुमको ही अपहृत किया! देवीना को नहीं।

"ठीक है पर पहले मुझे देवीना से मिलना है! उसी से मिलकर यह तय होगा कि तुम सच बोल रहे हो या झूठ!"

"मुझे वापस अपनी दुनिया में जाना है या तुम्हारी मदद करनी है।"

मिसाईल रेडी टू लांच! थ्री...टू... वन...

लांच!

ग्रेट! लांच इज सक्सेसफुल!

पर ये क्या? कोई मिसाइल का पीछा कर रहा है।

ओ गॉड ये तो कोई स्त्री है! और ये किसी रहस्यमय फंदे से मिसाइल को पकड़ने की कोशिश कर रही है!

ये तो रोबो आर्मी की कमांडर है। ग्रैंडमास्टर रोबो की बेटी नताशा!!

नताशा! नाम तो सुना है। पर ये नहीं पता था कि ये उड़ भी सकती है।

पर ये मिसाइल पकड़ेगी क्यों?

अरे! मिसाइल दिशा बदल रही है!! हम ऐसा होने नहीं दे सकते।
वर्ना ये इंटरनेशनल इश्यू बन जाएगा।
किल हर!!
धड़ाम
गोलियों और रॉकेट्स के धमाके ने नताशा को लगभग छुपा लिया।
लेकिन मिसाइल आजाद नहीं हो सकी।

ओफ्! मिसाइल नए कोऑर्डिनेट्स की तरफ बढ़ रही है। इसको कहीं गिरा दो!
हम कमांड दे चुके हैं। पर मिसाइल अब हमारे नियंत्रण में नहीं है। वह चले जा रही है।
LAT·
ALTITUTE:
VECTORS:
WIND SPEED:
यानी ये मिसाइल अब नताशा के नियंत्रण में है।
हमारे रॉकेट भी नताशा का कुछ नहीं बिगाड़ पाए।
''और अब...''
''उसकी बारी है।''
इस खबर को फैलने में सिर्फ कुछ सैकंड लगे।
अमेरिका में-
मि. प्रेसिडेंट! हमने जिस मिडिल ईस्ट कंट्री पर मिसाइल टेस्ट के लिए बैन लगाया था, उसने अभी-अभी एक मिसाइल छोड़ी है।
आप इंटरनेट ऑन करें! उस पर रिकॉर्डेड फीड देखें।
शक्तिरूपा में समाहित सभी गोलियों और रॉकेटों ने कंट्रोल सेंटर को बचने नहीं दिया।

कुछ ही पलों में-
ये लड़की कौन है? यही मिसाइल को कंट्रोल कर रही है।
उन्होंने कोई नया 'ह्यूमन वैपन' बना लिया है।
वी कैन नॉट टेक एनी रिस्क!
क्रूज़ को भेज कर वह पूरा इलाका समतल कर दो। सपाट!
गॉट इट, सर!
क्रूज़ मिसाइल रिलीज्ड सर!
ON TARGET
इट्स ऑन टारगेट!
हैल्लो, मि. प्रेसिडेंट!
ये-ये तो बदनाम रेबो आर्मी की खूंखार कमांडर नताशा है सर!
और इसके पास तो वही क्रूज़ मिसाइल है जो हमने हीरान पर दागी थी!!
इतनी जल्दी कोई हीरान से यहां कैसे पहुंच सकता है?
ये गति सिर्फ मौत के पास होती है, मि. प्रेसिडेंट!
अब कुछ ही पलों में हीरान को वह सबक मिल जाएगा, जो अगले सौ सालों के लिए उनकी अक्ल ठिकाने लगा देगा। क्रूज़ इज़...
ओह! क्रूज़ कहां गया? पलक झपकते ही गायब हो गया।
और बाहर से चीखने की आवाजें क्यों आ रही हैं?
ओ माई गॉड! इट... इट इज़ इम्पॉसिबिल!
प्रेसिडेंट सर! सर, बाहर आकर देखिए!!

हीरान वाले ये बात समझ चुके हैं।
अमेरिका को समझना बाकी है!
क्या चाहती हो तुम?
मांडवाली!
इसका क्या मतलब होता है?
इंडियन स्लैंग है। मतलब सुलह कर लेते हैं। मुझे किसी देश पर कब्जा करने का कोई शौक नहीं है।
मैं एक अपना ग्रुप बना रही हूं। जो मौका आने पर मेरी तरफ से लड़ेगा।
इसमें अमेरिका शामिल हो गया तो पूरी दुनिया तो यूं ही शामिल हो जाएगी। तब पूरी दुनिया हमारी तरफ होगी।
तुम्हारी तरफ से किससे लड़ेगा अमेरिका? क्या हथियार चाहिए तुम्हें?
जो मुझे बचपन से चाहिए थे। प्योर क्रश! न्यूक्लियर वैपन्स!
क्या कहते हैं मि. प्रेसिडेंट?
गुडबाय!
ओह!
हा हा हा! मैं भी कुछ ज्यादा ही आशावान हो गई थी।
ऑप्टिमिस्ट! ठीक है। एक प्रेजेंटेशन देती हूं। सीधा भेजूं तो!
प्रेजेंटेशन।
आह!
धाड़
जूऽऽमऽऽऽ
नताशा को पता ही नहीं चला कि कब उस F-35 ने नताशा को पचास हाथियों के बराबर की टक्कर मारी।

और कब वह नताशा को अपने नुकीले सिरे पर टांगे हुए आकाश की गहराईयों की तरफ बढ़ चला!
वायुमंडल के तीव्र घर्षण ने नताशा के शरीर को सुलगाना शुरू कर दिया!
और फिर 5500 फीट की ऊंचाई पर -52 के तापमान ने उसकी नसों में उबलते रक्त को एकाएक जमाना शुरू कर दिया।
अब नताशा उतनी ही बेबस थी जितनी कभी सिंधु थी।
पर एक फर्क था!
नताशा के पास शक्तिरूपा नाम का कवच था।
और उसमें एक क्रूज मिसाइल अभी तक लिपटी हुई थी।
धड़ाम
अब समय था क्रूज मिसाइल के लिए अपना निशाना ढूंढ लेने का।
एक धमाके से F-35 के परखच्चे उड़ गए।

बचिए मि. प्रेसिडेंट!
ये तो हमारे फाइटर प्लेन के टुकड़े हैं। यानी.....वह शैतान...
धड़ाम
और आकाश से जलती मौत कैपिटल हिल पर बरसने लगी!
"बच गई!"
मुझे मारना असंभव है, मि. प्रेसिडेंट! पर जो तुमने मेरे साथ किया है, वह मैं खुद भी ऐसी किसी चुनौती देने वाले के साथ करती।
चलो! मैं तुमको एक चांस और देती हूं!
एक महायुद्ध होने वाला है! उसमें मुझे तुम्हारी पूरी सैन्य शक्ति पर कन्ट्रोल चाहिए!
तो आज से तुम्हारी नई आर्मी जनरल मैं हूं। बोलो हां, मेरा अपॉइंटमेंट करो और ये किस्सा खत्म करो!
पर हम ही क्यों? दुनिया में US के अलावा और भी तो देश हैं।
तुम वर्ल्ड चैंपियन हो! चैंपियन को हरा दो तो पूरा वर्ल्ड अपने आप तलवे के नीचे आने को तैयार हो जाएगा।
यानी तुमको सिर्फ US की नहीं पूरे वर्ल्ड की सैन्य शक्ति पर कब्जा चाहिए!
ऐसा महायुद्ध करने कौन आ रहा है? एलियन्स? हा हा हा।
तुम्हारी बहनें!
बहुत हो गई बकवास!
ZAP HER!

इSSSSSयाSSSSS!
किर्र्र
आपका आइडिया बढ़िया था, मि. सेक्रेटरी! हमारे विस्फोटक इस पर बेअसर थे!
शायद न्यूक्लियर वार भी इतना असर कारक नहीं होता।
किर्र्र
किर्र्र
मैंने इस पर इंडियन साइंटस से स्टडी कर ली है मि. प्रेसिडेंट!
ये शक्ति इसके शरीर पर लिपटी चमकती कुंडली के कारण है। इसको शक्तिरूपा कहते हैं।
एक बार ये इससे अलग कर दें तो इसकी पॉवर फिनिश हो जाएगी।
वेट! ये पांच सेकंड में अनकॉन्शियस हो जाएगी।
फिर शक्ति... ओ...व्हाटएवर को इससे अलग कर देना! एंड टेक हर इन कस्टडी एज ए टेररिस्ट!

शॉक लगातार लग रहे थे।
नताशा के हाथों से शक्तिरूपा भी जाने वाला था।
किर्र्र्र
किर्र्र्र
और त्रिभु को हराकर संपूर्ण पृथ्वी पर अपना राज कायम करने का उसका सपना भी?
जूऽऽम ऽऽऽ
क्योंकि उसके द्वारा नए कॉर्डिनेट्स पर दागी गई मिसाइल अपने लक्ष्य से भटक गई थी।
अब उसे पांच ज्वालामुखी पार करते हुए चूक कर दस किलोमीटर आगे जाकर समुद्र में गिरना था।
टेस्ट भी फेल हो गया था, और नताशा का प्लान भी!
और अब ध्रुव भी वापस लौटने का रास्ता ढूंढ रहा था।
क्योंकि उसकी सोचने की शक्ति और फुर्ती एवं चपलता, दोनों ही वापस सही समय पर आ गए थे।
यहां मिलेगी देवीना?
ये मुझे दुबारा करना पड़ रहा है।
पर हम छुपकर अंदर क्यों आए हैं और चोरों की तरह आगे क्यों बढ़ रहे हैं दनी?
मुझे सिर्फ इतना पता है कि देवीना को यहीं होना चाहिए। अब वह किस हाल में है, मुझे क्या पता? सावधानी तो रखनी ही चाहिए।
इधर कोई है।
ये आवाज तो...

तुमको पहले जेल से भगाया और अब तुमको दो-दो शक्तिरूपा रक्षकों से बचाना पड़ा!
अबकी बार मैं खुद तुमको अपने हाथों से मार डालूंगी।
ये किससे बात कर रही है। ये तो नहीं दिख रहा! पर...
ये...ये तो वही हैं जिन्होंने हम पर गुफाद्वार के पास हमला किया था। क्या नाम था....
बांधवी बहनें!
पर बांधवी बहनें यहां कैसे?
अब याद आ रहा है कि सिंधु ने भी इनका जिक्र किया था। यानि ये सच्चाई इनको पता है कि ये हो क्या रहा है! इनको पकड़ना होगा।
तुमने ही तो कहा था कि देवीना यहीं है। तो बांधवी बहनें तो उसके आसपास ही थी न!
अ...माफ करना! मारना मत! मैंने तुमसे झूठ कहा था! ये तो हमारी स्वामिनी यानि पूंजीवान अक्षया देवी का महल है।
मैं तुमको यहां लाया ताकि तुम अक्षया को उन शर्तों पर हस्ताक्षर करने को मना सको, जिससे हमारी जिंदगी बेहतर बन सकती है। पर यहां तो...
यहां तो?
यहां तो बांधवी बहनें किसी के साथ बैठी हुई हैं।
यानी अक्षया देवी का ही कोई विश्वासपात्र बांधवी बहनों का इस्तेमाल कर रहा है।

ये मैंने क्यों नहीं सोचा? ओह! सोचने वाली शक्ति तुमने वापस जो ले ली है!
दो पुरुष! और वह भी बिना खिंची खालों के साथ! यहां कैसे घुस आए? सोचने वाली बात है।
बांधवी बहनें! हमारी ही किस्मत तेज है! हम इनको पकड़ सकते हैं।
क्या? जानते नहीं स्त्रियों को पकड़ना पुरुषों के बस की बात नहीं है।
और ये तो शातिर माहिर अपराधी हैं।
तू तो वही है जो देवीना के साथ आया था और हमारे हाथों से बचकर निकल गया था।
तुझे पाकर तो स्वामिनी हमें मालामाल कर देगी।

काश, तुझे जिंदा पकड़ने में ज्यादा फायदा न होता, तो मारने में कितना मजा आता!
उफ!
धड़
आह!
धाड़
इसको तो स्त्रियां उठाकर ले गई थीं। पर अभी ये वैसी ही पोशाक पहने पुरुष के साथ घूम रहा है!
ये अवश्य स्त्रीभू में उपद्रव फैलाने आया है?
इसको पाकर तो बिल्लौरी खुश हो जाएगी।
पर ये भवन तो अक्षया का है न! खरबपति व्यापारी का! फिर हमें तो उसके पास ले जाना चाहिए न!
हम तो उसके भवन में घुसे हैं न?
पर तुम ऐसा करोगी नहीं। क्योंकि तुमने उसके भवन का इस्तेमाल अपने कुकर्मों के लिए किया है। इसलिए अक्षया के पास तुमको हम ले जाएंगे।
वहीं बताना कि यहां तुम्हारे साथ और कौन था।
धड़
...तो ले चल न!
सच में? हा हा हा! तू हमें अक्षया के पास ले जाएगा।
धाड़

ये हमें कभी जिंदा नहीं पकड़ पाएंगे!
धाड़
बहुत अच्छे! यही जोश होना चाहिए!
भड़ाक
धाड़
जोश नहीं! इनके दो वार भी पड़ गए तो हम वैसे ही जिंदा नहीं बचेंगे।
तुम्हारी ईमारतों में तो आग बुझाने वाला सिस्टम भी नहीं है।
न कुल्हाड़ी, न सिलेंडर, न छत पर पानी की पाइप!
धड़ाक
सिस्टम यानी?
तंत्र-तंत्र! आग बुझाने का तंत्र!
है न! भूमि में अग्नि शमन वात यानी कार्बन ऑक्साइड के जेट्स लगे हैं।
वे अपने आप घूमकर आग पर फोकस करते हैं।
आग लगने पर बाहर आकर के कार्बन ऑक्साइड के जेट छोड़ते हैं।
धड़
जैप
गुड! अब बस आऊSSS! ये क्या था? गोली तो नहीं थी।
जैप
ये घात-शीश है! ये शरीर में धंसकर एक ऐसा रसायन छोड़ते हैं जो शरीर को एक पल में सुन्न कर देता है। फटाफट!
ये हमें मारना नहीं बंदी बनाना चाहती हैं।
ओफ्फ! कोई प्रहरी भी इधर नहीं आ रहा है!

अब भागना व्यर्थ है। सीधी चुनौती देनी होगी।
अरे, ये-ये पागल हो गया है क्या!
इसी की शक्ति पाकर पुरुषों ने बवाल मचा दिया था न?
मैं तुमको जिंदा पकड़ने का इरादा त्याग रही हूं!
अरे, भागने का रास्ता ढूंढो, आत्महत्या का नहीं!
ध्रुव, फुर्तीला तो बहुत था।
पर उसने बांधवी बहनों की शक्ति और फुर्ती का कतई गलत अनुमान लगाया था।
तू भी प्राण त्याग दे।
अक!
बांधवी के पास आकर एक गलती ध्रुव ने की थी।
तो ध्रुव को हाथ में पकड़कर दूसरी गलती बांधवी ने की थी।
क्या हुआ तुझे?
ओह! तूने घातशीश को गेंद की तरह लपक लिया था!
और फिर उसी से बांधवी को सुन्न करके बुत बना दिया!!

पर कोई बात नहीं। इसका असर दो सौ पल तक ही रहता है।

ये ठीक हो जाएगी।

लेकिन उसके पहले तुम दोनों इसके जैसी हालत में पहुंच जाओगे!

धाड़

अरे ये क्या किया, ध्रुव? ये तो और क्रोध में आ गई! और ये सतर्क भी हो गई है।

अब क्या करोगे?

फिलहाल तो इन बुलेट कैप्सूलों से बचकर अपने शरीर को सुन्न होने से बचाना है।

आऊSSS! ये क्या है?

जैप

इसे सिग्नल फ्लेयर कहते हैं। पर मैं जरा अलग तरीके से इस्तेमाल करता हूं।

मेरी पोशाक में आग नहीं लगती! जो लगी है, अपने आप बुझ जाएगी।
आह!
ये तुम जानती हो। पर ये बात...
तुम्हारे अग्निशमन यंत्र नहीं जानते!
मुझे बताया गया है कि ये आग के स्रोत को ढूंढकर सीधे उस पर अग्निशमन गैस से वार करता है!
वह अग्निशमन गैस कार्बन डायऑक्साइड ही हो सकती है। और जहां यह गैस हो वहां दम तो घुटेगा ही।

और दम घुटेगा तो हाथ पैर ढीले पड़ेंगे ही।
उफ!
धाड़
बांधवी बहनों को पीट दिया! अविश्वसनीय!
अब हम जाएंगे कहां?
अक्षया को ढूंढने और अब उसे ये बताने कि बांधवी बहनें और इनकी स्वामिनी, इस भवन का गलत प्रयोग कर रही हैं।
अभी तुम्हारे पास सबूत भी है। ये जानकर अक्षया तुम्हारा काम भी कर देगी और मैं वापस जाने के लिए अरे!
ये आवाज कैसी?
ये तो वही आवाज है जो बांधवी बहनों से बात कर रही थी।
आवाज इन कमरों से आ रही है।
इस कमरे में तो अजीब सी मशीनों का पूरा जमावड़ा है। और... और इस कक्ष में तो अक्षया है!
पर उनके सामने...

तो बिल्लौरी है!

यानी...यही बात कर रही थी बांधवी बहनों से।

यानी...तू मेरी शिकायत करने सहायक रक्षकों के पास नहीं गई थी?

तुम...तुमको गलत पता है। मैंने ऐसा नहीं किया!

मेरे मोहरे हर जगह पर फिट हैं, अक्षया! तू और तेरा धंधा अभी तक सुरक्षित है सिर्फ इसलिए क्योंकि तू मुझे हर महीने मोटी रकम देती रही है!

पर तूने इस बात की चुगली करी कि मैंने इस सुरक्षित अट्टालिका में एक आधुनिक यांत्रिकी केंद्र बना रखा है। इसकी सजा तो तुझे देनी ही होगी।

और वह भी इसी यांत्रिकी केंद्र के जरिए!

क्या करोगी तुम?

स्त्रीभू के ऊपर से फिर एक बार उड़न वंड गुजरा है। मुझे देखना है कि अगर वह उड़न वंड यहां गिरता तो तेरे सबसे प्यारे और बड़े संयंत्र का क्या होता?

नहीं बिल्लौरी! उ-उसको तबाह..

नहीं, नहीं, बिल्लौरी। देख मैं दुबारा ऐसा कुछ नहीं करूंगी।
और...तेरे को पहले की तरह 30 प्रतिशत भी...नहीं-नहीं 40 प्रतिशत देती रहूंगी।
देख, कितना प्यार है तुझे अपने धंधे से।
तो सोच, मुझे अपने धंधे से कितना प्यार होगा।
ये व्यापार नहीं, स्त्रीभू से प्यार है, बिल्लौरी! अगर ऐसा किया तो यहां के निवासियों में आतंक फैल जाएगा।
मैंने अग्निदंड को तेरे संयंत्र की तरफ मोड़ दिया है।
चल, आगे के लिए ध्यान रखूंगी। पर अभी तो...
तू पागल हो गई है, बिल्लौरी! वह संयंत्र यहां से मात्र चौथाई योजन दूर है।
मात्र तू! मैं यहां से...आऽऽऽ!
यहां से कोई नहीं जाएगा! तुम तो कतई नहीं, बिल्लौरी।
धाड़
अगर वहां कोई विस्फोटक फटा तो असर यहां तक आएगा। तू भी जीवित नहीं बचेगी।
आहऽऽ! कौन है जिसने आत्महत्या का यह तरीका ढूंढा है।

क...कौन हो तुम?
मैं तो बांधवियों की प्रतीक्षा कर रही थी।
उनको देखा था मैंने दर्शन पटल पर! पर तुम...
आज भी हम आपसे मिलने आए थे अक्षया देवी! अपनी स्थिति सुधरवाने के लिए!
ये ध्रुव है। बाहरी दुनिया से आया है। इसने बांधवी बहनों को मात्र तीन घड़ी में बंदी बना लिया!
बांधवी बहनों को बंदी बनाना मामूली काम नहीं है और एक पुरुष के लिए तो यह असंभव है।
आह!
अक्षया देवी। आप उस मिसाइल को रोकने की कोशिश करिए। उसका रास्ता मोड़िए।
मैं बिल्लौरी को रोके रखूंगा।
ध्रुव!
तेरे बारे में यहां कई अफवाहें फैली हुई हैं।
कुछ उत्साही लोगों ने तो मुझे तक सावधान रहने की सलाह दे डाली!
पर शायद वे ठीक कह रहे थे।

मिसाइल क्या होती है?

उसे अब रोक नहीं सकते! उसको तो अब मोड़ा भी नहीं जा सकता।

मात्र एक घड़ी का समय शेष है।

छनाक

अगर अब तुम सब नर्क में गए तो फिर मुलाकात होगी। वरना अलविदा।

अग्नि दंड।

धड़ाक

ओफ! एक घड़ी समय कितना होता है?

कितना भी हो, पर अग्निदंड यहां गिर रहा है।
मेरे संयंत्र पर जो यहां से पैदल की दूरी पर है! हम भी नहीं बचेंगे।
पांच हजार कर्मचारी हैं हमारे उस संयंत्र में!
वह मिसाइल एक बंद खदान की तरफ बढ़ रही है।
''कवर हटाइए समय कम है।''
''हटा दिया! अब ओह! अग्नि...दंड...अ..मिसाइल खदान में चला गया!
धड़ाम
संयंत्र में क्या बनता है?
बनता नहीं निकलता है। कई खदानें हैं वहां तांबे की! कुछ खदानें बंद भी हो चुकी हैं। और कुछ...
पर...ओ...यानी अब अग्नि दंड भूमि के बहुत नीचे जाकर फटेगा।
और इसका असर जमीन कंपाने तक सीमित रह जाएगा। कमाल है।
एक मिनट! वह खदान बंद है। कैसे बंद है?
उससे टकराते ही फट जाएगी। फिर कोई चिंता नहीं।
क्योंकि चिंता करने के लिए हम ही नहीं बचेंगे।
उसके ऊपर लोहे की दो इंच मोटी चादर का कवर है।
उसको वहां से हटाया जा सकता है।
हां, पर
अक्षया के अनुमान के विपरीत विस्फोट इतना शक्तिशाली था।

कि स्त्रीभू की पूरी राजधानी अजेया को भूकंप की तरह कंपा दे।

हम लड़ते-लड़ते छत तक आ गए हैं। अब तू और भी ऊपर जाना चाहती है तो बता..आह!

ये क्या है?

आह!

धड़

भूकंप होगा! भूल गई पांच ज्वालामुखियों से घिरे हैं हम!

भूकंप तो आते ही रहते हैं।

पता करो इसका केंद्र कहां था।

ये भूकंप नहीं लगता! धरती हिली नहीं, कांपी थी!

कहीं ये काम..हे ईश्वर! हम लड़ते-लड़ते बांधवी बहनों को तो नीचे ही छोड़ आए हैं।

कहीं ये उनका ही काम तो नहीं...! ओफ्! वे यहां पर नहीं हैं। खैर, वे कहां जाएंगी?

और तुम्हारा शक शायद सही है।

यह एक विस्फोट के कारण है। धमाका अक्षया के संयंत्र में हुआ है। मात्र कुछ योजन दूर।

इधर बांधवी बहनें गायब हुईं और उधर वहां से थोड़ी दूर पर ये हादसा हो गया। उनका इससे भी जरूर कोई संबंध है।
वहां पर जरूर कुछ ऐसा हो रहा है जिससे मुझे किसी भयानक षडयंत्र की बू आ रही है।
स्त्रीभू खतरे में लगता है।
अवश्य है! और इसका कारण...
...देवीजा ज्ञात पड़ती है!
इसके बाहरी दुनिया से आते ही यह विपदा पहली बार स्त्रीभू पर आई है।
पर...ये तो मेरे साथ थी। वैसे मैं खुद इसको लेकर देवी सरानी के पास आने ही वाली थी, पर ये मानी नहीं तो थोड़ी जबरदस्ती...
ये यहां आकर सबसे पहले आपसे मिली हैं।
आप स्वयं भी संदेह के घेरे में हैं, देवी कौस्तुभा!

''रानी सरानी ने आपको भी हिरासत में लेने का आदेश दिया है।''
अभिवादन, रानी सरानी! मैं स्वयं आपके पास आ रही थी। पर...
और तुम्हारे आते ही हमला हो गया! और तुम सीधे कौस्तुभा के पास चली गईं! और उस पर हमला कर दिया! क्यों?
और...तुम्हारा शक्तिरूपा कहां है? पर सबसे पहला सवाल कहां थी तुम अब तक?
देवीना पूरी कहानी सुनाती चली गई।
और तुम्हारे आते ही तुम्हारे पीछे-पीछे बाहरी दुनिया का विध्वंसक भी आ गया!
तो तुमको पता नहीं कि शक्तिरूपा कौन ले गया। और तुम्हारे सिर पर किसने वार किया!
सिंधु ने भी बाहरी दुनिया में रुकने का निर्णय लिया है।
स्त्रीभू के विरुद्ध कोई भयंकर षड्यंत्र हो रहा है। और जब तक मुझे असली अपराधी का पता नहीं चलता! शक्तिरूपा मेरे पास रहेगा और तुम दोनों प्रहरियों के पास!
आज से अभी से स्त्रीभू पर आपातकाल लागू होगा! देवीना और कौस्तुभा को बंदी बना लिया जाए।

और सिंधु भी जैसे ही लौटकर आए उसे भी बंदी बना लिया जाए।
अच्छा हुआ तुम वायुवेग से लौट कर मेरे पास आ गए, वायुश्व!
अब तुमको विस्फोटकों के साथ सुरंग में सुरक्षित पहुंचाने के बाद मैं भाइयों के साथ वापस आऊंगी।
गलती कर रहा है तू, विक्टर! भूल मत? अब मेरे बाज भाई तेरे वश में नहीं हैं।
अब मैं हूं, तू है और मेरा प्रहार है।
शक्तिरूपा को नताशा जैसी अपराधी के हाथों में छोड़कर नहीं जा सकती मैं।
बस उसको भरोसा दिलाना होगा कि मैं सच में वापस चली...ओह! यह क्या?
धाड़
हम तुम्हारी सोच से भी तेज हैं।
इसीलिए नताशा ने मुझे पहले ही तुमको लेने भेज दिया है।
मि. अश्व को जहां जाना है, जाने दो। मेरे पास गाड़ी है। और हां, ये बोझा मुझे उठाने दो!
ओफ! मेरे विस्फोटक!!

अब इस बैग को छोड़ दे! वर्ना पहले मेरे बाज तुझे ऊपर ले जाएंगे और फिर तू और ऊपर चला जाएगा!

ये अपने बाजों को बता! तुझे क्या लगता है? कमांडर ने तुझे यूं ही छोड़ दिया है। अरे, वह अपने बाप को ऐसे न छोड़े।

मतलब?

भड़ाक

देखा! तेरे भाईयों के पंखों में कमांडर ने विस्फोटक फिट कर रखे हैं, जो दूर से ही फोड़े जा सकते हैं।

तुझे यकीन दिलाने को मैं एक हल्का धमाका करता हूं।

धप्प

धाड़

ओह! इतना गुस्सा क्यों? तुम्हारा बाज भाई मरा तो नहीं न!

और अब मरेगा भी नहीं! क्योंकि ये गया तेरा सुदूर-नियंत्रक यंत्र।

मेरे पास एक और है। हो हो हो!
तब तो तेरा सारा शरीर तोड़ना पड़ेगा!
न जाने कहां-कहां कितने नियंत्रक छुपाकर रखे हैं तूने! अब भी समय है। जान बचा कर भाग ले।
सॉरी! भाग नहीं सकता। रोबो आर्मी का प्रोटोकॉल है। एक जाएगा तो दो उस पर नजर रखने को जाएंगे। चाहे मैं ही क्यों न होऊं।
ओ देवी! ये तो गल रहा है! पर कैसे?
तू मेरे सारे यंत्र कभी नहीं तोड़ सकती।
और मैं कोई चीज कभी तोड़ता नहीं।
न मानो तो अपना शू देख लो।
विक्टर के पसीने से भी अम्ल निकलता है, इसलिए!
अभी तक मैंने इसकी मात्रा पर कंट्रोल रखा था।

पर अब नहीं।
आऽऽह! इसके वार तो मेरे कवच को पिघला कर मुझ पर असर डाल रहे हैं।
मेरे बाजों का भी यही हाल होगा। अपनी शक्ति कम होने से पहले मुझे इस पर काबू करना होगा!
विक्टर पर काबू पाना असंभव है। इतना एसिड छोडूंगा कि काबू पाने वाला गलकर बह जाएगा!
एसिड से नहला दिया था किसी ने मुझे तब रोबो ने बचाया! तब से बस मेरा पसीना तक एसिड है। किसी को भी गला दे।
तब तो तेरे पसीने से पहले तेरी जान निकलनी चाहिए।
अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग करना पड़ेगा।
और सिंधु का वार अनजाने में उसी पर घातक हो गया।

फ्लीईईईस्स्स!
ये क्या हो गया? इतना तेज दाब का जल!!
पर मेरे भाई मुझे यहां से निकाल लेंगे!
इसलिए तुझसे तेरे होश...
छीनने पड़ेंगे।
आह!
सिंधु बेहोशी में डूबती चली गई।
आऽऽऽस!
ऐसे तो तू आजाद हो जाएगी और मेरी आत्मा को भी आजाद कर देगी।
विक्टर के भाग्य से जबड़ा टूटा।
धड़प

जब तक ये कंधे पर है, तब तक मैं इसके खतरनाक बाज भाइयों से बचा रहूंगा।
फिर रहूंगा मैं बंद गाड़ी के अंदर! इसके भाइयों से कोई खतरा नहीं।
विक्टर पर नजर रखी जा रही थी! बस आज ऑब्जर्वर इंसान न होकर ड्रोन था!
विक्टर ने सिंधु को काबू में कर लिया है। मैडम! और अब वह उसको यहां वापस ला रहा है।
आप सुन रही हैं न, कमांडर?
सुन रहीऽऽऽऽ... हूंऽऽऽ!
ओवर एंड आउट!
किर्र्र
इस पर असर हो रहा है!
अब इसके शरीर पर लिपटा यह पावर सोर्स उतार लो!
मैं उतारती हूं सर!
नहीं! इसके लिए यहां पर मेजर शेलार हैं।
तुम इस खतरे से दूर ही रहो तो अच्छा है। इलेक्ट्रिक जैपर को बंद करो।
किर्र्र

प्रेसिडेंट की पुरुष प्रधान मानसिकता इस स्थिति को अनचाहा मोड़ दे रही थी।
एक मामूली सा लगने वाला निर्णय-
इस दुनिया का इतिहास बदलने वाला था।
मेजर! क्या हुआ तुमको!
न प्रेसिडेंट जानते थे और न ही मेजर शेलार, कि शक्तिरूपा पुरुषों की शक्ति को सोखता है। और-
स्त्रियों की शक्ति में जबरदस्त वृद्धि करता है।
"इसे रोकने की कोशिश करो! मैं अभी विमेन सील्स को बुलाता हूं।"
धड़
ओफ! ये अच्छी फाईटर है।
सेक्रेटरी यूनिस स्त्री थी।
नेट पर इस शक्तिरूपा की डिटेल लेटेस्ट न्यूज है।
इसको अब तक सिर्फ फीमेल्स ने ही पहना है। यह मेल्स को कमजोर करता है।
तो यह पहले क्यों नहीं बताया?
मैं बता रही थी। पर तब तक मेजर शेलार...
और शक्तिरूपा उसकी भी शक्ति बढ़ा रहा था।

और फीमेल नेवी सील्स आ रही हैं। वो भी शोक के भाव!
उम्फ!
धाड़
नताशा को जो करना था जल्दी करना था।
ओफ! तू मि. प्रेसिडेंट की जान लेने की कोशिश कर रही है। हमारे प्रेसिडेंट की!!
तू बचेगी नहीं। नहीं बचेगी!
धड़ धड़ धड़
नताशा कुछ कर पाती इससे पहले ही कई नेवी सील्स उस पर टूट पड़ीं।

मि. प्रेसिडेंट आज़ाद हो गए थे और नताशा के हाथों से धीरे-धीरे शक्तिरूपा की कुंडली भी सरक रही थी और शक्तिरूपा का कंट्रोल भी।
आऽऽऽह! शक्तिरूपा का कंट्रोल अब सिर्फ मेरे पास नहीं रहा! इन सबके पास भी है।
अब क्या कहती हो मिस कमांडर?
मेरे पास सुपर मरीन्स की इलीट फौज है!
अमेरिका के खिलाफ कोई भी आंखें उठाएगा तो सिर्फ सलाखें देखेगा।
अब बस एक चीज देखनी है मुझे! ये शक्तिरूपा न्यूक्लियर धमाका झेल पाएगा या नहीं।
अमेरिकन जनता तो निश्चित रूप से नहीं झेल पाएगी!
क्या मतलब है तेरा?
तुमको क्या लगा, मि. प्रेसिडेंट मैं तुमको मारने के लिए शक्तिरूपा से तुम्हारी स्कल भेद रही थी? नहीं।

मैं तुम्हारी मेमोरी से न्यूक्लियर मिसाइल लॉन्च के कोड्स जान रही थी।

उसी वक्त शक्तिरूपा का दूसरा सिरा जमीन के अंदर से होकर तुम्हारे न्यूक्लियर कोड वाले ब्रीफकेस को चेक कर रहा था।

और अब मैंने वो कोड ओवरराइड करके बदल दिए हैं। न तुम्हारे फिंगरप्रिंट्स की जरूरत पड़ेगी न ही आइरिस के साइज की!

ये..ये झूठ है। ऐसा कोई कर ही नहीं सकता।

और फिर एक कंट्रोल सेंटर जैसे स्थान पर...

यह सच कह रही है, सर।

हम मिसाइल को लांचिंग कोड से एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

तो जाओ! चेक कर लो।

क्या किया है तूने! पर अगर तूने कोड ओवरराइड किए हैं तो हम भी...

उसका मौका नहीं मिलेगा!

पीछे देखो मि. प्रेसीडेंट!

ओ माई गॉड! तुमने लांच कैपेबिलिटी भी हासिल कर ली।
रोको इसे! यह अगर किसी दुश्मन देश पर गिरी तो न्यूक्लियर वार शुरू हो जाएगा।
फ़्रूऽऽश
वह किसी दुश्मन देश पर नहीं।
तुम्हारे ही देश पर गिरेगी, मि. प्रेसिडेंट! न्यूयॉर्क के फिफ्थ एवेन्यू पर!
पर तुम्हारे पास अभी तीन मिनट हैं।
यह तय करने को कि तुम सारे अमेरिकी हथियारों की कमान मेरे हाथों में दे रहे हो या नहीं!
सोचना क्या! मैं... मैं तुम्हारे हाथों में सेना की कमान देता हूं।
पर पहले मिसाइल को रोको।
अपनी एलीट फोर्स से कहो कि शक्तिरूपा मुझे वापस कर दें।

दे दिया! पर पहले मिसाइल को तो रोको।
मिसाइल को रोकने की जरूरत नहीं है। वह री-एंट्री नहीं करेगी। शक्तिरूपा ने फीड कर दिया है। वह अंतरिक्ष में जाकर फट जाएगी।
अब अपने NATO कमांडर्स की मीटिंग बुलाओ! मैं तब तक व्हाइट हाउस में आराम करती हूं!
और उधर राजनगर में!
क्या बात है? ध्रुव नाश्ते पर नहीं आया? रात लेट आया था क्या?
खैर ये तुमको कैसे पता चलेगा!
ध्रुव तो कल से आया ही नहीं।
श्वेता से पूछो! उसको पता होगा।
श्वेता भी कल शाम से ही गायब है।
ट्विस्टी भी न जाने कहां है? श्वेता कम से कम फोन तो कर देती थी। इस बार तो उसका फोन भी नहीं आया।
मेरा तो दिल घबरा रहा है। कहीं वह...
तु...तुम घबराओ मत। अभी अभी हड्डियों की चोट से उबरी हो। मैं पता लगाता हूं!
कमिश्नर राजन नहीं जानते थे कि सिर्फ ध्रुव का आ पाना अनिश्चित है। श्वेता का नहीं आना निश्चित था।

और ट्विस्टी का आ पाना संदिग्ध था।
कमांडर ने फिर से सिचुएशन पर कंट्रोल पा लिया है।
आपका क्या ऑर्डर है डिप्टी कमांडर विक्टर? नंबर टू होने के कारण जब तक मैडम वापस नहीं आतीं, तब तक आपका आदेश ही माना जाएगा न?
ठीक है! अ...सारे बैकअप वापस ले लो! और-
वो नंबर तीन है। नंबर दो...
मैं हूं!
तो अब उनको वापस क्यों बुलाना।
तू...तूने सिंधु को आजाद करा दिया! पर-तू इतनी अंदर कैसे घुस आई?
कोई चालाकी मत करना विक्टर!
सुना है नताशा के काबू में आने पर हमारे अमेरिका सेंटर ने 'डेथ रे वाले ड्रोन' तैनात कर दिए थे।

''उनको यही समझने दो कि नताशा मैडम अभी तक खतरे में हैं।''

फिर्र्र

''और तब तक श्वेता को ढूंढ़कर मेरे हवाले करो। मैं उसी के पीछे पीछे यहां तक आई हूं।''

श्वेता कौन? ध्रुव की बहन? वह यहां क्यों आएगी? उसको किसी ने नहीं देखा!

व्हाट? अरे, रोको इसे! दिखाता नहीं कि मुझे कोई खतरा नहीं है।

सर! ये तो हाई लेजर बीम ड्रोन है! इनको रोका नहीं तो पूरा व्हाईट हाउस तबाह...

कतई नहीं! अगर इसको मारकर दुनिया को बचाने के लिए व्हाईट हाउस को जमींदोज भी होना पड़े तो सौदा सस्ता है!

ये क्या हो रहा है? इधर मौत है, और मैडम बच गई तो उधर से भी मौत पक्की समझो!

तुम कुछ करते क्यों नहीं?

क्या करूं? पर ये यहां तक इतनी आराम से कैसे आ गई?

तुम भूल क्यों रहे हो? इसने बहुत दिनों तक यहां काम किया है।*

* पढ़ें बालचरित श्रृंखला।

ये यहां के सारे रास्ते भी जानती है और हमारे स्टाफ को भी!
आधों को तो पता भी नहीं है कि ये काम छोड़ चुकी है।
नताशा से बोलो ट्विस्टी शक्तिरूपा वापस लेने आई है। अब या तो वो जान देगी या शक्तिरूपा!
डेथ रे से लैस, आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस वाला ड्रोन शक्तिरूपा को बंधन समझ रहा था। क्योंकि नताशा को घेरने वाली वह एकमात्र वस्तु थी।
उसका एकमात्र उद्देश्य शक्तिरूपा को मारना था असफल होने पर नताशा के हाथ मरना था।
किर्र्र
किर्र्र
ओईऽऽऽ आईवा AI पर कभी भरोसा नहीं करूंगी।
पर वह आईवा शायद कभी नहीं आएगा! ये तो मुझे भुला बनाकर ही रहेंगे। इनकी चपलता के आगे शक्तिरूपा भी फेल है!
नताशा के प्रयास फेल भी हो सकते हैं। इसका आभास उसके स्टाफ को हो गया था!
सिंधु ?
ये तो तब है जब आजाद सिंधु चुपचाप तमाशा देख रही है।
अगर वह चालू हो गई तो...
कुछ करो विक्टर!
सिंधु और विक्टर की पल भर के लिए आंखें मिलीं।?

और अगले ही पल, चमत्कार हो गया। पता नहीं विक्टर का कौन-सा दबाव सिंधु पर था-

पर जो भी था, वह सिंधु को विक्टर के इशारे पर नचा रहा था।

उफ!

धाड़

अरे! मैंने तुमको आजाद कराया और तुम मुझको ही-आहह!

और कुछ ही पलों बाद!

ओह, गिरकर टूट गया डेथ रे ड्रोन।

थैंक्स विक्टर! अब बचना मुश्किल हो रहा था!

ओह! ये क्या हो गया ?

आप ठीक तो हैं न, मैडम?

यस, विक्टर! यू आर अमेजिंग!

अगर तुम एक दो सेकेंड भी लेट होते तो मैं शोले का ठाकुर बन जाती। पर ये हुआ कैसे?

ट्विस्टी, श्वेता को ढूंढती यहां घुस आई थी? उसी ने ऑपरेटर्स को ड्रोन को वार करने पर मजबूर किया था! पर अब वह हमारे काबू में है।

और सिंधु?

सिंधु ने ही उसको काबू में किया है।

कहें तो उसको आपकी मदद के लिए भेज दूं?

ये तुम....क्या कह रहे हो?
ऐसा क्या कर दिया तुमने?
अब उसकी दुखती रग मेरे हाथ में है, मैडम!
तुम-तुम कमाल हो विक्टर! अभी किसी की जरूरत नहीं है। उसको वहीं रखो और मेरे मैसेज का इंतजार करो!
श्वेता तो अब किसी को नहीं मिलेगी!
पर ध्रुव अगर कहीं से आ गया तो वह भी श्वेता को ढूंढता मेरे हैडक्वार्टर पर आएगा।
और तब मुझे सिंधु की जरूरत पड़ेगी।
और ध्रुव आएगा ही आएगा।
"चाहे जहां हो!"
ओफ! आपातकाल की घोषणा! बिल्लौरी और इस मिसाइल ने गड़बड़ कर दी! ...लेकिन कोई बात नहीं!
राजधानी में बारूदी हथियार द्वारा हमले के कारण स्त्रीभू में तुरंत प्रभाव से आपातकाल लागू किया जाता है।
एक बाहरी पुरुष के स्त्रीभू में जबरन घुस आने की पुष्टि!
देखते ही घात-किरण मारने के आदेश!
कौस्तुभा एवं देवीना को भी न्यायायिक हिरासत में ले लिया गया है।
तुम मेरे साथ चल कर सरानी को सारी बातें बता देना!
ये मैं भी बता सकती हूं, पर तुमसे पुष्टि होने पर... हे देवी!

ओह! अब मुझे अकेले ही जाना होगा।
तुमको तो देखते ही मारने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।
नहीं! अब तक आप पर भी मेरी सहयोगी होने का ठप्पा लग गया होगा।
बिल्लौरी ने अवश्य मेरे यहां पर होने की सूचना सुरक्षा कर्मियों को दे दी होगी।
अब जल्दी ही सुरक्षाकर्मी यहां पहुंचते होंगे...
लो आ गए!
हे प्रभु! सुनो, मैं तुमको बंदी बनाकर इनके हाथों सौंपने का नाटक करूंगी।
ऐसा करने से तुम्हारी भी जान बच जाएगी और मुझ पर तुम्हारी सहयोगी होने का आरोप नहीं लगेगा।
वे आपको निर्दोष मानेंगे अक्षया देवी, मुझे ऐसा नहीं लगता।
वैसे तो मुझे यहां से तुरंत उसी रास्ते से बाहर निकल जाना चाहिए, जिससे मैं आया हूं।
लेकिन मेरे कारण देवीना मुसीबत में पड़ जाएगी।
मेरे आने और तुरंत मिसाईल गिरने के कारण लगा आपातकाल एक भीषण युद्ध में भी बदल सकता है।
पर वह मिसाईल नामक शस्त्र गिरा नहीं था, दुष्ट बिल्लौरी द्वारा गिराया गया था।
यही बात तो शासक सरानी को बतानी है।
पर इस बात में वजन तभी आएगा जब बिल्लौरी ये बात खुद बोलेगी सरानी के सामने।
बिल्लौरी कहां मिलेगी?

वह चाहेगी तो ही मिलेगी! तुम चाहोगे तो कभी नहीं मिलेगी।
हमने पूरा प्रांगण छान मारा, देवी सरानी!
चूहों के चौदह बिल मिले, लेकिन न अक्षया देवी मिलीं और न ही कोई बाहरी दुनिया का प्राणी!
इन चित्रों पर विश्वास करना बेकार गया! बिल्लौरी ने सूचना हमारे पास भेजकर धोखा दिया है।
ये बाहरी दुनिया वाला जरूर अक्षया देवी को अपहृत करके ले गया है!
अक्षया देवी के संयंत्र के कामगार भी इसमें मिले हुए हैं। बिल्लौरी झूठ क्यों बोलेगी?
बिल्लौरी के विरुद्ध कहां पर शिकायत दर्ज है। यानी....कहां-कहां पर?
कहां...? कहीं नहीं!
उसको हमारे रक्षकों ने देखा है? कभी भी! कोई चित्र है उसका हमारे सुरक्षा तंत्र के पास?
नहीं?
मतलब समझी?
इसका क्या अर्थ है देवी सरानी?
इसका अर्थ अक्षया स्वयं यहां पर आकर बताएगी! जब मैं उसकी अकूत संपत्ति का संपूर्ण धन जब्त कर लूंगी!
अक्षया को ही बिल्लौरी क्यों मिली? हमें क्यूं नहीं?
क्योंकि बिल्लौरी कोई है ही नहीं।
वर्ना हमारी अति कुशल सुरक्षा टुकड़ी उसको अब तक पकड़ने में नाकाम न रहती।

ये बात भी हमको बांधवी बहनों ने ही बताई है।
जो आत्महत्या से बच सकता है। वह क्या नहीं कर सकता! ध्यान रखो!
फिर..बांधवी बहनें किसके इशारे पर काम करती हैं? हम तो यही जानते हैं कि बिल्लौरी उनकी स्वामिनी है!
यानी बिल्लौरी, जो स्त्रीभू के इतिहास की सबसे बड़ी अपराधी है, वह बांधवी बहनों के दिमाग की उपज है?
उनके पास दिमाग कहां? यह अक्षया का दिमाग है?
अक्षया ही बिल्लौरी है। अगर किसी ने बिल्लौरी को देखा है तो उसने अक्षया के किसी गुलाम को बिल्लौरी के वेष में देखा है।
कल अक्षया के संयंत्रों में मजदूरों को साप्ताहिक वेतन बंटेगा।
अगर ऐसा लगता है तो इसका पता लगाना मुश्किल नहीं होगा।
और उसकी मुर्गी बर्बरी, हमेशा की तरह मजदूरों से अपना हिस्सा वसूलेगी!
हमको अक्षया के सबसे बड़े संयंत्र पर नजर रखनी होगी।
बिल्लौरी के सबसे बड़े और विश्वास पात्र साथी वही होंगे, रानी सरानी।

उत्तम है योजना। पर यह एकमात्र अवसर है।
मैं अक्षया के पास अगला वेतन बांटने लायक धन नहीं छोडूंगी।
और हां, उस बाहरी व्यक्ति पर भारी ईनाम घोषित कर दो।
चिंता न करें, सरानी! हम बिल्लौरी के गुर्गों पर कड़ी नजर रखेंगे।
वे स्वयं हमको बिल्लौरी तक पहुंचाएंगे!
अभिवादन! तुम क्यों आई हो, सूचना एवं समाचार आमात्य?
स्त्रीभू की जनता में अग्नि दंड हमले से भय व्याप्त है!
हमारे पास प्रति घड़ी हमारी कार्यवाही जानने के लिए संदेशों की बारिश हो रही है।
उनको जवाब देने की तैयारी हो चुकी है आमात्य!
हमारी स्त्रीभू की जनता सुरक्षित थी, है और रहेगी! अगर कोई असुरक्षित है, तो वे हैं हमलावर!
हमको अभी हाल में ही ज्ञात हुआ है...
कि स्त्रीभू के अलावा एक बाहरी दुनिया और भी है। वे अस्त्र उन्हीं के द्वारा हम पर छोड़ा गया था।
भाग्यवश, यह गहरी खादान में गिरा। वर्ना भयंकर तबाही मचती।

इसका जवाब देना आवश्यक है तुरंत! वर्ना स्त्रीभू तबाह भी हो सकता है।
हम युद्ध की घोषणा करते हैं।
तब तक हम आशा करते हैं कि स्त्रीभू में घुसा बाहरी दुनिया का पुरुष भी हमारे हाथ लग जाएगा।
उस पर ईनाम की राशि अब दुगुनी की जाती है। देवी हमारी रक्षा करें और विजयी बनाएं।
चल तू! मुंह क्यों छिपाए है?
मुंह दिखाओ...
बाहरी दुनिया? युद्ध की घोषणा? ये सब क्या है, बर्बरी।
अरे, हूरी! इधर देख! ये है हमारी पांच साल के बराबर की वसूली!
इधर तान अपनी मृत्यु किरण!
इसका मतलब है कि युद्ध के आपातकाल में हमारी कमाई बंद होने वाली है।
फटाफट इकट्ठा कर अपना हिस्सा! अभी दूसरे संयंत्रों में भी जाना है।
ये तो...वही बाहरी दुनिया का पुरुष है। पकड़ें इसको?
नहीं! हमारे पास मात्र नजर रखने और पीछा करने के आदेश हैं।
पकड़ने के नहीं। अगर गए तो बिल्लौरी हमें देख लेगी और सतर्क हो जाएगी।

समझ में नहीं आया! अगर इस पर ईनाम है तो ये यहां पर मरने क्यों आ गया?
आया तो था तुम्हारी वसूली लेकर भागने ताकि तुम मेरे पीछे आओ और मैं तुमको सुरक्षा कर्मियों तक ले जाऊं!
धाड़
तो फिर फिस्स हो गई न तेरी योजना?
धड़ाक
नहीं, योजना तो वही है! तुमको सुरक्षा कर्मियों तक ले जाना!
लाद कर ले जाऊंगा।
बस, उसका तरीका बदल गया है। अब मैं तुम दोनों को वहां तक...
ध्रुव के प्लान में बस एक गड़बड़ थी।

....दुश्मन दो थे।
किर्र्र
तू हट जा, बर्बरी! मैं देखती हूं इसे!
आऊ! बाल-बाल बच गए मेरे बाल! इधर देखूं या उधर देखूं?
आऊ! अब तो दोनों तरफ अंधेरा ही नजर आ रहा है।
लेकिन...
ओ!
भड़ाक
अब आओ! करो मुझ पर वार!
मैं इन स्त्रियों के वार का ज्यादा देर तक सामना नहीं कर पाऊंगा।
पर यहां हथियार बनाने को कुछ है ही नहीं!
हथियार बनाने को न सही।
ढाल बनाने को तो है!!
तेरी तो!
पागल हो गई है क्या? सारी वसूली इसी पंच में है।
ये उड़ गई तो हमको बिल्लौरी उड़ा देगी।

ढाल काम आ गई। अब ये अस्त्र मेरी तरफ फेंको! वर्ना मैं तुम्हारी सारी वसूली को...
फेंकती हूं, फेंकती हूं! लो, फेंक दिया।
शाबास! अब मुझे बिल्लौरी तक ले चलो! वर्ना।
तुम हमको खाक में बदल दोगे?
तुमको नहीं, इस वसूली यंत्र को! चलो! कोई सवारी है तुम्हारे पास।
वसूली का धन पंद्रह से तीस पलों में मुख्य यंत्र में स्थानांतरित हो जाता है। हो गया है।
अब जैसे इस यंत्र में धन नहीं है, वैसे तेरे शरीर में प्राण नहीं रहेंगे।
धड़ाक
हमारे लिए तो पता नहीं, तुम्हारे लिए काल अवश्य है।
तुम लोग वाहन को 'काल' कहते हो।
हां, मृत्यु की देवी कराली का वाहन 'काल' ही है! वही तुझे ले जाएगा।
लगता है तुझे वसूली...
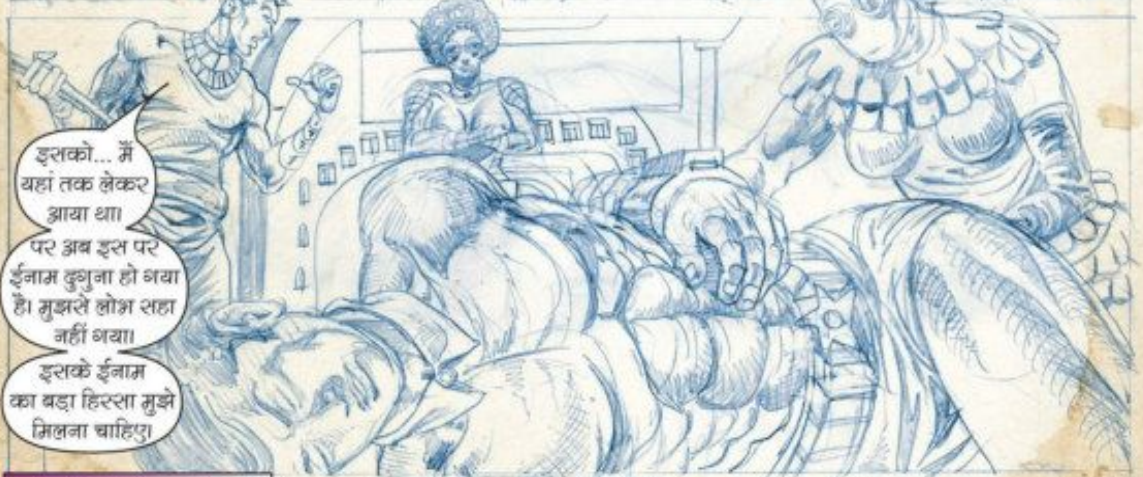
ओफ! अब तो सिर्फ ये किरण गन ही मुझे गिरने से बचा सकती है।
क्योंकि शक्ति में मैं इनके सामने...
धड़
...टिक नहीं सकता।
ये तूने क्या किया, कीड़े?
इसको... मैं यहां तक लेकर आया था।
पर अब इस पर ईनाम दुगुना हो गया है। मुझसे लोभ सहा नहीं गया।
इसके ईनाम का बड़ा हिस्सा मुझे मिलना चाहिए।
''पहले इसको वाहन में रखो। बिल्लौरी इससे पूछताछ करके बहुत खुश होगी।''
ध्रुव, परिस्थितियों का शिकार बन रहा था।

और नताशा परिस्थितियों को अपना शिकार बना रही थी!
जूम्मsss
हमारे नाटो के मित्र देशों के लड़ाकू विमान आ गए हैं।
सभी मित्र देशों को मनाने में मुझे एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा है।
अब बताओ, इनसे करना क्या है? कोई एलियन अटैक होने वाला है क्या?
ये शक्तिरूपा तूने एलियन्स से तो नहीं चुराया!
कहां जाना है अभी बताती हूं। पहले मुझे किसी का इंतजार है।

मेरा प्राइवेट MACH 3 जेट आने वाला है। हर फाइटर को सुप्रीम कमांडर नताशा रोबो का आदेश है कि उस जेट को सुरक्षित आने दिया जाए! उसमें मेरा खास आदमी आ रहा है।
वेलकम, विक्टर! तुम्हारे आए बगैर मैं यहां से आगे नहीं बढ़ सकती थी दस घंटे से तुम्हारा इंतजार कर रही...अरे!
ये सिंधु यहां क्या कर रही है! इसको तो बंधनों में रखना था पर तू इसे यहां ले आया! वो भी खोलकर।
ये मेरे वश में है। अब ये वही करेगी जो हम कहेंगे। मैं इसको ले आया। क्योंकि मुझे लगा कि यहां पर इसकी शक्ति की जरूरत पड़ सकती है।
कैसे आई ये तेरे वश में?
इसमें मैंने डिमिनिश सीरम इंजेक्ट कर दिया है। उसकी एंटीडोट सिर्फ मेरे पास है।
अगर हर पांच घंटे में इसने एंटीडोट न ली तो ये शक्तिहीन हो जाएगी। डिमिनिश सीरम इसकी मसल्स को खा जाएगा।
तूने ये सीरम बनाया कब?
दो साल हो गए। अब बताइए, हमें क्यों बुलाया है!...
न्यूक्लियर मिसाईल के कोड देने हैं तुमको।

ये-ये आप क्या कह रही हैं, मैडम?
मुझे कोड क्यों बता रही हैं?
सिर्फ तुम ही एक हो, जिस पर मैं भरोसा कर सकती हूं विक्टर! सच्चाई तो ये है कि सिंधु सच बोल रही थी। यह शक्तिरूपा मेरी ताकत को तेजी से सोख रहा है।
पर मैं विश्व सम्राज्ञी बनने के अपने आखिरी चरण में हूं। ऐसी विश्व सम्राज्ञी जो पूरी पृथ्वी के साथ एक नए भू-भाग की भी रानी होगी! मैं अपने प्लान को जान के डर से बीच में नहीं छोड़ सकती।
इनको गद्दारी से रोकने के लिए यहां पर किसी का होना और उसके पास न्यूक्लियर मिसाइल कोड होना अति आवश्यक है!
अब सुनो मिसाइल कोड और अपने पास नोट करते जाओ!
विक्टर को बुलाना नताशा का मास्टरस्ट्रोक था। अब वह किसी भी तरह हार नहीं सकती थी।
चलो पांच ज्वालामुखी वाले समुद्री क्षेत्र की तरफ।

स्त्रीभू खतरे में था!
उस बाहरी आदमी के यहां आने के बाद स्त्रीभू में भय का मंजर हो रहा है रानी सरानी!
अफवाहें फैली हैं कि अगर बाहरी दुनिया ने हमला कर दिया तो हमारे पास तो अस्त्र-शस्त्र भी नहीं हैं।
हे देवी! यहां तो वे विज्ञानशास्त्री हैं जिनको स्त्रीभू मृत या लापता मानता है। वे सब...
आमात्य! इस दिन के लिए हम कई दशकों से तैयारी कर रहे हैं।
वे सब विज्ञानशास्त्री स्त्रीभू की सेवा कर रहे हैं। हमारी रक्षा के लिए अद्भुत अस्त्र बना रहे हैं। हमको जीवोहरा के संस्मरण से पता था कि एक बाहरी दुनिया भी है।
अंतरिक्ष है। तारे हैं। सब जानते थे हम और हम यह भी जानते थे कि मठानी सत्यागी ने मरते समय हमको एक श्राप दिया था।
...कि उस मठ का ही कोई वंशज स्त्रीभू के नाश का कारण बनेगा। क्या पता वह बाहरी व्यक्ति मठ से ही आया हो! मेरा अंदाजा तो यही कहता है!
वो तो आज आया है।
पर ये तैयारी तो आप बहुत पहले से कर रही हैं।

...क्योंकि मैंने उड़न यंत्रों की मदद से बाहरी दुनिया पर काफी दिनों से नजर रखी हुई थी। मुझे पता था कि देर-सवेर वे स्त्रीभू को ढूंढ ही लेंगे, और वे किसी न किसी तरह अपनी सत्ता को यहां भी फैलाने की सोचेंगे।
मैं जानती थी कि एक न एक दिन कोई विध्वंसक शस्त्र यहां गिरेगा जरूर और हमको अपनी रक्षा के लिए शक्ति की आवश्यकता होगी। बाहरी दुनिया हमारे बारे में ज्यादा नहीं जानती, आमात्य।
पर हम उनके बारे में काफी कुछ जानते हैं। और यही ज्ञान हमको विजय दिलाएगा। जो जीवोहरा नहीं कर पाई वह उसकी वंशज सरानी करेगी।
वे अभी सिर्फ 2000 योजन दूर हैं। दो घड़ी लगेगी उनको। वे आएंगे तो...।
...पर वापस जाएंगे नहीं। संपूर्ण विश्व पर राज करेगी स्त्रीभू की रानी सरानी।
कुछ ऐसा ही सपना कमांडर नताशा भी देख रही थी।

और ध्रुव को पता नहीं सपने आ भी रहे थे या नहीं।

मेरे पैसे तो दे दो! भाग तो नहीं जाओगी न?

तुम स्त्रियों का कोई भरोसा नहीं है!

तू चुप रह!

अभी अभी सूचना आई है कि बाहरी दुनिया के उड़न यान हमसे मात्र आधी घड़ी की दूरी पर हैं।

और उनका मुकाबला करने के लिए हमारे विमान तैयार हैं।

पक्की सूचना है। रानी सरानी शक्तिरूपा के साथ लड़ेगी। परिणाम तू स्वयं सोच ले!

युद्ध तो होगा। अवश्य होगा।

और हम जीतेंगे।

हम जीतेंगे?

और युद्ध का कारण बनेगा ये जासूस! क्योंकि ये वही बोलेगा, जो हम कहेंगे।

उसके लिए इसकी गर्दन में छेद करके, इसकी ध्वनि पेटिका में यह यंत्र लगाएंगे। फिर ये दुगने-चौगुने दाम का हो जाएगा।

बांधवी के हाथ उठे, पर बेहोश ध्रुव के हाथ ज्यादा तेजी से चले।
अरे! ये तो चुंबकीय कड़े हैं। अत्यंत गुप्त! ये-ये तूने कैसे हासिल किए?
और... तू बेहोश नहीं था? पर तुझे तो इस गुलाम ने मारा था!
या नहीं मारा था?
और बांधवी बहनों के एक-एक हाथों में दो छल्ले आ गए।
तुम्हारे यहां फिल्में नहीं बनती क्या? चलचित्र? खैर छोड़ो, फिल्में देखी होतीं तो समझ जाते कि ऐसी मारपीट करते कैसे हैं?
धाड़
यानी...ये इसकी चाल थी। हमारे इस अड्डे तक आने की चाल!
कोई बात नहीं। हम इसको दुबारा बेहोश कर देंगे।
हमने ऐसे चुंबकीय कड़े बहुत खोले हैं।

देखो लड़ने का समय नहीं है हमारे पास। दो संसारों की किस्मत दांव पर लगी है। हमको बिल्लौरी चाहिए। वही वह युद्ध रोक सकती है।
कैसे?
क्योंकि वही सरानी को बता सकती है कि वह अग्नि अस्त्र उसने जान बूझकर यहां खींचकर गिराया था।
बाहरी दुनिया कोई युद्ध नहीं चाहती। वे तो यहां के बारे में जानते तक नहीं।
हम ये सब नहीं सोचते ! हम बस बिल्लौरी से विद्रोह नहीं कर सकते। उसने एक नहीं सौ बार हमारी जान बचाई है।
पता नहीं उसकी इतनी पहुंच कैसे है, पर वह कभी भी कहीं भी पहुंच जाती है।
वैसे भी, बिल्लौरी से अकेले क्या होगा? उसकी गवाही की पुष्टि के लिए अक्षया देवी भी तो होनी चाहिए न?
कहां है वे...अरे!
इस गुलाम को क्या हो रहा है?
वे तो..
अक्षया है! पर...

यानी...तुम छद्म रूपकवच का प्रयोग कर रही थी। जो किसी के भी रूप को मनचाहे रूप में बदल देता है। पर. ..इसे तो अवैध घोषित किया गया था।
ये...ये तुमको कैसे मिला?
ये दो थे। इसे मैंने ही बनाया था! पर बिल्लौरी एक उठा ले गई थी। मैंने इसके चोरी होने की शिकायत भी कराई थी।
वह छद्म रूप कवच तो मिल गया था पर शासन ने उसे अपने विज्ञान संग्रहालय में रखकर उसको अवैध घोषित कर दिया। पर मुझे तो इसका प्रयोग करना ही था।
वर्ना सरानी से मिलने से पहले ही रक्षक मुझे कारागृह पहुंचा देंगे।
यानी, ये चुंबक को भी तुम ही लाई हो। क्योंकि ये भी तुम्हारे ही संयंत्र में बनते हैं।
आओ बहन! बिल्लौरी के नमक का ऋण चुका दें! अक्षया नाम का शिकार हाथ से जाने न पाए।
फिलहाल शिकार तुम दोनों हो, बांधवियो! ये चुंबकीय कड़े झटका भी देते हैं और मैंने अगर इनकी विद्युत तीव्रता बढ़ाई तो तुम दोनों खाक में भी बदल सकती हो।
इसलिए...

मैं समझ गई! तुम दोनों के बारे में काफी कुछ जानती हूं! तुम दोनों किसी धमकी से मुंह नहीं खोलोगे!
तुम नहीं बताओगी कि इस वक्त बिल्लौरी कहां है! इसलिए मुझे ये 'सत्यपत्र' तुम पर आजमाना पड़ेगा...
जानती हो इसके बारे में?
जानती हूं! ये अर्क हमको सत्य बताने पर विवश कर देगा? मात्र दस पल में! आऽऽह!!
मस्तिष्क तेज़ है तुम्हारा! अब सिर्फ दस पल की प्रतीक्षा करनी है!
और वह पूरा होने से पहले तुम्हारे शरीर में धड़कन नहीं बचेगी!
धड़
आऽऽऽ! गजब की शक्ति है इनमें! ये सुदूर नियंत्रक लेना चाहती हैं। आऽऽह! पकड़ो यंत्र को ध्रुव!
बांधवी, शक्तिशाली अवश्य थी, पर कलाकारी में ध्रुव की बराबरी नहीं कर सकती थी।

ध्रुव का हाथ पहले दूर नियंत्रक पर कसा।

और-

किर्र्र

लेकिन बांधवी का इरादा कुछ और ही था। उसकी ऊंगलियां, कंट्रोल से लिपटीं!

अक्षया! देखो इनको क्या हुआ!

अगर इनको कुछ हो गया तो हम बिल्लौरी तक नहीं पहुंच...

हे देवी मां!

क्या हुआ?

ये जानती थीं कि ये न सच बोलने से रुक पाएंगी और न स्वतंत्र हो पाएंगी।

इसलिए इन्होंने कड़ों को विद्युत प्रवाह को 'महत्तम स्तर' पर कर दिया था।

अगर मैं समय पर नियंत्रण सही न करती तो ये जलकर भस्म हो जातीं।

पर अब ये न जाने कब होश में आएंगी।

अब हमको बिल्लौरी के मुख्य ठिकाने का पता कभी नहीं चलेगा। क्योंकि अब तो स्त्रीभू को श्मशान बनने में...

...देर नहीं लगेगी। ज्वालामुखी के ऊपर लगे संकेतक बता रहे हैं कि अब वे मात्र पचास योजन की दूरी पर हैं।
हम आपके बताए कोऑर्डिनेट्स पर पहुंच चुके हैं और हमारे सामने कुछ अज्ञात उड़न वस्तुएं हमारा रास्ता रोके हुए हैं।
अच्छा है! हमको अपनी ताकत दिखाने का मौका मिला है। फायर मिसाइल्स ऑन देम!
सूर्य की किरणों को उस उड़न यंत्र ने लेजर की तरह केंद्रित किया।
ओह गॉड! ये तो चुनौती है। अब मैं बरसाऊंगी मौत!
नताशा, स्त्रीभू की धरती पर कभी भी रॉकेट और मिसाइलों की बारिश कर सकती थी।

और स्त्रीभू को इसी खतरे से बचाने के प्रयास में था ध्रुव!
बिल्लौरी का पता कैसे चलेगा?
षड्यंत्र, अनुमान से अधिक गहरा है। अवश्य ही बिल्लौरी इस उथल-पुथल में सरानी को हटाकर तानाशाह शासक बनना चाह रही है।
एक मिनट! बिल्लौरी को मैंने आखिरी बार तुम्हारे भवन में देखा है! वह उस यंत्र से उड़कर कितनी दूर जा सकती थी।
तीन या चार योजन के बीच में।
यानी हम यहां थे। यह रहा साढ़े तीन योजन का दायरा।
बिल्लौरी को इस दिशा में जाते देखा था मैंने।
अब बताओ! यहां क्या है?
यहां तो खाली मैदान है। क्योंकि मुझे...देवी मां?
क्योंकि यहां निर्वाचित शासक यानी वर्तमान में सरानी का महल है।
यानी...बिल्लौरी सरानी के महल में गई है।

इस वक्त तो सरानी के आवास में कड़ा पहरा होगा। हम अंदर जाएंगे कैसे?
ऐसे! और तुम मेरे...
आप तो बहुत जल्दी वापस आ गईं, अध्यक्षा।
यह हाथ आ गया न! बाहरी दुनिया का जासूस।
यह स्त्रीभू की सिक्योरिटी बनेगा। बाहरी दुनिया का हमला रोकने में काम आएगा।
अब हम कहां जाएंगे? कैसे ढूंढेंगे बिल्लौरी को?
इसीलिए पहले हम संग्रह तक जाकर तुम्हारे लिए रूप परिवर्तक लेंगे। सरानी ने उसे यहीं रखा हुआ है।
फटाफट पहनो इसे! अब तुम जैसा सोचोगे, वैसा रूप तुम्हारे रूप को ढक लेगा!
ये यंत्र मस्तिष्क से जुड़कर कल्पना को साकार कर देता है। प्रक्षेपण से!

अब तुम किसी प्रहरी का रूप रख लो तो हम महल में आराम से घूमकर बिल्लौरी को ढूंढ लेंगे!
कुछ हो नहीं रहा है! शायद मुझे इसे चलाना नहीं आ रहा है!
इसको चलाना नहीं पड़ता!
कुछ और बात है। यह शायद रखे-रखे बेकार हो गया है।
पर, अक्षया एक...
रानी सरानी।
आपका शक्तिरूपा कहां गया?
'शक्तिरूपा की रक्षक कौस्तुभा वापस ले गई क्या? पर वो तो महल के कारागृह में है।
देवीना के साथ। इस बाहरी दुनिया वाले को वहीं ले जा रही हैं क्या?
ऊं...हां-हां! बिल्लौरी तुमको महल में नहीं दिखी।
युद्ध के लिए जब चलना हो, तब बता...अरे!
अगर वे सरानी हैं तो ये कौन हैं?
बिल्लौरी? आप ही तो कहती हैं कि बिल्लौरी, अक्षया का बनाया हुआ काल्पनिक प्राणी है। और अब आप ही? मैं...मैं चलती हूं...!

ओ! शिकार खुद चलकर व्याघ्र के जाल में आ गया वाह!
और..तू तो अक्षया ही होगी। ऐसा बस तू ही कर सकती है। पर तू बाहरी दुनिया वालों से मिल गई है। अब देख।
तेरी आंखों के सामने ही मैं इसको मारूंगी और इसका सजीव नजारा देखेगा पूरा स्त्रीभू! भूस्वामिभक्ति जागेगी। लगाओ प्रसारण यंत्र!
आप...आप गलत समझ रही हैं! हम तो आपको बिल्लौरी से सावधान करने आए थे।
बिल्लौरी तो तू ही है। आज यह सच भी स्त्रीभू को बता दूंगी!

सरानी के निवास में प्रसारण की स्थायी व्यवस्था मौजूद थी।

कमाल कर दिया रानी सरानी ने!

इसकी मौत हमारे सिरों पर मंडराते बाहरी दुनिया वालों के लिए बड़ा सबक होगी।

इसको तो तड़पा तड़पाकर मारना चाहिए!

सच्चाई कोई सुनना नहीं चाह रहा था। सरानी भी नहीं।

ठहरो सरानी! हम आपको एक कड़वा सत्य बताने यहां आए हैं। यह सब बिल्लौरी का किया धरा है।

मैं और ये बाहरी ध्रुव इसके गवाह हैं। उसने जानबूझ कर आग्नेयास्त्र को खींचकर यहां गिराया है। ध्रुव को छोड़ दो और युद्ध का विचार भी!

किया!!!! की

ये तो...!

सिंधु का भाई है। पक्षी की बोली यहां कौन समझेगा?

यह बता रहा है कि बाहरी दुनिया की फौजों को एक अपराधी नताशा ने शक्तिरूपा के बल पर बंधक बना लिया है।

यह आक्रमण बाहरी दुनिया का नहीं, नताशा का है।

और उसको सिर्फ मैं ही रोक-

आऊ SSS!

भड़ाक

नताशा को रोक पाना अब उतना ही असंभव था, जितना एक बढ़ते तूफान को रोकना।
मजाक मान लिया है हमको इन्होंने। इतने इंतजार के बाद भी कोई सामना करने नहीं आ रहा है। मेरी शक्ति घट रही है।
नीचे कुछ नजर ही नहीं आ रहा है, मैडम? आप सही जगह पर लाई भी हैं हमें या-
जगह सही है! एक मिसाइल दागो। कोई न कोई जरूर अपने आप बिलबिला कर आएगा।
सरानी गलत समय पर गलत आदमी से उलझ गई थी।
पहले मेरी बात पर विश्वास करो। यह तुम्हारे यहां का कोई षड्यंत्र है। जिसमें बिल्लौरी और बांधवी बहनें भी शामिल हैं।
बिल्लौरी न सही पर बांधवी बहनें हमारी गिरफ्त में हैं। अक्षया के महल से उनको बुलाओ। वे सच बता देंगी कि बिल्लौरी है और यह उसी का षड्यंत्र है।
पर... यह क्या!
सरानी! इसको बाद में देखना। दुश्मन उड़न सेना ने हम पर एक आग्नेयास्त्र छोड़ा है।
उसको रोकना होगा।
धाड़
धाड़
ठीक है मैं इसको बेहोश करने जा रही हूं!
वापस आने पर इसको मौत देने का काम ही सबसे पहले करूंगी।

सरानी जरा सी लेट हो गई थी। स्त्रीभू का विध्वंस ऑन द वे था!
रानी सरानी हूं मैं। स्त्रीभू की निर्वाचित शासिका। संक्षेप में कहूं तो तुम्हारी मृत्यु।
मिसाइल, धुंध में लापता हुई।
और लगभग तुरंत ही धुंध से बाहर वापस आ गई।
शक्तिरूपा में लिपटी हुई।
मिसाइल वही थी निशाना बदल गया था।
ओ! शक्तिरूपा तुम्हारे पास है। उत्तम!
हवा में बातें कर रही है सच में। मेरा सिर्फ एक यान तुम्हारे पूरे स्त्रीभू के कई बार परखच्चे उड़ा सकता है।
और ऐसे मेरे पास 150 वायुयान हैं। मान जा और समर्पण कर दे।

समर्पण! हमारा सौर किरण अस्त्र तुम्हारे किसी भी यान को आक्रमण करने से पहले राख में बदल सकता है।
और यह मत समझना कि यान हमारे पास नहीं है।
हमारे पास नाभिकीय हथियार हैं।
ब्रह्मास्त्र समझ लो। एक आग्नेयास्त्र तुमारे पूरे महाद्वीप को जीवन रहित कर देगा!
यह क्या...
ओ! पर ये काम मैं स्वयं अकेले कर सकती हूं। युद्ध हुआ तो कई निर्दोष मारे जाएंगे! तो फिर ये शक्तिरूपा को तय करने दो कि उत्तम शासक कौन होगा?
यह कैसे करोगी सरानी?
हम तुम द्वंद्व युद्ध से लड़ेंगे, नताशा! और जो जीतेगा, वह दोनों संसारों पर राज करेगा!
नाम तक जानती हो मेरा! हम्म!
मंजूर है! नताशा को पीछे हटना नहीं आता! आज के बाद मेरे पास दो-दो शक्तिरूपा होंगी।
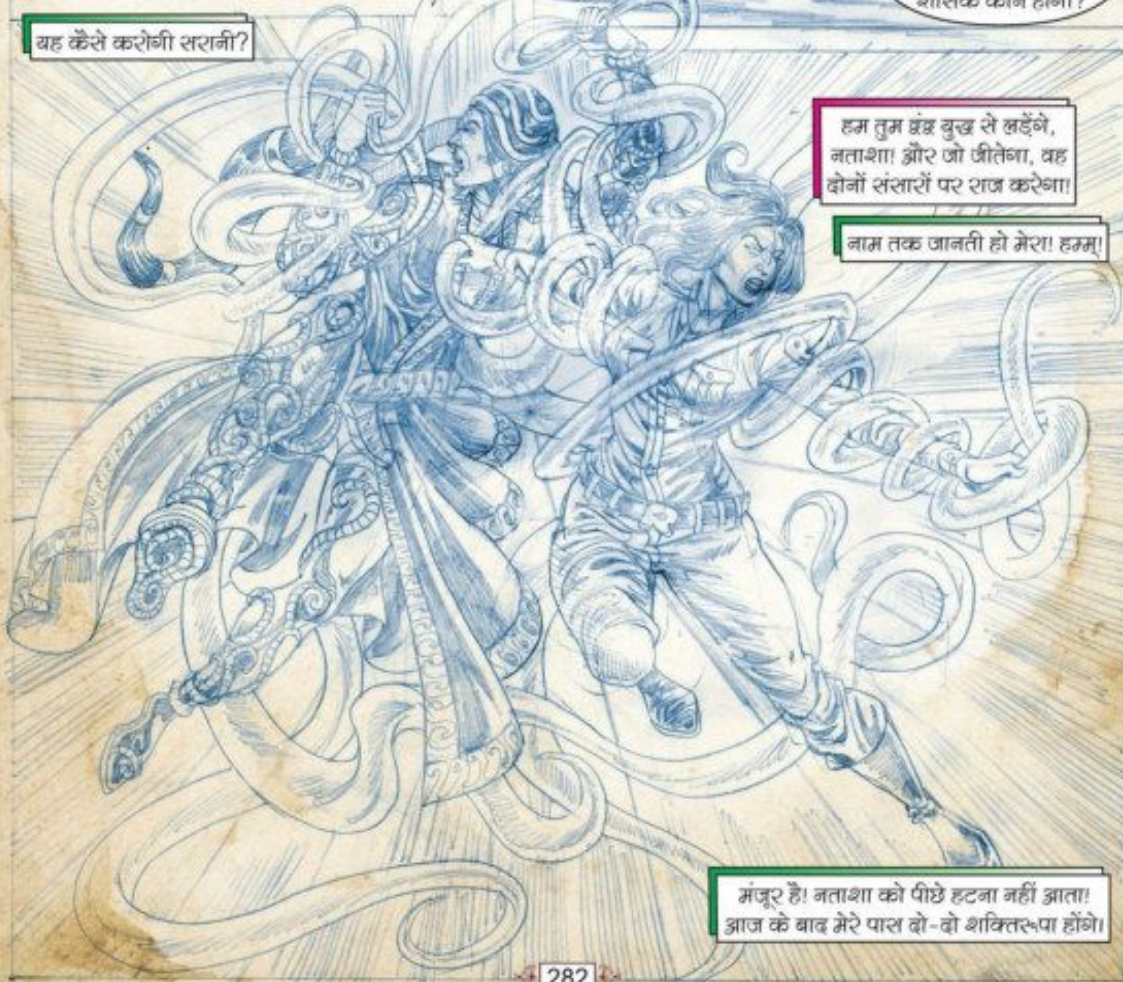
नताशा और सरानी मौत की ट्रॉफी दूसरे को थमाने के लिए ये मौत का खेल, खेल रहे थे। लेकिन परिणाम तो चुपचाप तय हो चुका था।
धाड़
मेरी थकान अब चरम पर पहुंचने वाली है। पर इस मोड़ पर आकर मैं हार नहीं सकती।
मुझे जीतना ही है। दोनों संसारों की सम्राज्ञी बनना है। इसके लिए चाहे मुझे कुछ भी करना पड़े।
इसके चीथड़े उड़ा दो।
रॉकेटों की पूरी कतार सरानी पर बरस पड़ी।
हा हा हा! लोगों की किस्मत फूटती है, ये खुद ही फूट गई।
धड़ाम

हाहाहा! हुई असावधान, गई जान! बाय रानी!

तुम्हारा सिंहासन मुझे मिस कर रहा... ओ! ये तो...

भड़ाम

बच गई!

तू शक्तिरूपा का प्रयोग चाबी के खिलौने की तरह कर रही है, लड़की।

शक्तिरूपा तो लावे की गर्मी है! तूफान का वेग है। उसके समक्ष तेरे हवा में उड़ते ये मंडराते बान...

तूफान में उड़ते तिनके हैं!

आऽऽऽ! अब तो मेरी शक्ति पूरी तरह से निचुड़ चुकी है। हम्फ!

अब मैं इसका सामना नहीं कर सकती! और न ही ये उड़ते ताबूत! कोई नहीं!

सिंधु! तू यहां कैसे?

नताशा तुमको बचाने भेजा गया है मुझे! ये कहकर कि मुझे बचाने वाला एंटीडोट तभी मिलेगा जब मैं तुम्हें बचाऊंगी!
जल्दी करो! मेरे पास समय कम है!
विश्वासघाती! तू भी इनसे जा मिली है?
मुझे तुम्हें बचाने के लिए शक्तिरूपा चाहिए! सिर्फ मैं ही तुमको स्त्रीभू का सिंहासन दिला सकती हूं! जल्दी करो!
अब तुम दोनों में से कोई जीवित नहीं बचेगा।
आऊ! आऽऽऽ! विक्टर!...ये- अक-सिंधु-
मैंने ही उसे भेजा है मैडम् वह या तो आपको सिंहासन तक ले जाएगी, या फिर खुद यमलोक जाएगी! विश्वास करें उस पर!
ठीक है! ले थाम शक्तिरूपा!
अब लड़ाई बराबर की होगी!
धाड़
तुझे कब से शक्तिरूपा की आवश्यकता पड़ने लगी सिंधु!
कमजोर हो रही है तू, और विश्वासघाती भी! स्त्रीभू की अपराधी है तू!

तू तो बगैर शक्तिरूपा ही दोनों शक्तिरूपा धारकों से निपट सकती है ना! तो आ! मार मुझे!
और मारकर दे दे स्त्रीभू का राज्य इन क्रूर विरोधियों के हाथों में।
नहीं, रानी सरानी! मैं द्रोही नहीं हूं। स्वामीभक्त हूं स्त्रीभू की। क्षमा करें।
ये सब नाटक मुझे इससे शक्तिरूपा को लेने के लिए करना पड़ा! ऐसी आपात-स्थिति को बनाना पड़ा!
तू-तू मरेगी! तू तो मर रही थी ना?
ये तो तुम विक्टर से पूछो।
विक्टर! सिंधु ने धोखा दिया है हमको। तुम्हारा विष इस पर हमेशा से बेअसर था।
अब न्यूक्लियर मिसाईलों को स्त्रीभू पर छोड़ दो। जो हमारे लिए पृथ्वी पर कभी था नहीं, वह कभी रहेगा भी नहीं।
वफादार विक्टर तक नताशा का आदेश पहुंच गया था। और उसकी उंगलियां की-बोर्ड पर कुछ टाइप करने लगी थीं।

आने दो इनके आग्नेयास्त्र! मैं हर खतरे को रोक लूंगी!
तो हम दोनों मिलकर उनका सामना करेंगे, देवी! वैसे शक्तिरूपा रक्षक कहां है? यहां क्यों नहीं हैं?
तुम हो ना! परंतु ऐसे हमारी शक्ति दो भागों में बंट रही है। दोनों शक्तिरूपा मुझमें होंगे तो पूर्ण शक्ति का संचार कर देंगे।
उचित है। ये लीजिए शक्तिरूपा और विनाश कर दीजिए इनके आने वाले आग्नेयास्त्रों को!
हाहाहा! अब स्त्रीभू सुरक्षित है और...
इसके दुश्मन असुरक्षित!
ध्रुव! उठो! संभालो अपने आपको!
आह! ... अ...अक्षया? सरानी कहां है?

सरानी? सरानी तो बाहरी दुनिया का सामना करने गई है। शक्तिरूपा के साथ!
ओफ्फ् मुझे सरानी तक तुरंत पहुंचना है। वह युद्ध किसी भी कीमत पर रोकना है।
यहां से जाना तो दूर की बात है! ये सुरक्षाकर्मी तो हमको यहां से हिलने भी नहीं देंगे।
रूप परिवर्तक अगर मुझसे छीना न गया होता तो भी ये लगातार ऐसे नजर गड़ाए हैं कि...
...और शक्तिरूपा रक्षक कौस्तुभा!
अरे, ये क्या?
जब बंदीगृह में पता चला कि बाहरी दुनिया के पुरुष को मृत्युदंड दिया जा रहा है, तो फिर उसके द्वार हमें रोक नहीं पाए।
सिंधु के बाज को भी हमने देखा। वह ऊपर है पर अभी पकड़ में नहीं! वह शायद बाहरी दुनिया वालों से मिल गई है।
ये अपने आप हवा में उड़ने कैसे लगे?
इतनी तेज तो हवा भी नहीं चली।
ओह! देवीना!

पर मुझे तो उसके बाज ने ऐसा कुछ नहीं बताया।
तुम...बाज से बातें कर लेते हो?
ये बातें बाद में! पहले मुझे सरानी तक पहुंचना है! जल्दी से जल्दी! वर्ना स्त्रीभू और बाहरी दुनिया दोनों का ही युद्ध में भारी नुकसान होगा।
हमको भी सरानी की मदद करने ऊपर जाना है, और इसका एक ही तरीका है, हमको एक यान हथियाना होगा। पर उसकी सुरक्षा कड़ी है। हम सफल तो होंगे पर समय लगेगा!
वही तो मेरे पास नहीं है।
कुछ और तरीका सोचना पड़ेगा।
और कोई तरीका नहीं है, ध्रुव!
"मैं तुम लोगों को ऊपर ही मिलूंगा!"
भड़ाम
तुम लोग चलो!
ओफ्फ! अब तक मिसाइलें यहां क्यों नहीं पहुंचीं। खैर कुछ घंटे तो लगेंगे ही। विक्टर से पूछती हूं कितना समय हुआ?
विक्टर! तूने मिसाईलें दाग दीं? कितनी देर हुई?
काफी देर हो गई, मैडम!

क्या बक रहा है तू? उनकी इतनी हिम्मत कैसे हुई? किसने बुलाया उनको?
मैंने ही बुलाया, मैडम!
तूने? क्यों...एक मिनट! तेरी आवाज बदल कैसे गई? तेरी आवाज मुझे...
मिसाइल छोड़ने से पहले ही सिक्योरिटी वालों ने मुझे दबोच लिया!
...श्वेता जैसी क्यों लग रही है।
क्योंकि मैं श्वेता ही हूं।
डूबी नहीं थी मैं। बाहर निकलकर मैंने असावधान विक्टर को कब्जे में ले लिया और विक्टर बन गई। तुमसे शक्तिरूपा लेने का एक यही रास्ता समझ में आया मुझे।
और फिर मैंने सिंधु को वह राज बताकर तेरे पीछे लगा दिया!
समझ गई मैं सारा खेल!
पर किसी भूल में मत रह! शक्तिरूपा, नताशा का है और नताशा उसे लेकर रहेगी।
ओ? ये बाज तो?

बचो, नताशा!
अभी तो तुमने बहुत हिसाब देना है। तुमको मैं मरने नहीं दूंगा।
ओ! तू वापस आ गया? मुझे तो लगा कि तू भाग गया!
पर जब तू स्वतंत्र हो गया था तो भागा क्यों नहीं?
बिना इंसाफ हुए कैसे जाता?
तो तू इंसाफ भुगतने आया है?
तुम अच्छी तैराक हो। कुछ देर तक तैरो! मैं अभी आता हूं।
तुझे भुगताने के लिए, सरानी!
ध्रुव! यह तुम क्या कह रहे हो? ये...ये हमारी स्त्रीअध्यक्षा हैं!
अध्यक्षा है तो कुछ भी करेंगी? किसी को भी मार देंगी। अच्छी गुंडागिरी है। अपने आप को वह समझती क्या है?

यह क्या बक रहा है तू? मुझसे उलझ रहा है? मुझसे!! जो एक बार में तेरी जान दस बार निकाल सकती है?
अरी जा! मेरी जान कोई मिठाई नहीं है कि एक मिली तो दस खा लीं।
एक पल रुक जा! तेरी दोनों टांगें तोड़कर तेरे हाथों में दूंगा।
तुम...यह गुंडों जैसी भाषा क्यों बोल रहे हो, ध्रुव!
सरानी का क्रोध अब असह्य हो गया था।
तू...तू दो छटांक का पुरुष! मुझे...
क्योंकि गुंडों के लिए मैं उनसे बड़ा गुंडा हूं।
इसको बताना है कि चलता होगा इसका गुंडाराज पूरी स्त्रीभू पर, लेकिन मुझ पर नहीं चलेगा।
वैसे स्त्रीभू पर गुंडागिरी करती है तो बस बिल्लौरी! उससे डर सकता हूं मैं! तो तू औकात में रह।

सरानी को धमकी देगा!!
ये...तो... बिल्लौरी है!!
सरानी बिल्लौरी ही है।
वास्तव में सरानी पर काम बिल्लौरी का। रूप परिवर्तक यंत्र से ये बिल्लौरी बनती थी।
इसके अंतर्मन का यही रूप निकालने के लिए मैं खुद गुंडा बन रहा था।
हां! मैं बिल्लौरी भी हूं। सिंहासन पाने के लिए मैं बिल्लौरी बनी। अक्षया का धन चूसा और उससे चुनाव जीती! 'जीवोहरा की वंशज हूं मैं' जिसने स्त्रीभू की स्थापना की।
धड़
वह कह गई थी कि किसी दिन उसका कोई वंशज आएगा और स्त्रीभू को तबाह करके शक्तिरूपा वापस ले जाएगा। और मुझे ऐसा होने नहीं देना था।
तूने हम सभी को धोखा दिया है, सरानी? अब तुझे शक्तिरूपा भी नहीं बचा पाएंगे।
क्योंकि अब मैं अकेली नहीं, देवीना और शक्तिरूपा रक्षक भी मेरे साथ हैं।
हमारी संयुक्त शक्ति के आगे तू टिक नहीं पाएगी सरानी।
क्योंकि तेरा शरीर शक्तिरूपा को सदा के लिए धारण नहीं कर सकता लेकिन हम शक्तिरूपा रक्षक हैं।

इससे शक्तिरूपा छीन लो देवीना!
अब तुम्हारे लिए वही बंदीगृह खाली है सरानी। जिसमें तुमने हमें रखा था।
और फिर-
इन पत्थरों में शक्तिरूपा को धारण करने की शक्ति है।
शक्तिरूपा कई वर्षों तक यहां रखा रहा था। यहां पर ये सुरक्षित रहेगा।
वैसे भी इस क्षेत्र को हमने हाइटेक छावनी में बदल डाला है।
सरानी बंदीगृह में है। सत्यागी का शाप सच हुआ।
तुम्हारी वजह से! पर तुमको सरानी पर शक कैसे हुआ।
अक्षया और मैं रूप परिवर्तक लेने गए थे। पर वह नकली निकला।
और फिर सरानी से लड़ने के दौरान मुझे उसकी कलाई पर कुछ धातुई होने का अहसास हुआ था। मुझे तुरंत रूप परिवर्तक का शक हुआ।
क्योंकि बिल्लौरी भी सरानी के महल की दिशा में आई थी। पर तब तक मैं बेहोश हो चुका था। होश आते ही मैं सिंधु के बाजों की मदद से युद्धाकाश में आ गया। और आगे तो तुम जानती ही हो!
कितना बखान करते हो अपना।
तू चुप हो तो कोई कुछ बोले। अब तो यहां शक्तिरूपा भी आ गया है।
अगर चंडिका, विक्टर बनकर नताशा को उल्लू न बनाती तो अभी मैं ये, मैं वो न कर पाते। मैंने ही भेजा था उसे। थैंक्यू बोलो मुझको अभी!
मुझे अब नताशा की उल्टी शक्ल देखनी है। कहां है वह?
अब भाईयों का तो भगवान ही मालिक है।
नताशा का पता नहीं! मैं वापस गया तो वह समुद्र में कहीं नहीं मिली। न जाने कहां है वह?

बोनस
पेजेस

शक्तिरूपा संघर्ष

क्या है शक्तिरूपा?

शक्तिरूपा को यदि कॉन्सेन्ट्रेटेड एनर्जी सॉर्स कहा जाए तो कोई दो राय नहीं। ऐसी एनर्जी जो निराकार रूप में एक छोटे से दायरे में सिमटी हुई है लेकिन क्षमता में यह परमाणु बमों से भी ज्यादा खतरनाक है। कॉमिक में आपने इसे एक बहती एनर्जी की तरह देखा जो किसी कुंडली की भांति धारक के हाथों के गिर्द लिपट कर धारक के ही शरीर की ऊर्जा को कई गुना बढ़ा देती है। लेकिन यह कई परमाणु बमों से ज्यादा खतरनाक क्यों है?

शक्तिरूपा की खासियत है कि यह इंसानों में लिंग के आधार पर शक्ति को संचालित करता है। अर्थात यदि किसी स्त्री से इसका संपर्क हो तो यह पृथ्वी की सभी स्त्रियों की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है और यदि किसी पुरुष से इसका संपर्क हो तो यह पुरुषों की शक्ति को घटा देता है।

यहां दो शक्तिरूपा हैं जो एक-दूसरे के बीच किसी फोन लाइन की तरह कार्य करते हैं। पृथ्वी पर रखा शक्तिरूपा वास्तव में शक्ति खींच कर प्रेषित करने वाला स्रोत है और स्त्रीभू में रखा शक्तिरूपा उस शक्ति को प्राप्त करके वितरित करने का कार्य करता है। यही कारण रहा कि पृथ्वी पर रखे शक्तिरूपा के संपर्क में आते ही ध्रुव की सारी शक्तियां खिंच कर स्त्रीभू के पुरुषों में पहुंच गईं। साथ ही, पृथ्वी के सभी पुरुषों की शक्तियां यहां मौजूद शक्तिरूपा के उजागर होने से खिंचने लगीं और स्त्रियों की शक्तियों को बढ़ाने लगीं। जबकि स्त्रीभू में बिल्कुल विपरीत प्रभाव पैदा होना शुरु हो गया।

किस

शक्तिरूपा की शक्तियों को जानने के बाद सबसे पहले जो स्त्री शक्तिरूपा को हासिल करने के लिए आई वह थी एक हंटर जिसका नाम था किस। किस के फ्लाइंग किस वास्तव में जानलेवा थे जिनमें वह दो प्रकार के केमिकल्स का इस्तेमाल करती थी जो आपस में मिलकर ब्लास्ट करते थे। नताशा और ट्विस्टी किस के धमाके में चोटिल हो गईं और चूंकि वह शक्तिरूपा मंदिर के प्रांगण में ध्रुव से टकराई इस कारण, ध्रुव के साथ ही पीटर और करीम भी उसके सामने टिक नहीं सके और वह शक्तिरूपा ले जाने में सफल हुई। किस का लक्ष्य था शक्तिरूपा के बल पर पृथ्वी की साम्राज्ञी बनना, लेकिन जहां शक्ति की खान हो वहां दावेदार बहुत बढ़ जाते हैं। किस के पास शक्तिरूपा ज्यादा देर तक न टिक सका।

ब्लैक कैट

इससे पहले किस अपने मंसूबों में कामयाब होने के लिए पहला कदम उठाती, ब्लैक कैट ने बड़ी चालाकी से एक सधा हुआ हमला करके, किस को बड़ी आसानी से बेहोश कर दिया। ब्लैक कैट को पता था कि शक्तिरूपा धारक किस से सीधे टकराना मौत को दावत देना होगा, इसलिए वह सीधे ही नहीं टकराई बल्कि उसने किस पर चारों तरफ से लुढ़कते पत्थरों की बौछार कर दी जिसके सामने किस ज्यादा देर तक न टिक सकी।

शक्तिरूपा को हासिल करने का ब्लैक कैट का मकसद विश्व साम्राज्ञी बनना नही था, बल्कि अपने पिता की मौत का बदला मठानी से लेना था जो राजनगर के जेल की कड़ी सुरक्षा में कैद थी और बिना शक्तिरूपा ब्लैक कैट के लिए उसे मारना नामुमकिन होता।

देवीना

जैसे ही शक्तिरूपा मठ के मंदिर से बाहर निकला, उसकी एनर्जी पृथ्वी पर फैलनी आरंभ हो गई और इस एनर्जी के आभास से कई वर्षों से कोमा में पड़ी देवीना जाग गई।

देवीना जो कभी जूपिटर सर्कस में स्ट्रॉन्ग वुमन के तौर पर काम करती थी और जिसने ध्रुव को गोद में खिलाया था, डॉक्टर्स और वैज्ञानिकों के लिए अब तक पहेली बनी हुई थी क्योंकि जूपिटर सर्कस की आग में थर्ड डिग्री बर्न्स के बाद उसके घाव बहुत तेजी से भरे और यहां तक कि उसका डी. एन. ए. भी इंसानों से अलग था।

लेकिन देवीना थी कौन?

देवीना वास्तव में उस शक्तिरूपा की रक्षक थी जिसके लिए पृथ्वी पर इस समय संघर्ष चल रहा था। और जैसा कि हम जानते ही हैं कि देवीना पृथ्वी की नही, स्त्रीभू की निवासी है और शक्तिरूपा रक्षक होने के कारण वह शक्तिरूपा की ऊर्जा से जुड़ी हुई है।

जागने के तुरंत बाद शक्तिरूपा की एनर्जी का पीछा करती हुई देवीना भी राजनगर जेल में पहुंच गई जहां ब्लैक कैट शक्तिरूपा धारक बन कर मठानी को मारने आई हुई है और वह ब्लैक कैट से शक्तिरूपा हासिल कर भी लेती अगर ट्विस्टी बीच में न आ जाती।

शक्तिरूपा को हासिल करने का देवीना का सीधा सा मकसद था। वह शक्तिरूपा की वास्तविक रक्षक थी और जैसे ही उसे शक्तिरूपा मिलता, वह वापस अपने देश स्त्रीभू चली जाती।

ट्विस्टी

शक्तिरूपा ने ब्लैक कैट की सारी शक्ति निचोड़ ली थी और इसलिए ही वह देवीना, ध्रुव, मठानी और ट्विस्टी के सामने ज्यादा देर नहीं टिक सकी और इससे पहले कि देवीना शक्तिरूपा को हासिल कर पाती, ट्विस्टी ने उस पर कब्जा कर लिया। शक्तिरूपा हासिल करने का ट्विस्टी का मुख्य मकसद था खुद को हंटर्स की मठाधीश के तौर पर स्थापित करना और मठ को उसकी खोई गरिमा लौटाना। लेकिन ट्विस्टी की कम उम्र और अनुभवहीनता उसके इस काम में बाधक बन गई।

शक्तिरूपा हासिल करने के बाद वह तीन हंटर्स से जा टकराई जो जल्दी ही उस पर हावी हो गए और अगर चंडिका बीच में न आती, तो शक्तिरूपा ट्विस्टी के हाथों से निकल जाता।
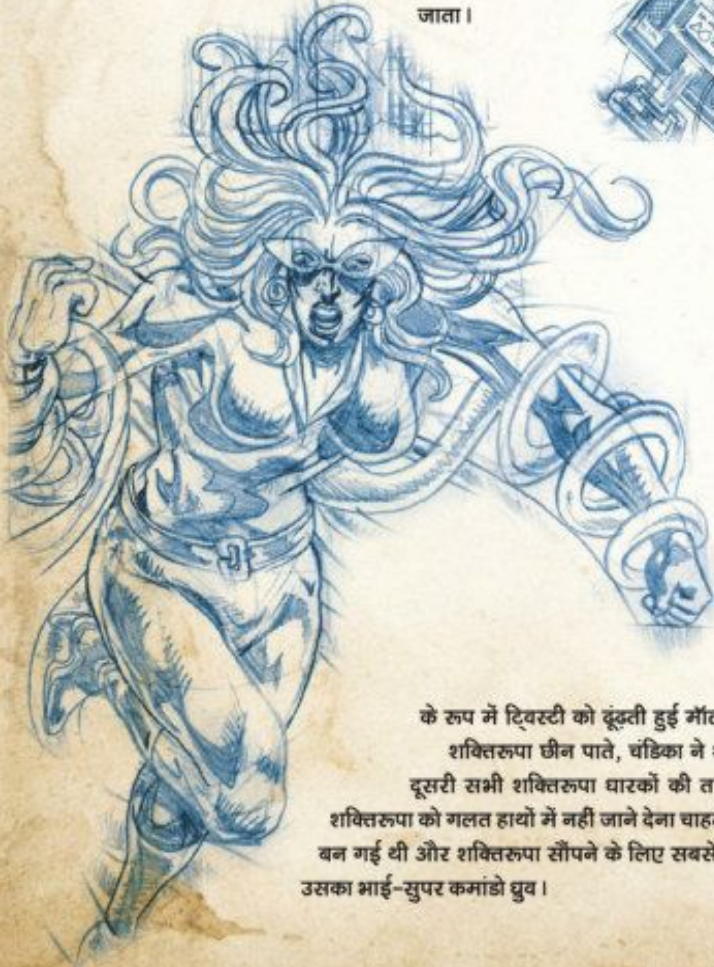
चंडिका

श्वेता को पता था कि शक्तिरूपा के साथ ट्विस्टी न केवल खुद के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती है बल्कि दुनिया के लिए भी एक बड़ी मुसीबत बन सकती है और इसलिए ही वह चंडिका के रूप में ट्विस्टी को ढूंढती हुई मॉल तक आ पहुंची और इससे पहले कि हंटर्स ट्विस्टी से शक्तिरूपा छीन पाते, चंडिका ने शक्तिरूपा को अपने अधिकार में ले लिया।

दूसरी सभी शक्तिरूपा धारकों की तरह चंडिका का कोई खास मकसद नहीं था। वह केवल शक्तिरूपा को गलत हाथों में नहीं जाने देना चाहती थी और इसलिए वह एक प्रकार से शक्तिरूपा रक्षक ही बन गई थी और शक्तिरूपा सौंपने के लिए सबसे सही व्यक्ति उसकी नजरों में अगर कोई था, तो वह था उसका भाई-सुपर कमांडो ध्रुव।

नताशा

ग्रैंड मास्टर रोबो की बेटी और विश्व में आतंकवाद की सरगना, कमांडर नताशा। वैसे तो नताशा ध्रुव और श्वेता पर जान छिड़कती है, लेकिन शक्तिरूपा को प्राप्त करने के लिए उसने अपना सारा प्यार ताक पर रख दिया। शक्ति होती ही ऐसी है कि किसी का भी दिमाग खराब कर दे।

शक्तिरूपा को चंडिका के हाथों से निकालने के लिए नताशा इस कदर क्रूर हो गई कि पहले तो एक पूरा मॉल उड़ा दिया और फिर श्वेता के घर पर ही गियरगर को भेज कर हमला करवा दिया। उसके ऐसा करने पर ही उसकी योजना सफल हो गई और चंडिका खुद शक्तिरूपा के साथ नताशा के अड्डे पर चली आई जहां सिंधु की मदद से नताशा ने आसानी से चंडिका से शक्तिरूपा हासिल कर लिया।

नताशा एक विश्वस्तरीय आतंकवादी है और यदि उसे शक्तिरूपा मिलता है तो उसका बस एक ही मकसद होना था, विश्व साम्राज्ञी बनना, और यही नताशा ने किया भी। वह अमेरिका के साथ सभी नाटो फोर्सेज की स्वामिनी तो बन गई लेकिन उसने शक्तिरूपा के नेगेटिव इफेक्ट्स को बिल्कुल ही नजरअंदाज कर दिया और बहुत ही बचकाने तरीके से सारी सिचुएशन को कंट्रोल करते हुए, शक्ति के मद में सीधे ही सरानी से टकराने पहुंच गई और अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा क्योंकि बायोलॉजिकली सरानी की बॉडी शक्तिरूपा को धारण करने में सक्षम थी जबकि नताशा केवल एक आम इंसान ही थी।

सरानी

स्त्रीभू की रानी सरानी, जो वास्तव में बिल्लौरी भी थी, स्त्रीभू के साथ ही पूरी पृथ्वी की साम्राज्ञी बनना चाहती थी और यह सारी साजिश ही सरानी की थी। अंत में उसने शक्तिरूपा के दोनों रक्षकों को केवल संदेह के आधार पर जेल में डाल दिया और नताशा को हरा कर दोनों शक्तिरूपा को अपने कब्जे में ले लिया। लेकिन ध्रुव की तीव्र बुद्धि के आगे उसका खेल भी ज्यादा देर तक चल नहीं सका। अंततः शक्तिरूपा रक्षक भोली और देवीना ने सिंधु के साथ मिलकर जल्द ही सरानी पर काबू पा लिया और दोनों शक्तिरूपा को उनके सही स्थान पर पहुंचा दिया गया।
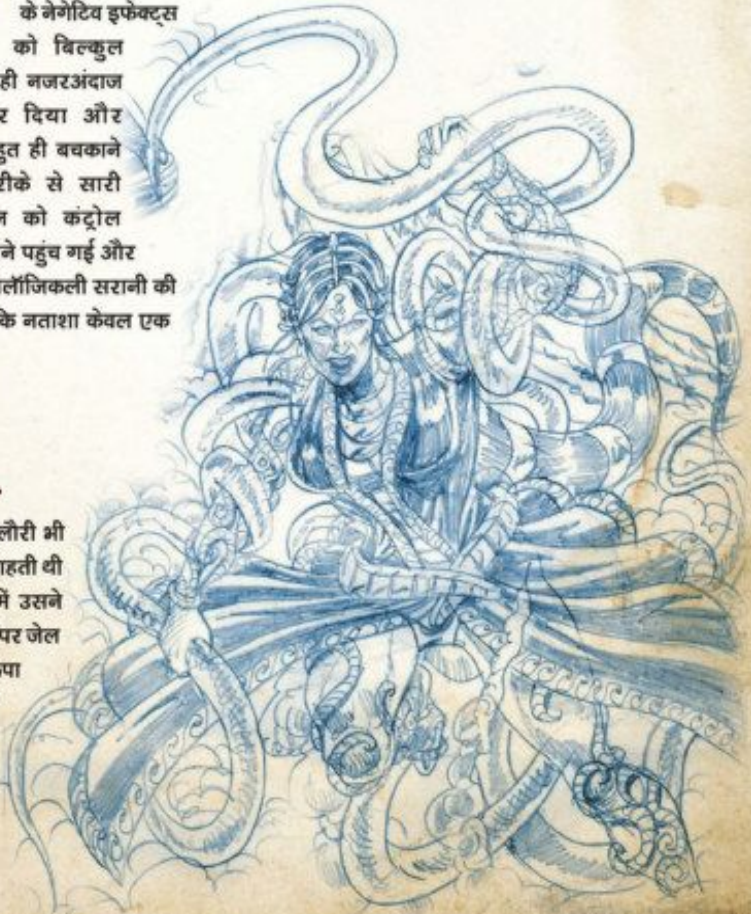
कवर स्टेजेस

शक्तिरूपा यथारूप का आवरण पृष्ठ अनुपम सिन्हा द्वारा रचा गया। यह पृष्ठ स्त्रीभू कॉमिक के लिए बनाया गया था जिसे शक्तिरूपा यथारूप के मुखपृष्ठ के तौर पर रखा गया है।

राज कॉमिक्स बाय मनोज गुप्ता की टीम द्वारा इस पर फ्लैट कलर किए गए।

जगदीश की इंकिंग के बाद।

आवरण पृष्ठ पर इफैक्ट किए ईशान त्रिवेदी ने।

कवर गैलरी

स्त्रीभू

सिंधुनाद

मृत्युरूपा

शक्तिरूपा निर्माण